स्वदेश TODAY digital
रांची, मंगलवार
07.05.2024
वर्ष : 09, अंक : 125, पृष्ठ : 12
मूल्य : 3 रुपया
www.swadeshtoday.com

हिन्दी दैनिक
स्वदेश टुडे
देश की आवाज

रांची लोकसभा सीट से कुल 33 उम्मीदवारों ने किया...
▶▶ 3

@swadeshtoday | @swadesh_today | swadesh_today | swadesh today | @swadesh_today | 8092174888 | 9031730388

ईडी का छापा : मंत्री के पीएस के नौकर के घर से करोड़ों बरामद

ईडी की पूछताछ में नौकर जहांगीर ने स्वीकारा, कहा- पीएस संजीव लाल के हैं सारे पैसे

नोटों की गिनती करने में लगे हैं बैंक अधिकारी, लगायी गयी हैं कई मशीनें

रांची : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम सोमवार को राज्य की राजधानी रांची के अलग-अलग इलाकों में छापेमारी की कार्रवाई की है। छापेमारी में राज्य सरकार के मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव संजीव लाल के नौकर जहांगीर आलम के यहां से समाचार लिखे जाने तक 25 करोड़ रुपये की गिनती की जा चुकी थी। वहीं, अभी भी नोटों की गिनती चल रही है। बैंकों के अधिकारी बरामद रुपये की गिनती कर रहे हैं। इस कार्य में कई मशीनें लगी हैं। कुल 12 बक्सों में नोटों के बंडल को अरगोड़ा स्थित पंजाब नेशनल बैंक के चेस्ट में ले जाया गया है। इसके अलावा ईडी की छापेमारी में पीपी कंपाउंड स्थित तेजस्विनी अपार्टमेंट में बिल्डर मुन्ना सिंह के फ्लैट से पांच करोड़ रुपये बरामद हुए हैं। मुन्ना सिंह मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव संजीव लाल के करीबी बताये जाते हैं। जानकारी के अनुसार, जहांगीर आलम ने ईडी की पूछताछ में बताया है कि यह रुपये मंत्री के निजी सचिव संजीव लाल के हैं। बताया जा रहा है कि ईडी की यह छापेमारी गिरफ्तार हुए इंजीनियर वीरेंद्र राम के मामले में हुई है। ईडी ने झारखंड ग्रामीण विकास विभाग के मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम को फरवरी, 2023 में कुछ योजनाओं के क्रियान्वयन में कथित अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था।

पीपी कंपाउंड स्थित तेजस्विनी अपार्टमेंट में बिल्डर मुन्ना सिंह के फ्लैट से पांच करोड़ बरामद

मुन्ना सिंह मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव संजीव लाल का बताया जाता है करीबी

कैश बरामदगी पर पीएम बोले –

चोरी हुआ माल पकड़ रहा मोदी

प्रवर्तन निदेशालय की भारी नकदी बरामदगी के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि लोग केंद्रीय एजेंसी द्वारा की गयी कार्रवाई की सराहना कर रहे हैं, कुछ लोग भ्रष्टाचार को रोकने के लिए उनकी आलोचना कर रहे हैं और लूट। प्रधानमंत्री ने कहा - आज, करेंसी नोटों के पहाड़ झारखंड में मिल रहे हैं। लोग कह रहे हैं - चोरी हो गयी और माल पकड़ रहा मोदी वाह! ओडिशा में एक चुनावी सभा के दौरान पीएम मोदी ने जनता से कहा - अब आप मुझे बताइये, अगर मैं उनकी चोरी बंद कर दूं, उनकी कमाई बंद कर दूं, उनकी लूट बंद कर दूं, तो क्या वे मोदी को गाली नहीं देंगे? गालियों के बावजूद क्या मुझे ये काम नहीं करना चाहिए। क्या मुझे आपका पैसा नहीं बचाना चाहिए।

ईडी का निष्कर्ष आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है : आलमगीर आलम

इधर, संजीव लाल के ठिकाने से 25 करोड़ रुपये बरामदगी मामले में पत्रकारों से बातचीत में मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि टीवी में आप लोग जो देख रहे हैं, हम भी वही देख रहे हैं। ईडी का निष्कर्ष आने के बाद ही कुछ कहा जायेगा। अभी कुछ टिप्पणी करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि संजीव उनका विभागीय पीएस है और वो सरकारी मुलाजिम है। हमलोग जो पीएस को रखते हैं, उसका अनुभवी देखकर ही रखते हैं। इससे पहले संजीव दो-दो मंत्रियों का निजी सचिव रह चुका है।

इन स्थानों पर हुई छापेमारी

- मेन रोड के पीपी कंपाउंड स्थित तेजस्विनी अपार्टमेंट में बिल्डर मुन्ना सिंह के घर।
- गाड़ीखाना चौक स्थित संजीव लाल के नौकर जहांगीर आलम के सैयद रेजीडेंसी स्थित घर।
- दीनदयाल नगर स्थित आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल के घर।
- सेल सिटी स्थित पथ निर्माण विभाग के इंजीनियर विकास कुमार के घर।
- बोड़ेया रोड स्थित चिरौंदी में इंजीनियर कुलदीप मिंज के घर।
- आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल के कांके रोड स्थित घर।

ओडिशा में प्रधानमंत्री मोदी, बोले –

आदिवासी इलाकों में 'एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल' स्कूल हमने स्थापित किये

एजेंसी

भुवनेश्वर : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को दावा किया कि ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) 'अस्त' हो रहा है जबकि विपक्षी कांग्रेस 'पस्त' है, लिहाजा लोग भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को लेकर आश्वस्त हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने खुद को भगवान जगन्नाथ का पुत्र बताते हुए कहा कि बीजू जनता दल (बीजद) सरकार की 'एक्सपायरी डेट' चार जून है। राज्य में पहली चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से ओडिशा को देश का नंबर एक राज्य बनाने के लिए भाजपा को एक मौका देने का आग्रह किया। ओडिशा के आदिवासी बहुल क्षेत्र नबरंगपुर में एक अन्य रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने दावा किया कि उनकी सरकार मूल निवासियों के कल्याण के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा - आपने मोदी के नेतृत्व के दस साल के ट्रैक रिकॉर्ड को देखा है। मोदी ने आदिवासी कल्याण के लिए बजट को पहले के आवंटन की तुलना में पांच गुना बढ़ा दिया।

मोदी ने दावा किया कि केंद्र की सरकार ने आदिवासी इलाकों में 'एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल' स्कूल स्थापित किये हैं और ऐसे स्कूलों की संख्या 400 के पार पहुंच गयी है। उन्होंने कहा कि उनके मंत्रालय में सात प्रतिशत लोग एसटी, एससी और ओबीसी श्रेणी के हैं।

प्रधानमंत्री मोदी अब 11 को ही आयेंगे झारखंड

रांची : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले 12 मई को झारखंड दौरे पर आने वाले, थे लेकिन अब वे 11 मई को ही आयेंगे। वे चतरा लोकसभा क्षेत्र के सिमरिया प्रखंड स्थित मुरुवे मैदान में अपराह्न तीन बजे जनसभा को संबोधित करेंगे। यह जानकारी भाजपा प्रदेश कार्यालय ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

मोदी ने यह भी दावा किया कि ओडिशा को आयुष्मान भारत योजना से कोई फायदा नहीं हुआ, क्योंकि बीजद सरकार ने इसे राज्य में लागू नहीं किया। उन्होंने कहा कि ओडिशा की जनता ने 50 साल तक कांग्रेस के शासन को देखा और पिछले 25 साल से बीजद को देख रही है। मोदी ने लोगों से ओडिशा को देश का नंबर एक राज्य बनाने के लिए भाजपा को एक मौका देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा - सभी ने देखा कि क्या हुआ। ओडिशा की भूमि उर्वरक है, यह खनिज संपदा से सम्पन्न है। यहां समुद्र तट भी हैं। बेरहामपुर जैसा व्यवसायिक केंद्र है। यहां संस्कृति और विरासत... क्या नहीं है! फिर भी समृद्ध ओडिशा के लोग गरीब रह गये। इस पाप का कौन जिम्मेदार है? जवाब साफ है- कांग्रेस और बीजद। उन्होंने कहा - लेकिन अब ओडिशा में बीजद अस्त है, कांग्रेस पस्त है और लोग भाजपा पर आश्वस्त हैं और सिर्फ भाजपा उम्मीदों का नया सूरज बनकर आयी है।

झारखण्ड सरकार GOVERNMENT OF JHARKHAND

लू एवं गर्म हवाओं से बचाव

गर्म हवाओं के कारण स्वास्थ्य पर मौसम का दुष्प्रभाव :
- शरीर में पानी की कमी
- उल्टी, तेज बुखार
- कमजोरी, सिर दर्द, चक्कर आना
- हृदयाघात, मस्तिष्कघात
- कार्डियोवैस्कुलर जटिलता आदि लक्षण

ओ.आर.एस घोल बनाने की विधि एवं उपयोग
- साफ बर्तन में एक लीटर पानी (साधारण ग्लास से पाँच ग्लास) में ओ.आर.एस. का एक पूरा पैकेट घोल दें
- तैयार किए गए ओ.आर.एस. के घोल को कुछ-कुछ अंतराल पर चम्मच से देते रहें
- बनाए गए ओ.आर.एस. घोल को 24 घंटे के बाद उपयोग न करें

इनका नियमित सेवन करें :-
नमक-चीनी का घोल
छाछ
नींबू-पानी
आम का शर्बत
लस्सी
तरबूज
खरबूजा
खीरा
ककड़ी

ओ.आर.एस. का पैकेट निकटतम सरकारी अस्पताल/ स्वास्थ्य उपकेन्द्र/ सहिया के पास निःशुल्क उपलब्ध है
- गर्मी में हीट स्ट्रोक से बचाव के लिए ज्यादा पानी पीएं।
- घर से बाहर निकलें, तो खुद को कवर करके ही निकलें।
- लू लगे व्यक्ति को छाँव में लिटा दें, अगर उनके शरीर के कपड़े तंग हों तो उसे ढीला कर दें अथवा हटा दें।
- ठंडे गीले कपड़े से शरीर पोछें या ठंडे पानी से नहलाएं।
- लू लगे व्यक्ति की हालत में एक घंटे तक सुधार न हो, तो उसे तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में ले जाएं।

तेज धूप और लू का शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।सावधानियाँ हीं बचाव
हल्के रंग के ढीले ढाले सूती कपड़े पहनें
धूप का चश्मा इस्तेमाल करें
सम्भव हो,तो तौलिया/गमछा रखें
जूते/चप्पल पहनें

NATIONAL HEALTH MISSION
स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग
झारखण्ड सरकार
स्वस्थ झारखण्ड सुखी झारखण्ड
National Program on Climate Change and Human Health (NPCCHH)

झारखण्ड सरकार 104 चिकित्सा सहायता
स्वास्थ्य संबंधी किसी भी जानकारी\ शिकायत हेतु 24/7 निःशुल्क राज्य हेल्पलाईन नंबर 104 (टॉल फ्री) पर कॉल करें

PR No. 324485 (Health Med Edu and Family Welfare) 24-25

NEWS IN Gallery

श्री शिवेश्वर संकट मोचन हनुमान मंदिर का वार्षिकोत्सव मनाने को लेकर बैठक सम्पन्न

रांची : नव युवक संघ पूजा समिति बरगंवा के सदस्यों की बैठक देवी मंडप के प्रांगण मे संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता समिति के संरक्षक मनोज कुमार सिंह ने की। बैठक मे श्री शिवेश्वर संकट मोचन हनुमान मंदिर का तीसरा वार्षिक महोत्सव मनाने का निर्णय लिया गया। साथ ही मंडा पूजा की तैयारी पर भी चर्चा की गई। समिति के कृष्णा गोप एवम शंकर पांडेय ने बताया कि 16 मई को डागर के साथ मंडा पूजा की शुरूआत हो जायेगी। छोह नाच झुलन की आकर्षक व्यवस्था की तैयारी हो रही हैं। अध्यक्षता करते हुए मनोज कुमार सिंह ने कहा कि कल श्री हनुमान मन्दिर को लेकर वार्षिक महोत्सव की तैयारी सदस्यों द्वारा कर लिया गया है। सुबह 7 बजे कलश यात्रा 11बजे प्रसाद वितरण 7 बजे से भजन ओर्चेस्टा 11 बजे पुनः खीर प्रसाद वितरण के साथ वार्षिक महोत्सव कार्य क्रम का समापन होगा। बैठक मे मुखिया अनिता तिर्की बिमल कुमार बिरेन सिंह उमेश यादव राजू गोप यदुनंदन गोप महेश्वर स्वंसी अंजन तिर्कि विजय लोहरा सोमनाथ लोहार आनंद कुमार सुरेन्द्र सिंह प्रवीण गोप बिनोद सिंह कृष्णा कुमार सहित अन्य भक्त गण उपस्थित थे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने चलाया जनसंपर्क अभियान

मांडर : भारतीय जनता पार्टी के मांडर मंडल के द्वारा गांव-गांव घूम कर लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशी समीर उरांव के लिए समर्थन मांगा गया। इस दौरान मंडल के अध्यक्ष समेत अन्य पदाधिकारी ने मांडर प्रखंड के नगड़ा, उचरी, कनभीठा, गोरे, टोटामबी, सुरसा, हातमा, करगे, हेसमी, कठचाचो आदि गांव में जनसंपर्क कर भाजपा प्रत्याशी समीर उरांव के पक्ष में मतदान करने की अपील की गई। साथ ही समीर उरांव को भारी मतों से विजय बनाने का संकल्प किया गया। इसमें मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष खदर्दी उरांव, दिनेश गुप्ता, जनार्दन साहू, हेमंत कुमार, बबलू गोप, अब्दुल रहमान, शनिचरवा उराँव, राजनाथ सिंह, मुकेश गोप, सुनिल सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

लिमडा की मुखिया सोमारी देवी भाजपा में लौटी

खूंटी : भाजपा के खूंटी लोकसभा संयोजक और विधायक कोचे मुंडा ने सोमवार को लिमड़ा पंचायत के डुमारी ग्राम में लोगों से मिलकर भाजपा उम्मीदवार अर्जुन मुंडा को भारी मतों से बचाने की अपील की। विधायक ने मुखिया सोमारी उरांव के आवास में जाकर लोकसभा चुनाव में उनसे सहयोग मांगा। मौके पर विधायक ने कहा कि आप सिर्फ एक सांसद नहीं, बल्कि केंद्र सरकार में मंत्री चुन रहे हैं।

मतदाताओं की खामोशी से उम्मीदवारों के छूट रहे पसीने

स्वदेशसंवाददाता

खूंटी : अनुसूचित जनजातियों के लिए सुरक्षित 11 खूंटी संसदीय सीट के लिए मतदान होने में महज एक सप्ताह रह गया है, पर चुनाव प्रचार ने अभी तक परवान नहीं चढ़ पाया है। राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों द्वारा चुनाव प्रचार में ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक जोर दिया जा रहा है। छोटी-छोटी सभाओं और जनसंपर्क अभियान के माध्यम से मतदाताओं को रिझाने के प्रयास किये जा रहे हैं, पर मतदाताओं की खामोशी से उम्मीदवारों के साथ ही कार्यकताओं के पसीने छूट रहे हैं।

खूंटी संसदीय क्षेत्र से भाजपा, कांग्रेस, झारखंड पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, भारत आदिवासी पार्टी के प्रत्याशियों के अलावा दो निर्दलीय सहित सात सम्मीदवार लोकसभा पहुंचने के लिए भाग्य आजमा रहे हैं। चुनाव आयोग की कड़ाई के कारण चुनावी भोंपू का शोर भी कम सुनाई पड़ रहा है। चुनाव खर्च की अधिकतम राशि निर्धारित कर दिये जाने के कारण राजनीतिक दल भी चुनावी सभाओं, बड़े विज्ञापनों प्रचार वाहनों के बदले

घर-घर जाकर मतदातेओ को अपने पक्ष में करने के लिए दिन-रात एक किये हुए हैं। हर उम्मीदवार अपनी जीत का दावा करर रहा है। कांग्रेस नेता अरूण सांगा दावा करते हैं कि इस बार कांग्रेस खूंटी सीट से एक लाख से अधिक वोटों से जीत हासिल करेगी, वहीं भाजपा नेता अरूण साबू ने कहा कि कितना ही कम हों, पर 50 हजार कें मतों से अर्जुन मुंडा जीत हासिल करेंगे। उम्मीदवारों और समर्थकों द्वारा लोगों से व्यक्तिगत संपर्क कर लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने का प्रयास कियें जाने के बावजूद मतदाता अपनी खामोशी तोड़ने को तैयार नहीं हैं। हर घर से उम्मीदवारों को

झारखंड पार्टी और निर्दलीय दे रहे हैं चुनौती

भाजपा और कांग्रेस के अलावा इस सीट पर झारखंड पर्टी की अपर्णा हंस, भारत आदिवासी पार्टी की बबीता कच्छप, बसपा की सावित्री देवी, निर्दलीय बसंत लोंगा सहित सात उम्मीदवार किस्मत आजमा रहे हैं। राजनीति के जानकार बताते हैं कि बसपा की सवित्री देवी भाजपा के वोटों पर सेंधमारी कर सकती हैं। सवित्री देवी रौतिया(चेरो) समुदाय से आती है। इस समुदाय का के लगभग 35 हजार से अधिक मतदाता खूंटी संसदीय क्षेत्र में हैं। परपंरागत रूप से रौतिया समाज को भाजपा का वोटर माना जाता है, लेकिन इस बार वोटों का विभाजन हो सकता है। वहीं जानकार बताते हैं कि झारखंड पार्टी की अपर्णा हंस, निर्दीय प्रत्याशी और कोलेबिरा के पूर्व विधायक बसंत लोंगा, निर्दलीय पास्टर संजय तिर्की कांग्रेस के वोट में सेंधमारी कर सकते हैं और इसका लाभ भाजपा को मिल सकता है।

लगभग यही आश्वासन मिल रहा है, चिंता क्यों कर रहे हैं, हम तो आपके साथ हैं ही।

कालीचरण मुंडा का राजनीतिक भविष्य दांव पर

भाजपा का गढ़ समझे जाने वालें खूंटी संसदीय क्षेत्र में एक ओर जहां भाजपा के समक्ष किला बचाने की चुनौती है, तो कांग्रेस के समक्ष लगातार हार का कलंक धोने की। कुछ लोगों का कहना है कि इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी कालीचरण मुंडा का राजनीतिक भविष्य दांव पर है। कांग्रेस के टिकट पर लगातार तीसरी बार भाग्य आजमा रहे कालीचरण मुंडा यदि इस बार सफल नहीं हो पाये, तो अगले चुनाव में फिर उन्हें पार्टी का टिकट मिलेगा, इस बात की संभावना काफी कम है। ज्ञात हो कि इसके पूर्व 2014 के लोकसभा चुनाव में कालीचरण मुंडा भाजपा के दिग्गज कड़िया मुंडा से मात खा गये थे, तो 2019 के चुनाव में वर्तमान सांसद और केंदीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने उन्हें 1445 मतों के अंतर से पराजित कर दिया था।

तोरपा विधानसभा क्षेत्र में गठबंधन के प्रत्याशी कालीचरण मुंडा ने किया जनसंवाद, कहा–

खूंटी लोकसभा क्षेत्र का चहुंमुखी विकास करना ही मेरी प्राथमिकता

स्वदेश संवाददाता

खूंटी : लोकसभा चुनाव होने में महज कुछ ही दिनों का समय बचा है। ऐसे में खूंटी लोकसभा से इंडिया गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी कालीचरण मुंडा ने भी जनसंपर्क तेजी से करना शुरू कर दिया है। सोमवार को तोरपा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर उन्होंने जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उनके साथ पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। अपने जनसंपर्क के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी कालीचरण मुंडा पैदल ही लोगों के बीच पहुंचे। जहां उनका जगह-जगह फूलमाला से स्वागत किया गया। कांग्रेस प्रत्याशी कालीचरण मुंडा ने बताया कि लोगों का जमसमर्थन भी मिल रहा है। वह जरूर जीत दर्ज कर खूंटी का प्रतिनिधित्व सांसद में करेंगे व खूंटी लोकसभा

के विकास में अपनी महथी भूमिका निभाएंगे। कालीचरण मुंडा ने तोरपा के अन्तर्गत सुन्दारी, दियाकेल, कारको टोली, उकड़ी माड़ी, टांटी, कसमार, भुशूर, कसमार, गोविंदपुर आदि क्षेत्रो में जनसंपर्क कर मतदाताओं से प्यार, स्नेह, सहयोग, आशीर्वाद व समर्थन मांगा। उन्होंने कहा कि नेता नहीं बल्कि बेटा बनकर क्षेत्र की सेवा करने हेतु आपके बीच आया हूं। खूंटी लोकसभा क्षेत्र का चहुंमुखी विकास करना ही मेरी प्राथमिकता है। आप लोगों के द्वारा मिल रहे अपार स्नेह व आशीर्वाद से मुझे हौसला मिल रहा है। इसके लिए मै आपका आभारी हूँ। उन्होने आगे कहा कि केन्द्र की भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल हो चुकी है। इसलिए देश की संपत्तियों को बेचा जा रहा है। आज अगर लोग जागरूक नहीं हुये तो कल पूरे देश को इससे भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। भाजपा केवल नफरत की सियासत करती है उसे देश के विकास से कोई मतलब नहीं है। हमारा देश नफरत से नहीं बल्कि मुहब्बत से आगे बढेगा। भाजपा की उल्टी गिनती प्रारम्भ हो गयी है। इस लोकसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन 150 का आंकड़ा भी पार नहीं कर पायेगी। नरेंद्र मोदी की भाजपा सरकार ने युवाओं को बेरोजगार बना दिया है। भाजपा ने दस वर्ष पहले युवाओं को रोजगार देने, महंगाई कम करने का वादा कर सरकार में आयी थी। लेकिन एक भी वादा पूरा नहीं किया। इस बार जनता लोकतंत्र, संविधान, आरक्षण को बचाने के लिए हाथ छाप में बटन दबकर मतदान करे। इस मौके झामुमो के जिला अध्यक्ष जुबेर अहमद, सुदीप गुड़िया, अजय कुमार गुप्ता पवन कुमार राहुल केसरी, और भी इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता मुख्य रूप से उपस्थित थे।

चाचा के श्राद्ध में शामिल हुए पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

स्वदेश संवाददाता

रामगढ़ : कोर्ट की इजाजत के बाद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने चाचा राजाराम सोरेन के श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सोमवार को जेल से निकलकर सीधे अपने पैतृक गांव रामगढ़ जिले के नेमरा पहुंचे। यहां उन्होंने अपने पिता शिबू सोरेन से मिल उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने लोगों का हाल-चाल पूछा और परिजनों ने भी उनका कुशलक्षेम जाना। परिवार के सदस्यों और ग्रामीण भाई-बंधुओं के साथ मिलकर उन्होंने दुख इस घड़ी में सभी को सांत्वना दी। इस दौरान मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, मंत्री बन्ना गुप्ता, सत्यानंद भोक्ता और पार्टी के कई दिग्गज नेता भी मौजूद रहे। सभी ने राजा राम सोरेन को श्रद्धांजलि दी। साथ ही हेमंत सोरेन का हाल-चाल भी पूछा।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में सभी लोगों की हुई तलाशी

हेमंत सोरेन के आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था भी काफी सख्त रखी गयी थी। जितने लोग कार्यक्रम में शामिल होने आये उन सभी लोगों की तलाशी ली गयी। चप्पे-चप्पे पर पुलिस मौजूद थी।

राजनीतिक गठबंधन कभी भी जनता के हित के लिए नहीं होता है : बसंत लोंगा

खूंटी : खूंटी से लोकसभा के स्वतंत्र प्रत्याशी और झामुमो के पूर्व विधायक बसंत कुमार लोंगा के चुनावी कार्यालय का उद्घाटन सोमवार को पिताय पाहन और प्रत्याशी द्वारा संयुक्त रूप से तोरपा के हिल चौक में किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों का आह्वान करते हुए प्रत्याशी बसंत कुमार लोंगा ने कहा कि राजनीतिक गठबंधन कभी भी जनता के हित के लिए नहीं होता है, सिर्फ सत्ता प्राप्ति के लिए किया जाता है और इस सत्ता संघर्ष में हम आदिवासियों एवं मूलवासियों का मुद्दा गौण हो जाता है। लोंगा ने कहा कि मैं झारखंडी सवालों को बल देने को लेकर इस आम चुनाव में खड़ा हुआ हूं। खूंटी लोकसभा क्षेत्र की जनता को तय करना है कि झारखंडी सवाल निर्णायक होना चाहिए या सत्ता संघर्ष का हिस्सा बनना है। कार्यक्रम में मसीह गुड़िया, जुरसन गुड़िया, जीवन हेमरोम, सरोज टोपना, डेविड टोपनो, पेमजीत भेंगरा झारखण्ड उलगुलान संघ के संयोजक अलेस्टेयर बोदरा, रतन सिंह मुंडा, मंगल देमता, नागई पाहन, मुण्डा उरांव, सुकरात होरो, ज्योति पूर्ती आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

देवेंद्र नाथ महतो ने जेल से दिया चुनावी शपथ पत्र

स्वदेश संवाददाता

सिल्ली : राज्य की चुनावी सरगर्मी बढ़ती जा रही है। रांची लोक सभा के प्रत्याशी देवेंद्र नाथ महतो जी ने आज होटवार जेल से अपना नामांकन शपथ पत्र सोपा। झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के रांची लोकसभा प्रत्याशी देवेंद्र नाथ महतो के द्वारा बीते शनिवार को रांची लोकसभा से नामांकन दर्ज करने की पूर्व पुलिस के द्वारा रांची समहारनालय से लालपुर थाना के केस कांड संख्या 251/21 के तहत गिरफ्तार कर लिया गया था। जिसका आज बेल फाइल किया गया एवं इसकी सुनवाई कल मंगलवार को होगी। प्रत्याशी देवेंद्र नाथ महतो के अधिवक्ता शष्ठी रंजन महतो ने मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि उपायुक्त महोदय के आदेश में जेल अथॉरिटी द्वारा प्रत्याशी देवेंद्र नाथ महतो का शपथ पत्र संलग्न करने के साथ ही लोकसभा प्रत्याशी के नामांकन प्रक्रिया को विधिवत पूरा कर लिया गया है। साथ ही बताते चलें कि आज सोमवार को जयराम महतो जी को नगड़ी थाना केस कांड संख्या 48/24 के एंटी सेपेटरी नो कोएसीव बेल मिल गया है।

बैंक ऑफ इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन का 24वां स्थापना दिवस मनाया गया

स्वदेश संवाददाता

रांची : बैंक ऑफ इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन झारखंड इकाई का 24वां स्थापना दिवस केक काटकर बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस विशेष अवसर पर फेडरेशन के सिनियर वाइस प्रेसिडेंट और इकाई के महासचिव कॉमरेड सुनील लकड़ा ने 24वें स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए सभी सदस्यों से एकत्रित, संगठित और मजबूत रहने का आवाहन किया। अल इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन झारखंड इकाई के राज्य सचिव और बैंक ऑफ इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन झारखंड इकाई के

कोषाध्यक्ष कॉमरेड प्रकाश उराँव ने स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बैंक के स्टाफ सदस्यों से जुड़े हर मुद्दों को हमारी इकाई राष्ट्रीय स्तर पर उठाती है और लागू करवाने में सकारात्मक पहल करवाती है तथा आगे भी यह संघर्ष जारी रहेगा। मौके पर उपाध्यक्ष कॉमरेड बेंजामिन मुर्मू, उप महासचिव कॉमरेड मनीष नारायण, सहायक महासचिव श्री हरीश कुमार सिंह, कॉमरेड अजय कुजूर कार्यकारिणी सदस्य समेत बड़ी संख्या में जेडकोड और रातू शाखा के स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

संत माईकल स्कूल में इंग्लिश जस्ट ए मिनट प्रतियोगिता के विजेताओं को किया सम्मानित

स्वदेश संवाददाता

सिल्ली/मुरी : दिल्ली प्रखंड अंतर्गत सोमवार के दिन 6 मई को संत माईकल (+ 2) स्कूल, मुरी में इंग्लिश जस्ट ए मिनट प्रतियोगिता के विजेताओ को मेडल एवं प्रस्सति पत्र देकर विद्यालय प्रांगण में सम्मानित किया गया। यह प्रतियोगिता 29 अप्रैल को विद्यालय में आयोजित कि गई थी जिसमें वर्ग नौवीं से बारहवीं के बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। स्कूल के निदेशक राकेश कुमार ने आशिष वचन के साथ बच्चो को इस प्रतियोगिता का महत्व बताये एवम इस तरह के प्रतियोगिता में सभी बच्चो को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित भी किए। स्कूल के प्राचार्य सीएल प्रजापति ने सभी विजेता प्रतिभागियों को बधाई देते हुए भविष्य में होने वाली अन्य सभी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दी। विद्यालय के प्रबंधक डॉ. रूपेश कुमार ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी एवम कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता से बच्चे अपनी छिपी प्रतिभा को निखारते हैं और अधिक सफलता मिलती है। उन्होंने सभी को धन्यवाद देते हुए कहा इस तरह की प्रतियोगिता आगे भी आयोजित की जायेगी। मौके पर विद्यालय के शिक्षक एवम शिक्षाकांए मनीषा सिंह, अजय चिक बराईक, श्वेता, रेजिश भेंगरा, रमेश गौराई, किशोर कुमार, सोमांशी तिवारी , हनी कश्यप, वी वेकेंट राव एवं विद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

गोविंदपुर में भाजपा के चुनावी कार्यालय का उद्घाटन

खूंटी : खूंटी लोकसभा क्षेत्र के संयोजक कोच मुंडा ने सोमवार को गोविंदपुर में भाजपा के चुनावी कार्यालय का उद्घाटन मंडल अध्यक्ष रामध्यान सिंह के साथ की। मौके पर विधानसभा संयोजक शशांक शेखर राय, विधानसभा सहसंयोजक विनोद भगत, विधानसभा प्रभारी अरुणचंद्र गुप्ता, प्रदेश काग्रसमिति सदस्य संतोष जायसवाल, शिव शंकर मिश्र, शिव कुमार केसरी, ब्रजेद्र हेमराम, राजन मुंडा आदि ने कार्यकताओं से अर्जुन मुंडा को भारी मतों से विजयी बनाने के लिए कार्यकताओं से घर-घर जाकर भाजपा प्रत्यशी के पक्ष में जनसंपर्क करने का आह्वान किया।

लोकसभा चुनाव | ऐतिहासिक जतरा खूंटा शक्ति स्थल में महापंचायत का आयोजन

धर्मगुरु ने आईएनडीआईए गठबंधन को समर्थन का किया आह्वान

स्वदेश संवाददाता

मांडर : लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर ऐतिहासिक जतरा खूंटा शक्ति स्थल के परिसर मुड़मा मांडर में महापंचायत का आयोजन किया गया जिसमें लोहरदगा लोकसभा के सभी प्रखंडों से लगभग 500 सामाजिक चिंतकों और आदिवासी संगठनों के प्रतिनिधि एवं सामाजिक अगुवागण भाग लिए महापंचायत कि अध्यक्षता राजी पाड़हा सरना प्रार्थना सभा भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष-सह-सरना धर्मगुरू श्री बंधन तिग्गा ने किया एवं संचालन सीताराम भगत ने कि। बैठक में केन्द्र में पिछले 10 वर्षों से काबिज भारतीय जनता पार्टी, वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एनडीए गठबंधन और आरएसएस समर्थित सरकार के कामकाज की समीक्षा की गई, विचारोंपरान्त यह पाया गया कि विगत

10 वर्षों से बीजेपी सरकार आदिवासियों के साथ शोषण, दमन, उत्पीड़न, जुल्म, अत्याचार और उपेक्षित ही किया है। वक्ताओं ने कहा कि एनडीए सरकार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम को कमजोर किया, भूमि अधिग्रहण कानून को कमजोर किया, वन अधिकार अधिनियम में बदलाव लाया जिससे देश के आदिवासी प्रभावित हुए और होंगे, मणिपुर में आदिवासी महिलाओं के साथ अमानवीय घटना हुई, मध्य प्रदेश में आदिवासी युवक के ऊपर पेशाब किया गया, हसदेव जंगल को उजाड़ा, लद्दाख में पर्यावरण से छेड़छाड़ का प्रयास, आदिवासी को वनवासी बोलना, आदिवासियों के धार्मिक पहचान वाली मांग सरना धर्म कोड को खारिज किया गया, आदिवासी को हिंदू घोषित करना, सरना को सनातन से जोड़ना, राम मंदिर निर्माण को लेकर सरना स्थल की मिट्टी का दुरुपयोग किया गया, देश में नफरत फैलाना, बीजेपी व आरएसएस द्वारा आरक्षण खत्म करने का विचार, संविधान बदलने की बात करना, मनुस्मृति संविधान लागू करने की मंशा रखना, वर्ण व्यवस्था में उलझाए रखना, आदिवासियों को शुद्र की श्रेणी में रखना, भारत सरकार के जनगणना प्रपत्र में अन्य कॉलम को हटा देना, भारत सरकार के पदों में बहाली रोक देना, नौकरी देने में असफल रहना, आदिवासियों की धार्मिक सरना स्थलों, ससनदीरी जमीन को लैंड बैंक भूमि में डालकर समाप्त करने की साजिश करना, सीएनटी एक्ट, एसपीटी एक्ट बचाओ महारैली के क्रम में रघुवर दास की सरकार द्वारा खूंटी में गोली चलवाना, राम जन्मभूमि का शिलान्यास एवं उद्घाटन और संसद भवन का शिलान्यास एवं उद्घाटन कार्यक्रम में देश की आदिवासी राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी को अलग रखना, लोकतंत्र को ताक में रखकर देश के अन्य धर्म के साथ भेदभाव करना, आदिवासियों के विशेषाधिकार को समाप्त करने के उद्देश्य से यूसीसी जैसे कानून लागू? करना, आदिवासियों की पांचवी एवं छठी अनुसूची का अनुपालन नहीं करना, वर्तमान लोहरदगा सांसद सुदर्शन भगत 15 साल तक सांसद रहे, समीर उरांव 6 साल तक राज्यसभा सांसद रहे। इन लोगों ने आदिवासी समाज के लिए कुछ नहीं किया। समीर उरांव जी का कहना है कि देश के बड़े संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक का मैं एक सच्चा सेवक हूँ। जबकि आदिवासी समाज को आदिवासी सेवक की जरूरत है। बीजेपी, विपक्ष मुक्त भारत की परिकल्पना रखती है, जो लोकतंत्र के लिए खतरा है।

ख्याति द बुटीक ने अपना 10वां वर्षगांठ धूमधाम से मनाया

स्वदेश संवाददाता

रांची : ख्याति द बुटीक ने अपना 10 वा वर्षगांठ धूमधाम से मनाया। इस खास मौके को यादगार बनाने के लिए सदस्यों ने केक काटकर कार्यक्रम का आयोजन कर कई ग्राहकों और प्रतिष्ठित मेहमानों ने मिलकर ख्याति द बुटीक की वर्षगांठ मनाई। ख्याति द बुटीक का 10वा वर्षगांठ समारोह एक शानदार अवसर था जिसे सजीव और उत्साही भावनाओं के साथ मनाया गया। यह बुटीक जो सदियों से लोगों के दिलों में स्थान बनाई हुई है। ख्याति द बुटीक के मालिक ने सभी मेहमानों को तारीफ की जिन्होंने इस यात्रा में उनका साथ दिया। उन्होंने उन सभी लोगों का धन्यवाद भी किया जिन्होंने इस दिन को और भी खास बनाया। समारोह में कई प्रतिष्ठित अतिथियों ने भी भाग लिया जिनमें व्यापारिक समुदाय

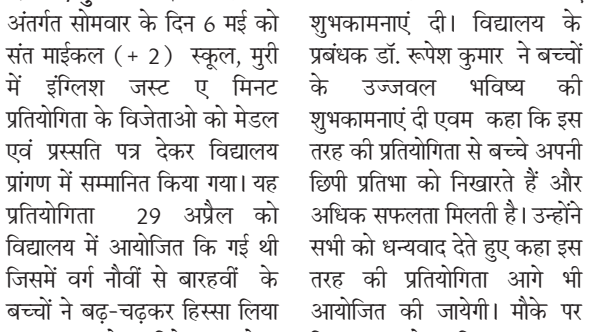

के नेताओं फैशन गुरुओं और कई अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तित्व शामिल थे। इन सभी विशेष मेहमानों का स्वागत किया गया और उनके साथ उनके अनुभवों और सफलताओं पर चर्चा हुई। ख्याति द बुटीक का 10वा वर्षगांठ समारोह न केवल एक उत्सव था बल्कि एक गर्व का पल भी था। इसे मनाने वाले सभी लोगों ने इस अवसर को और भी यादगार बनाया और ख्याति द बुटीक के भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस खास अवसर पर बुटीक ने अपने नवीनतम डिजाइनों और प्रोडक्ट्स का भी परिचय किया जिसमें डिजाइनर ड्रेसेस वेस्टर्न ऑउटफिट्स कुर्ती सूट पीस वन पीस गाउन एक्सेसरीज एंड फुटवेयर्स शामिल थे। हर पर्चेस के साथ हर ग्राहकों को गिफ्ट भी दिया गया।

NEWS IN Gallery

पीएस के घर 25-30 करोड़ रुपये मिले तो मंत्री के पास कितना होगा : अर्जुन मुंडा

रांची : केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आलमगीर आलम के पीएस के घर ईडी की छापेमारी में बरामद करोड़ों रुपये पर सोमवार को कहा कि झारखंड सरकार के मंत्री के पीएस के घर से 25 से 30 करोड़ रुपये मिल रहे तो मंत्री के पास कितना होगा। उन्होंने कहा कि क्या ऐसे लोग राष्ट्र निर्माण के बारे में सोच सकते हैं? ये जनता की गाढ़ी कमाई की लूट है।

तेजस्वी यादव पलामू में आठ मई को करेंगे चुनावी सभा

रांची : बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव आठ मई को पलामू लोकसभा क्षेत्र में भवनाथपुर और छतरपुर सहित कई अन्य चुनावी सभाओं को सम्बोधित करेंगे। इसकी तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। यह जानकारी राजद के मुख्य प्रवक्ता डॉ. मनोज कुमार ने सोमवार को दी।

मतदान के मद्देनजर झारखंड हाई कोर्ट में 25 मई को अवकाश

रांची : रांची लोकसभा क्षेत्र में 25 मई को मतदान है। इसके मद्देनजर 25 मई को झारखंड हाई कोर्ट में अवकाश रहेगा। हाई कोर्ट ने सोमवार को इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। जारी अधिसूचना में कहा गया है कि 25 अप्रैल को रांची में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान होना है। इसलिए हाई कोर्ट में अवकाश घोषित किया गया है। वोटिंग के दिन अवकाश इसलिए रखा गया है ताकि हाई कोर्ट के जस्टिस, रजिस्ट्री से जुड़े कर्मचारी और अधिवक्ता मताधिकार का इस्तेमाल करने से वंचित न हो। घोषित अवकाश की जानकारी हाई कोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन को भी दे दी गयी है।

भारतीय जूनियर वीमेंस हॉकी टीम में झारखंड की चार खिलाड़ी शामिल

रांची : भारतीय हॉकी ने सोमवार को जूनियर वीमेंस हॉकी टीम की घोषणा की जो यूरोपियन टूर पर जाएगी। 21 से 29 मई के दौरान भारतीय टीम बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड (ब्रेडेज हॉकी वेरेनिगिंग पुश और ऑरेंज रूड) के साथ छह मैच खेलेगी। 21 मई से टीम अभियान की शुरूआत करेगी। घोषित की गयी 22 सदस्यीय भारतीय महिला (जूनियर टीम) टीम में झारखंड की भी चार खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। इनमें नीरू कुल्लू, रजनी केरकेट्टा, बिनिमा धान और संजना होरो शामिल हैं। रजनी केरकेट्टा और नीरू कुल्लू सिमडेगा जिला की तथा बिनिमा धान और संजना होरो खूंटी जिले की रहने वाली हैं।

मुख्य सचिव के पत्र पर हो एफआईआर, मामले की सीबीआई जांच कराएं चम्पाई सोरेन : बाबूलाल मरांडी

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि इंडी गठबंधन की रैली में हेमंत सोरेन को ऐसे पेश किया गया कि भ्रष्टाचार से उनका दूर-दूर तक कोई नाता नहीं है। हेमंत सोरेन हों या राज्य सरकार सभी भ्रष्टाचार के दलदल में डूबे हैं। सोरेन यह बार-बार कहते हैं कि आदिवासी होने के कारण उन्हें फंसाया जा रहा है। परेशान किया जा रहा है। बाबूलाल मरांडी ने सोमवार को प्रदेश कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्य सचिव ने ग्रामीण विकास सचिव को पत्र लिखा था। वह सारे पत्र नोटों के बंडल के साथ मिले हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन उसे पत्र के आधार पर तुरंत एफआईआर कराएं। पूरे मामले की जांच सीबीआई से कराएं। इसकी अनुशंसा करें। ऐसा न हो कि उनका बुढ़ापा भी जेल में कटे। मरांडी ने कहा कि हेमंत सोरेन ने अपने कार्यकाल में आदिवासियों के मान-सम्मान को पूरी तरह से धूमिल करने का काम किया। आदिवासियों की पहचान है कि वे सहज और सरल होते हैं। गड़बड़ी से कहीं भी उनका कोई नाता नहीं होता है लेकिन पिछले चार वर्षों में सत्ता में रहकर हेमंत सोरेन ने छल कपट किया है। प्राकृतिक संसाधन या खनिज संपदा को लुटवाया है। खुद लूट में शामिल रहे हैं और उनके संरक्षण में बिचौलिया, दलाल और भ्रष्ट अफसर ने मिलकर लुटा है। कोयला, लोहा, बालू यहां तक की सेवा की जमीन को भी उन लोगों ने नहीं छोड़ा। आदिवासियों की जमीन का भी फर्जी कागजात बनाकर लूटा। मरांडी ने कहा कि कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य के यहां से 350 सौ करोड़ नोटों का पहाड़ पकड़ा गया था। उसको भी दुनिया ने देखा। यहां से मिले नोटों की गिनती एक दिन में समाप्त नहीं हुई, कई दिनों तक चली। आदमी तो आदमी मशीन तक थक गए। ठीक से जांच होने पर पैसे में वर्तमान या पूर्व मुख्यमंत्री की संलिप्तता भी नजर आएगी। झारखंड में भ्रष्ट अफसर, दलाल, बिचौला के ठिकानों पर भी 20 करोड़ रुपये नकदी मिले थे। आज भी आलमगीर आलम के पीएस के नौकर के यहां करोड़ों रुपये मिले हैं। इंडी गठबंधन के नेता राहुल गांधी को यह बताना चाहिए कि यह पैसा किसका है। मरांडी ने कहा कि नौकर के घर में पैसों का इतना जखीरा मिला है, तो उनके सहायक, उनके सचिव या फिर मंत्री, सरकार से जुड़े दलाल-बिचौलियों के घर भी यदि छापेमारी हो जाए तो पता नहीं कितने करोड़ रुपये मिलेंगे। इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। इंडी गठबंधन के लोग पूरी तरह हताश और निराश हैं। वे पैसे के बल पर चुनाव जीतना चाह रहे हैं। झारखंड सरकार भ्रष्टाचार में पूरी तरह लिप्त है। पूर्व मुख्यमंत्री का अपने नाम से खनिज पट्टा लेना, पत्नी के नाम से औद्योगिक क्षेत्र में जमीन लेना, पाकुड़ जिला में भाई के नाम से खनन का पट्टा लेना, प्रेस सलाहकार के नाम से खनन का पट्टा लेना, परिवार के नाम पर खनन का पट्टा लेना, यह सब सबके सामने है।

13 कमल फूल और एक केला मां भारती के चरणों में समर्पित करने के लिए जनता तैयार: बाबूलाल मरांडी

रांची : भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में सोमवार को प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने पूर्व सांसद रामटहल चौधरी को विधिवत पार्टी में शामिल कराया। मरांडी ने उन्हें पार्टी का पटका और माला पहनाकर उनका स्वागत किया। पूर्व ग्रामीण जिला अध्यक्ष रणधीर चौधरी ने भी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। मरांडी ने कहा कि चार जून को 13 कमल फूल और एक केला मां भारती के चरणों मे समर्पित करने के लिए झारखंड की जनता तैयार है। उन्होंने कहा कि चौधरी भाजपा परिवार के वरिष्ठ सदस्य रहे हैं, उनकी पार्टी में पुनः वापसी से पार्टी को ऊर्जा मिलेगी। चौधरी ने कहा कि वे घर में ही थे लेकिन साइलेंट मॉड में थे लेकिन अब एक्टिव मॉड में आ गया हूं। साथ ही कहा कि मेरा कार्यकताओं के साथ लगातार मिलना जुलना लगा हुआ था। मेरा इस्तीफा भी भाजपा ने स्वीकार नहीं किया था, न ही मुझे निष्काषित किया गया था।

मतदाता जागरुकता के लिए एसवीईईपी के तहत सोशल मीडिया अभियान सात मई को

स्वदेश संवाददाता

रांची : झारखंड में लोकसभा चुनाव के चौथे, पांचवे, छठे और सांतवे चरण में मतदान होना है। चुनाव में मतदाता जागरुकता के लिए सात मई को संध्या छह बजे से आठ बजे तक सोशल मीडिया हैंडल्स एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब आदि पर # मैं भी इलेक्शन अम्बेसडर अभियान चलाया जाएगा। व्यवस्थित मतदाता शिक्षा (एसवीईईपी) के तहत इस अभियान का संचालन होगा। इसमें राज्य के सभी सरकारी स्कूलों के शिक्षक, छात्र और एसएमसी सदस्य शामिल होंगे। इस अभियान के तहत स्कूलों में पूर्व से संचालित की जा रही विभिन्न मतदाता जागरूकता संबंधी गतिविधियों से संबंधित तस्वीरें, वीडियो, स्लोगन, पेंटिंग्स आदि # मैं भी इलेक्शन अम्बेसडर अभियान के अंतर्गत पोस्ट की जाएंगी। साथ ही सभी विद्यालयों में अपील पत्र, पेंटिंग, पोस्टर मेकिंग, बैज मेकिंग, कार्टून मेकिंग, अभिभावकों-पड़ोसियों के साथ सेल्फी, रंगोली मेकिंग आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा, जिसे सोशल मीडिया अभियान के तहत अपलोड किया जाएगा। इसके अलावा प्रतिदिन स्कूलों में मतदान से संबंधित रोचक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। बच्चों को भारत के विराट लोकतांत्रिक विरासत और इसकी गौरवगाथा के बारे में बताया जा रहा है। बच्चे इन प्रयासों से लोकतांत्रिक इतिहास और मतदान के महत्त्व को आसानी से समझ पा रहे हैं। इतना ही नहीं वे अपने टोलों, गांवों में भी जागरुकता अभियान चला रहे हैं।

स्कूलों में स्थापित किया गया 'लोकतंत्र कक्ष'

राज्य के हाई स्कूलों में छात्रों एवं उनके अभिभावकों को मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए इलेक्टोरल लिट्रेसी क्लब बनाया गया है। इसके अंतर्गत विद्यालयों में 'लोकतंत्र कक्ष' की स्थापना की गयी है। इस रूम में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से जुड़े चित्रों, पेंटिंग्स, आर्ट एंड क्राफ्ट, ईवीएम, वीवीपैट मशीने आदि की प्रतीकात्मक प्रदर्शनी लगाई गयी है। बच्चे इस कक्ष में अभिभावकों के साथ आकर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को आसानी से समझ सकते है। इस कक्ष में भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के बारे में भी बच्चे जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। इस क्लब के माध्यम से अभिभावकों को चुनावी तिथियों की जानकारी तो दी ही जा रही है। साथ ही उनकी वोटर पर्ची, मतदाता पहचान पत्र, बूथ संख्या आदि से जुड़े शंकाओं को भी दूर किया जा रहा है। मतदाता जागरुकता के उद्देश्य से सरकारी विद्यालयों में बच्चों के लिए लगातार चुनाव से संबंधित रोचक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसमें रंगोली, पेंटिंग, स्लोगन मेकिंग, वाल पेंटिंग, स्पीच आदि प्रतियोगिताएं शामिल हैं।

हर साख पे आलमगीर बैठा है, अंजाम ए-झारखंड क्या होगा : तरुण चुग

स्वदेश संवाददाता

रांची : भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सोमवार को एक दिवसीय झारखंड दौरे पर नई दिल्ली से रांची पहुंचे। तरुण चुग ने मीडिया से बातचीत में कहा कि झारखंड में सत्ता संपोषित भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा हो गई है। अब तो मंत्री और कांग्रेस पार्टी विधायक दल के नेता के घर से ईडी की कार्रवाई में करोड़ों रुपये नकदी बरामद हो रहे हैं। तरुण ने कहा कि झारखंड के हर साख पर एक आलमगीर बैठा है। ऐसे में ठगबंधन की सरकार में अंजाम-ए-झारखंड क्या होगा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को बताना चाहिए कि ये पैसे किनके हैं। साथ ही कहा कि झारखंड की 14 लोकसभा सीटों पर एनडीए की जीत पक्की है। जनता नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना चाहती है। इससे पूर्व अरुण ने प्रदेश कार्यालय में आयोजित चतुर्थ चरण में होने वाले चुनाव संसदीय क्षेत्रों पलामू, सिंहभूम, खूंटी लोहरदगा के लोकसभा प्रभारी, सह प्रभारी, संयोजक, जिलाध्यक्षों के साथ बैठक की। बैठक में लोकसभा चुनाव में सभी सीटों पर जीत सुनिश्चित करने की रणनीति पर चर्चा हुई। बैठक में प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू, मनोज सिंह उपस्थित थे।

रांची लोकसभा सीट से कुल 33 उम्मीदवारों ने किया नामांकन

स्वदेश संवाददाता

रांची : रांची संसदीय क्षेत्र से कुल 33 उम्मीदवारों ने नामांकन किये हैं। नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन सोमवार को 16 उम्मीदवारों ने अपने-अपने नामांकन दाखिल किये। इनमें कांग्रेस से यशस्विनी सहाय, निर्दलीय से प्रवीण चन्द्र महतो, जय महाभारत पार्टी से सोमा सिंह, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) से रंजना गिरि, निर्दलीय से कोलेश्वर महतो, बहुजन मुक्ति पार्टी से विनोद उरांव, निर्दलीय से संतोष कुमार जयसवाल, झारखंड जनक्रांति मोर्चा से अमरेंद्र कुमार, निर्दलीय से ऐनुल अंसारी, निर्दलीय से संदीप उरांव, भागीदारी पार्टी (पी) से श्याम बिहारी प्रजापति, निर्दलीय से संजय कुमार महतो, समता पार्टी से हेमंती देवी, निर्दलीय से प्रेमनाथ बड़ाई, निर्दलीय से मंजू देवी, स्वराज एकता पार्टी से सुशील कुमार शामिल हैं। इन सभी उम्मीदवारों की ओर से जिला निवार्ची पदाधिकारी सह उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा के समक्ष नामाकंन किया गया। इससे पहले नामांकन करने वालों में मिंटू पासवान, रामहरि गोप ,अरशद अयूब, पंकज कुमार रवि, संजय सेठ, हरिनाथ साहू, अंजनी पांडे, धनंजय भगत, मनोरंजन भट्टाचार्य, मनोज कुमार, बिरेंद्र नाथ मांझी, धर्मेंद्र तिवारी, निपु सिंह, देवेंद्र नाथ महतो, प्रवीण कच्छप, कामेश्वर प्रसाद साव शामिल है।

सात मई को स्क्रूटनी, 09 मई तक उम्मीदवार वापस ले सकेंगे नाम

उपायुक्त ने बताया कि रांची संसदीय क्षेत्र के लिए उम्मीदवारों की ओर से दाखिल किये नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी सात मई को होगी। उम्मीदवार 09 मई तक नामांकन वापस ले सकेंगे। इसके साथ ही योग्य उम्मीदवारों की फाइनल सूची जारी कर दी जाएगी, 25 मई को मतदान होगा और चार जून को पंडरा बाजार समिति प्रांगण में मतगणना होगी।

पूर्व सांसद रामटहल चौधरी की भाजपा में दोबारा घर वापसी

स्वदेश संवाददाता

रांची : लोकसभा चुनाव से ठीक पहले भाजपा से कांग्रेस में शामिल हुए पूर्व सांसद रामटहल चौधरी सोमवार को दोबारा भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने रांची लोकसभा सीट से टिकट ना मिलने पर पिछले दिनों कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने प्रदेश महामंत्री सांसद आदित्य साहू, रांची प्रत्याशी संजय सेठ और पूर्व सांसद महेश पोद्दार की मौजूदगी में उनके आवास पर उन्हें पार्टी में शामिल कराया। भाजपा में शामिल होने के बाद पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने कहा कि मैं पार्टी से बाहर गया ही नहीं था। मैंने रिजाइन किया फिर भी इसे एक्सेप्ट नहीं किया गया। तब मुझे लगा कि भाजपा मेरी कदर जानती है। इस वजह से मैं पुनः पार्टी में शामिल हो गया। भाजपा को हमारे अनुभव का फायदा मिलेगा। हम लोगों ने साइकिल से पार्टी को यहां तक पहुंचा है। आज आप जो देख रहे हैं वह हम लोगों की मेहनत का नतीजा है।

रांची में जमीन के अवैध कब्जे को रोकने के लिए हेल्पलाइन नंबर पर करें कॉल

रांची : राजधानी रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने शहर में भूमि माफिया के अवैध कब्जे को रोकने के लिए सोमवार को एक हेल्पलाइन नंबर 9153886241 जारी किया है। एसएसपी ने कहा कि पुलिस के सामने भूमि विवाद के मामले लगातार आते रहते हैं। यूं तो भूमि विवाद के मामले में कानूनी कार्रवाई अपेक्षित है या नहीं, इसपर निर्णय लेने से पहले दोनों पक्ष के कागजातों को देखना अत्यंत आवश्यक होता है लेकिन कुछेक मामलों में अचानक ही कोई भूमि दलाल या जमीन माफिया किसी की जमीन का अवैध कब्जा करना चाहता है और उस समय तुरंत जमीन का कागजात दिखाना भी संभव नहीं होता है। ऐसे अवैध कब्जे के प्रयास को रोकने के लिए रांची पुलिस ने एक विशेष हेल्पलाइन नंबर जारी कर रही है। जब कोई भू-माफिया अवैध ढंग से अचानक कब्जा करना चाहे तो पीड़ित व्यक्ति रांची पुलिस को सहायता के लिए इस नंबर पर कॉल अवश्य करे। रांची पुलिस पीड़ित व्यक्ति का सहयोग अवश्य करेगी।

कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय ने दाखिल किया नामांकन

स्वदेश संवाददाता

रांची : रांची लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय ने जिला निर्वाची पदाधिकारी सह उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा के समक्ष नामांकन दाखिल किया। यशस्विनी ने चार सेट में नामांकन पत्र दाखिल किया है। इस दौरान यशस्विनी सहाय के पिता पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, राज्यसभा सांसद महुआ माजी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। वहीं, नामांकन दाखिल करने के बाद कांग्रेस उम्मीदवार यशस्विनी सहाय ने कहा कि उन्हें जनता का प्यार और समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा कि मौजूदा भाजपा सांसद संजय सेठ को महंगाई, बेरोजगारी सहित अन्य विषयों पर जनता को जवाब देना होगा। वहीं, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा कि उनकी बेटी आज से नये जीवन की शुरुआत कर रही है। उनकी बेटी सोशल एक्टिविस्ट रही है, लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था में पहली बार चुनाव मैदान में उतरी है। जनता उसे आशीर्वाद देगी। वह पेशे से अधिवक्ता है। वहीं, झामुमो की राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने कहा कि पूरे राज्य में आईएनडीआईए गठबंधन की लहर है। सभी 14 सीटों पर गठबंधन की जीत होगी।

इंडी गठबंधन के उम्मीदवार मथुरा महतो ने किया नामांकन

बोकारो : इंडी गठबंधन के उम्मीदवार मथुरा प्रसाद महतो ने सोमवार को गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र से नामांकन दाखिल किया। महतो ने बोकारो के निर्वाची पदाधिकारी सह उपायुक्त विजया जाधव के समक्ष दो सेट में नामांकन पर्चा दाखिल किया।

चुनाव तैयारी | गाण्डेय विधानसभा क्षेत्र उपचुनाव में 11 उम्मीदवार आजमाएंगे भाग्य

चुनाव कार्य के लिए वाहनों की कोई कमी नहीं : रवि कुमार

- नाम वापसी के बाद पांचवें चरण के चुनाव के लिए मैदान में बचे 54 प्रत्याशी

स्वदेश संवाददाता

रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने बताया कि पांचवें चरण के चुनाव के लिए नाम वापसी के बाद 54 प्रत्याशी चुनाव मैदान में बचे हैं। नाम वापसी के अंतिम दिन चतरा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से एक उम्मीदवार ने नाम वापस लिया। यहां चुनाव मैदान में अब कुल 22 उम्मीदवार हैं। कोडरमा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से दो उम्मीदवार चुनाव मैदान से हट गए हैं। अब यहां 15 प्रत्याशियों के बीच हार-जीत का फैसला होगा। हजारीबाग लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से किसी भी प्रत्याशी ने नामांकन वापस नहीं लिया है। यहां कुल 17 प्रत्याशी मैदान में हैं। गाण्डेय विधानसभा क्षेत्र उपचुनाव में भी नाम वापसी के अंतिम दिन किसी भी उम्मीदवार ने उम्मीदवारी वापस नहीं ली। यहां से कुल 11 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। छठे चरण के चुनाव के लिए अब तक 118 उम्मीदवारों ने नामांकन किया है। उसमें गिरिडीह लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से 25, धनबाद से 28, रांची से 33 और जमशेदपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से 32 प्रत्याशी नामांकन कर चुके हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सोमवार को निर्वाचन सदन धुर्वा में पत्रकार वार्ता कर रहे थे। उन्होंने बताया कि चुनाव की अधिसूचना के बाद से अब तक झारखंड में 74 करोड़ 38 लाख से अधिक के सामान और नकदी जब्त किये गये हैं। एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि चुनाव कार्य के लिए वाहनों की कोई कमी नहीं है। आवश्यकतानुसार सहजता से वाहन मिल रहे हैं। चुनाव कार्य के लिए वाहन लेने में गाड़ी मालिकों के हित का भी ध्यान रखा जा रहा है। व्यवस्था ऐसी की गयी है कि एक जिले में जिस वाहन को लेने के लिए चिह्नित किया गया है, उसे दूसरे जिले में चिह्नित नहीं किया जाएगा। गाड़ी मालिकों को गाड़ी का भाड़ा भी ससमय मिले, इसकी भी डिजिटल व्यवस्था की गयी है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने अपील करते हुए कहा कि सभी मतदाता लोकसभा आम निर्वाचन 2024 में स्वीप कार्यक्रम के तहत सात मई को संध्या छह से आठ बजे के बीच सोशल मीडिया हैंडल पर # मैं भी इलेक्शन अम्बेसडर हैशटैग के साथ लोकसभा चुनाव संबंधी कंटेंट पोस्ट करें। उन्होंने सभी से चुनाव से संबंधित अच्छे-अच्छे फोटो, वीडियो, टेक्स्ट आदि सामग्री पोस्ट करने की बात कही। साथ ही सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर से भी अपील की कि वे इस विशेष अभियान का हिस्सा बनते हुए हैशटैग लगाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करें।

अब बाहर के लोग आपकी नुमाइंदगी नहीं करेंगे : गुलाम अहमद मीर

स्वदेश संवाददाता

रांची : कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कहा कि अब बाहर के लोग आपकी नुमाइंदगी नहीं करेंगे। यहां के लोग बाहरी लोगों को बाहर भेजेंगे, जो बाहर के लोग आपकी नुमाइंदगी करते हैं, वे जल-जंगल-जमीन और सरना कोड की बात नहीं करते। मीर सोमवार को रांची के मोरहाबादी मैदान में इंडी गठबंधन के तत्वावधान में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार यशस्विनी सहाय के बारे में बताया कि झारखंड के दर्द को समझने वाले को आपके सामने पेश किया गया है। परिवार के कारण नहीं बल्कि होनहार के कारण इन्हें लाया गया है। उन्होंने कहा कि पहले फेज में 102 और दूसर फेज में 82 क्षेत्रों पर कुल 184 सीटों पर मतदान हुआ। मीडिया सर्वेक्षण में आया कि 184 सीटों में से 125 सीटें इंडी गठबंधन को जाती दिख रही हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय ने कहा कि मोदी तुम्हारी घंटी बज चुकी है। 2024 चुनाव के बाद लोगों को न्याय मिलेगा। भाजपा नेता कह रहे हैं कि 400 पार के बाद संविधान बदलना है। सूरत में 12 प्रत्याशियों का नामांकन रद्द कर भाजपा उम्मीदवार को निर्विरोध जीत दिला दिया गया। यशस्विनी सहाय ने कहा कि मैं झारखंड की बेटी हूं और खतियानी हूं। लोगों की परेशानी दूर करने की मंशा से ही मैंने कानून की पढ़ाई की और आज भी मैं आपकी सेवा करना चाहती हूं। राहुल गांधी के न्याय पत्र में महिलाओं, किसानों, मजदूरों और बेरोजगारों की समस्याओं को दूर करने की बात कही गई है। 10 वर्ष राज करने के बाद भी केंद्र सरकार ने देश को बदतर स्थिति में खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि आपकी शक्ति ही हमें आगे ले जाएगी।

NEWS IN Gallery

पुल निर्माण को लेकर भूमि की हुई मापी

पत्थलगडा : प्रखंड क्षेत्र के बरवाडीह गांव के खावा नदी एवं दूम्बी के कोदवारी नदी पर पुल निर्माण को लेकर रविवार को सिविल इंजीनियर प्रियांशु कुमार के द्वारा मापी की गई। मालूम हो की मापी के बाद पुल निर्माण का डीपीआर तैयार करने के लिए ग्रामीण विभाग विशेष प्रमंडल चतरा के नमो नारायण कंट्रक्शन लिमिटेड के टीम के द्वारा पत्थलगड़ा पहुंचकर मापी की गई। सिविल इंजीनियर प्रियांशु कुमार,निक्की कुमार व तुलसी कुमार ने खावा नदी व कोदावरी नदी के मापी में शामिल रहे। सिविल इंजीनियर प्रियांशु कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना के तहत पुल का निर्माण कराया जाना है जिसे लेकर स्थल का मापी किया गया है।बरवाडीह पंचायत के मुखिया संदीप कुमार सुमन उर्फ महेश दांगी बताया कि खावा नदी व कोदवारी नदी पर पुल नहीं होने के कारण आम लोगों को आने-जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। खास कर बरसात के दिनों में लोगों को जान जोखिम में डालकर नदी पार करना पड़ता था। ग्रामीणों विकास विशेष प्रमंडल विभाग चतरा के द्वारा मापी किए जाने के बाद बरवाडीह मुखिया संदीप कुमार सुमन व दूम्बी के ग्रामीणों ने विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।

चापानल बोरिंग की कोई सूचना नहीं है, मुखिया व जेई के साथ करेंगे बैठक : बीडीओ

इटखोरी : इटखोरी प्रखंड के सभी पंचायत में पांच-पांच चापानल बोरिंग किया जाना है । इसकी सूची पंचायत के मुखिया व ग्रामीणों के द्वारा पूर्व में ही अति आवश्यक स्थान व आबादी वाले क्षेत्र का चयन कर पीएचईडी विभाग को सूची भेजा गया है। लेकिन मलकपुर पंचायत के बड़गांव भुइयां टोली में विभाग के द्वारा सूची की अनदेखी कर बोरिंग किया गया है । हालांकि बोरिंग भुइयां टोली में किया गया है लेकिन समीप में ही पुराना चापानल लगा है कुवाँ भी है । जिस स्थान पर बोरिंग किया गया उससे अतिआवश्यक स्थान मूखिया व ग्रामीणों द्वारा चयनित स्थान था जिसका अनदेखी किया गया । इस मामले में विभाग के जेई मंगल ने कहा कि मुखिया के ही सूची के आधार पर बोरिंग किया जा रहा है जबकि मलकपुर पँचायत के मुखिया प्रतिनिधि राजकुमार रजक का कहना है कि हम लोगों के के द्वारा भेजा गया सूची को दरकिनार कर विभाग मनमाने तरीके से बोरिंग कर रही है। इस मामले में बीडीओ सोमनाथ वंकिरा ने कहा कि विभाग के द्वारा बोरिंग कराई जाने की कोई सूचना मुझे नहीं है जल्द ही इस मामले पर विभाग की जेई व पंचायत के मुखिया के साथ बैठक किया जाएगा ताकि मुखीया के सूची पर बोरिंग हो और आपजन को लाभ पहुँचे । फिलहाल बोरिंग नही करने का निर्देश जेई को देंगे ।

50 से अधिक मतदान पदाधिकारियों और कर्मचारियों से मांगा गया स्पष्टीकरण

स्वदेश संवाददाता

गुमला : लोकसभा चुनाव के निमित लगातार मतदान पदाधिकारियों एवं कर्मियों का विधानसभावार एवं पाटीवार प्रशिक्षण कराया जा रहा है। ऐसा देखा जा रहा है कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में कई मतदान पदाधिकारी और कर्मियों की अनुपस्थिति रही है , जिसे देखते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी एवं कार्मिक कोषांग के वरीय पदाधिकारी सह उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महतो द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त की गई एवं सभी अनुपस्थित मतदान पदाधिकारियों , कर्मियों के विरुद्ध स्पष्टीकरण निकाला गया है। उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महत्तो ने बताया कि पिछले कई दिनों से लोकसभा चुनाव के निमित मतदान पदाधिकारियों ,कर्मियों के लिए जिले के अधिकारियों के द्वारा लोकसभा वार एवं पार्टी वार प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है । उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगातार कई मतदान पदाधिकारियों/ कर्मियों की अनुपस्थिति देखने को मिल रही है । चुनाव कार्यों में इस प्रकार की लापरवाही तथा उदासीनता बिलकुल भी बर्दाश्त योग्य नहीं है। उन्होंने कहा कि वैसे कर्मी जो चुनावी कार्य में लापरवाही दिखा रहें है एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए हैं, के विरुद्ध स्पष्टीकरण जारी किए गए हैं । अब तक लगभग 50 से अधिक मतदान पदाधिकारियों/ कर्मियों के विरुद्ध स्पष्टीकरण निकाली जा चुकी है। उन्होंने कहा कि उक्त स्पष्टीकरण के विरुद्ध जिनके द्वारा 24 घंटे के अंतराल में संतोषजनक जवाब प्राप्त नहीं हुए हैं वैसे पदाधिकारियों एवं कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है । इस दौरान उक्त पदाधिकारियों एवं कर्मियों की सेवा बर्खास्त भी किया जा सकता है। उप विकास आयुक्त ने कहा कि चुनाव के कार्य में किसी भी पदाधिकारियों एवं कर्मियों की लापरवाही निंदनीय है ।

कोनबीर एनएचपीसी मैदान में आज चुनावी सभा को संबोधित करेंगे राहुल गांधी

गुमला : कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को जिले के बसिया कोनबीर एनएचपीसी मैदान में जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके मद्देनजर सोमवार को गुमला के उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी कर्ण सत्यार्थी, पुलिस अधीक्षक समेत कई पदाधिकारियों ने आयोजन स्थल का निरीक्षण किया। जनसभा के लेकर बृहत पंडाल बनाये जा रहें हैं। इस कार्यक्रम में राहुल गांधी के साथ मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, मंत्री आलमगीर आलम, बन्ना गुप्ता समेत कई मंत्री एवं कांग्रेस और महा गठबंधन के कई दिग्गज नेता शामिल होंगे। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सीआरपीएफ की टीम ने एनएचपीसी मैदान सहित आसपास के क्षेत्र का जायजा लिया। मंगलवार को दिन के एक बजे राहुल गांधी का आगमन होगा।

पहले मतदान फिर करें जलपान : सोमनाथ वंकिरा

बीडीओ ने हाई स्कूल के बच्चों संग साइकिल रैली निकाल मतदान के लिए किया जागरूक

स्वदेश संवाददाता

चतरा/इटखोरी : लोकसभा चुनाव के अवसर पर स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाता जागरूकता अभियान के तहत इटखोरी एस एस केबी हाई स्कूल से बच्चों व शिक्षक के साथ निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी सह बीडीओ सोमनाथ वंकिरा ने इटखोरी चौक होते हुए प्रखण्ड कार्यालय परिसर तक साइकिल रैली का आयोजन किया गया। इस साइकिल रैली के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने का प्रयास किया गया। साथ ही यह आह्वान किया गया कि 20 मई को होने वाले मतदान में वे शत प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करें। साइकिल रैली का नेतृत्व खुद प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमनाथ वंकिरा नें किया । मौके पर पँचायत के मुखीया प्रतिनिधि रामा शंकर राम प्रधानध्यापक प्रमोद कुमार समेत अन्य शांमिल थे । इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीडीओ ने हर मतदाता के वोट की कीमत को बहुमूल्य करार दिया। उन्होंने कहा कि सभी मतदाताओं को 20 मई को होने वाले मतदान में अवश्य भाग लेना चाहिए। इस मौके पर साइकिल रैली के माध्यम से पँचायत के सभी गावो का भ्रमण कर मतदान के लिए जागरूक किया गया । इस मौके पर प्रखण्ड निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी सह बीडीओ सोमनाथ ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य मतदाताओं को जागरूक करना है। प्रखण्ड के सभी मतदाताओं खासकर 18 वर्ष के युवा 20 मई को होने वाले मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें एवं मतदान करें। बताया कि निर्वाचन आयोग ने पीडब्ल्यूडी वोटर्स एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष व्यवस्था का निर्देश दिया है, जिसके आलोक में प्रखण्ड प्रशासन ने हर मतदान केंद्र पर विशेष व्यवस्था की है। मतदान हर वयस्क भारतीय नागरिक का अधिकार है। यह लोकतंत्र में सीधी सहभागिता का अवसर आपको प्रदान करता है। जितने लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे हमारा लोकतंत्र उतना ही मजबूत और सशक्त होगा। युवा इस देश के कर्णधार हैं। लोकतंत्र के इस महापर्व में उनकी सहभागिता जरूरी है। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद लोगो को मतदान के दिन अपने- अपने परिवार एवं गांव और समाज के सभी मतदाताओं से निष्पक्ष और भयरहित मतदान करने की अपील की गई। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने 18 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों को मतदाता सूची में नाम जोड़ने, बीएलओ से मतदाता सूची में अपना नाम देखने, आदर्श आचार संहिता, सी-विजिल एप, ईवीएम, वीवीपेट मशीन, मतदान के दिन मतदान पहचान पत्र के अतिरिक्त अन्य पहचान पत्र के साथ मत देने, दिव्यांग मतदाताओं को मत देने हेतु विशेष सुविधा सहित आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव अभियान को सफल बनाने के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

कई संगठन के महिलाओं ने निकाली मतदाता जागरूकता को लेकर साइकिल रैली

प्रतापपुर : लोकसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान हो इसको लेकर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को आजीविका सखी मंडल एकल,नारी शक्ति संगठन,जेएसएलपीएस सहित कई अन्य संगठनों के महिलाओं ने साइकिल के माध्यम से मतदाता जागरूकता रैली निकाली। यह साइकिल रैली निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी अजय कुमार दास की नेतृत्व में निकल गया। साइकिल रैली प्रखंड कार्यालय से शुरू होते हुए,थाना होते हुए प्रतापपुर महावीर चौक होते हुए पुनः प्रखंड कार्यालय पहुंचा। इस दौरान महिलाओं ने अपना कर्तव्य निभाएंगे सबसे पहले मतदान कराएंगे सहित कई स्लोगन व नारे लगा रहे थे। मौके पर साइकिल रैली में प्रखंड विकास पदाधिकारी अजय कुमार दास, बीपीएम अभिषेक कुमार सहित प्रखंड कर्मी व सैकड़ो महिलाएं उपस्थित थे।

नामांकन से पहले रजरप्पा मंदिर पहुंचे चंद्रप्रकाश चौधरी

● मां छिन्नमस्तिका से मांगा जीत का आशीर्वाद, पत्नी सुनीता चौधरी भी थीं साथ

स्वदेश संवाददाता

रामगढ़ : गिरिडीह लोकसभा से चंद्र प्रकाश चौधरी एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी हैं। वे सोमवार को आजसू की टिकट पर अपना नामांकन करेंगे। नामांकन से पहले वह रजरप्पा मंदिर पहुंचे और मां छिन्नमस्तिका से जीत का आशीर्वाद मांगा। इस मौके पर उनके साथ उनकी पत्नी रामगढ़ विधायक सुनीता चौधरी भी साथ थी। रजरप्पा मंदिर में विधिवत रूप से पूजा पाठ करने के बाद चंद्र प्रकाश चौधरी ने कहा कि कोई भी शुभ काम करने से पहले वे माता दरबार पहुंचकर उनका आशीर्वाद लेते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को नई ऊंचाई दी है। क्षेत्र में विकास हुआ है और जनता विपक्षियों को सबक सिखाने के लिए कमर कस चुकी है। इस बार उनकी जीत एक बार फिर निश्चित होगी।

लोहरदगा में पुलिसकर्मियों ने बैलेट पेपर से किया मतदान

लोहरदगा : बक्सीडीपा स्थित न्यू पुलिस लाइन में बैलेट पेपर के माध्यम से पुलिसकर्मियों ने मतदान किया। बैलेट पेपर के माध्यम से उन पुलिसकर्मियों को मतदान का अधिकार दिया गया है, जिन्हें मतदान ड्यूटी में लगाया गया है। पुलिसकर्मियों का मतदान अधिकारियों की निगरानी में हुई। इस दौरान मुख्य रूप से एलआरडीसी सुजाता कुजूर, नगर परिषद प्रशासक जयपाल सिंह, एसडीपीओ श्रद्धा केरकेटा, मेजर शेरू कुमार रंजन सहित मतदान कर्मी तथा सुरक्षा बल के जवान मौजूद रहे।

रामगढ़ में तीन गिरफ्तार, 354 बोतल अवैध शराब बरामद

रामगढ़ : एसपी डॉ बिमल कुमार के निर्देश पर रामगढ़ पुलिस ने अनुमंडल क्षेत्र में नशीले पदार्थों के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाकर 354 बोतल अवैध शराब जब्त किया। साथ ही 92 लीटर अवैध देसी महुआ शराब बरामद हुआ। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में एसपी ने बताया कि रामगढ़ थाना क्षेत्र के अरगड्डा नीचे धौड़ा में छापेमारी के दौरान राजेश सागर के घर से 10 बोतल अंग्रेजी शराब और 85 लीटर अवैध महुआ शराब बरामद किया गया। गोबरदहा चौक के स्थित आर्यन लाइन होटल से 41 बोतल शराब मिली है। रजरप्पा थाना क्षेत्र में राजू महतो के घर और दुकान से 37 बोतल अंग्रेजी शराब, कुजू ओपी क्षेत्र के बरमसिया गांव निवासी वीरेंद्र कुमार महतो की पान दुकान से 147 बोतल अवैध शराब जप्त किया गया है। इसी तरह वेस्ट बोकारो ओपी क्षेत्र के केदला गांव में विनोद कुमार केसरी की दुकान से 68 बोतल अंग्रेजी शराब, सूरज गुप्ता के घर से 51 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद किया गया है। बरलंगा थाना के हारुबेड़ा गांव निवासी मोहनलाल बेदिया के होटल से चार लीटर देसी महुआ शराब, सिल्ली मोड़ स्थित रुसनी देवी के होटल से तीन लीटर देसी महुआ शराब जब्त किया गया है। इस अभियान में कुल 354 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब जब्त हुआ है। एसपी ने बताया कि छापेमारी के दौरान गिरफ्तार आरोपितों में रामगढ़ थाने के कैथा, सवैयागढ़ा निवासी नरेश साव, कुजू ओपी के बरमसिया गांव निवासी वीरेंद्र कुमार महतो और बेस्ट बोकारो ओपी क्षेत्र के केदला निवासी विनोद कुमार केसरी शामिल हैं। छापेमारी दल में रामगढ़ एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, प्रशिक्षु डीएसपी फौजन अहमद, मांडू इंस्पेक्टर सुरेश लिंडा, रामगढ़ थाना प्रभारी अजय कुमार साहू, बरलंगा थाना प्रभारी अनंत कुमार सिंह, कुजू ओपी प्रभारी दिगंबर पांडे, वेस्ट बोकारो ओपी प्रभारी सदानंद कुमार शामिल थे।

अवैध शराब के साथ गिरफ्तार हुए तीन तस्कर

● भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब, देसी महुआ शराब और जावा महुआ जब्त

रामगढ : लोकसभा चुनाव के दौरान अवैध शराब के विरुद्ध रामगढ़ पुलिस लगातार छापेमारी अभियान चला रही है। रामगढ़ पुलिस को एक बार फिर शराब तस्करों के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब, देसी महुआ शराब और जावा महुआ जप्त किया है। इस दौरान तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। सोमवार को एसपी डॉ बिमल कुमार ने बताया कि चुनाव के दौरान नशीले पदार्थ एवं अवैध शराब के विरुद्ध अभियान चलाया गया था। पतरातू अनुमंडल क्षेत्र में अवैध रूप से शराब की बिक्री चोरी छुपे करते हुए लोगों की सूचना भी पुलिस को मिल रही थी। इस अभियान में कुल 418 बोतल अंग्रेजी शराब पुलिस ने जप्त किया है। साथ ही 125 लीटर देसी महुआ शराब और 280 किलो जावा महुआ जप्त कर पुलिस ने नष्ट किया है।

पतरातू एसडीपीओ के नेतृत्व में पुलिस ने की छापेमारी

पतरातू एसडीपीओ वीरेंद्र राम के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। इस दौरान पतरातू थाना के कोतो गांव निवासी विक्रांत कुमार के घर से भारी मात्रा में अवैध रूप से बिक्री करने हेतु रखे गए 228 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद किया गया। बासल थाना निवासी रमेश साहू के दुकान से 47 बोतल अंग्रेजी शराब, भदानीनगर ओपी क्षेत्र के चिकोर गांव निवासी जितेंद्र प्रसाद कुशवाहा

के पास से 20 लीटर अवैध देसी महुआ शराब और एक क्विंटल जावा महुआ जप्त किया गया। भुरकुंडा ओपी क्षेत्र के सयाल अंबेडकर भवन रोड, मंगल बाजार निवासी नकुल साव के घर से 105 लीटर देसी महुआ शराब एवं 180 किलो जावा महुआ जप्त किया गया। बरकाकाना ओपी क्षेत्र के पीरी गांव निवासी देवानंद बेदिया पिता रामेश्वर बेदिया के दुकान एवं मकान से भारी मात्रा में अवैध रूप से बिक्री करने हेतु भंडारण कर रखे गए 143 बोतल शराब बरामद किया गया। इस दौरान तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है और उन्हें जेल भेजा जा रहा है। पतरातू थाना क्षेत्र से विक्रांत कुमार, बरकाकाना क्षेत्र से देवानंद बेदिया और भुरकुंडा क्षेत्र से नकुल साहू को गिरफ्तार किया गया है। छापेमारी अभियान में पतरातू इंस्पेक्टर योगेंद्र सिंह, बासल थाना प्रभारी कैलाश कुमार, पतरातू थाना प्रभारी शिवलाल कुमार गुप्ता, भुरकुंडा ओपी प्रभारी अभिषेक कुमार, भदानीनगर ओपी प्रभारी संजय कुमार रजक, बरकाकाना ओपी प्रभारी मोहम्मद अख्तर अली शामिल थे।

आईसीएसई बोर्ड के रिजल्ट में सेंट एंस स्कूल का शत-प्रतिशत रिजल्ट

स्वदेश संवाददाता

रामगढ़ : आईसीएसई बोर्ड ने दसवीं का रिजल्ट जारी कर दिया है। रामगढ़ के सेंट एंस स्कूल का रिजल्ट 100 प्रतिशत रहा है। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि उनके स्कूल से 113 छात्रों ने परीक्षा दिया था। इसमें 13 छात्रों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर स्कूल और जिले का नाम रोशन किया है। 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले छात्रों की संख्या 36 है। डिस्टिंक्शन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या 85 है। जबकि 112 छात्र फर्स्ट डिवीजन से पास हुए हैं।

प्रिंस भौमिक को मिला 98.4 प्रतिशत अंक

विद्यालय प्रबंधन की ओर से जारी के लिए सूची में प्रिंस भौमिक को सबसे अधिक 98.4 प्रतिशत अंक मिले हैं। इसके बाद चंदन प्रसाद को 97.6 प्रतिशत अंक, श्रेया कुमारी को 97.4 प्रतिशत, अंतरा खंडेलवाल को 97.2प्रतिशत , मानवी सिंह 97 प्रतिशत, जैद अहमद 97 प्रतिशत, ऋषभ चौधरी 97 प्रतिशत, आयुष कुमार 96.4 प्रतिशत , अर्पण आइंदा 96 प्रतिशत, निवेदिता 96 प्रतिशत , शौर्य गुप्ता 95 प्रतिशत, क्रिषिका बंसल 95 प्रतिशत और ऋषि पंडा को 95 प्रतिशत अंक मिले हैं।

सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल का बिरहा 100 प्रतिशत रिजल्ट

रामगढ़ शहर के सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल से आठ छात्रों ने परीक्षा दिया था। वह सभी पास हो चुके हैं।

लोस चुनाव राजमहल लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए आज जारी होगी अधिसूचना

एक जून को वोटिंग और चार जून को होगी मतगणना

स्वदेश संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल लोकसभा सीट के लिए एक जून को वोट डाले जायेंगे। सातवें चरण में राजमहल लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में अधिसूचना निर्गत करने की तिथि सात मई को होगी। 14 मई तक नामांकन फाइल किया जा सकेगा। 15 मई को स्क्रूटनी होगी। नाम वापसी की तिथि 17 मई है। एक जून को वोटिंग और चार जून को मतगणना होगी। यह जानकारी सोमवार को समाहरणालय सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में अपर समाहर्ता राज महेश्वरम ने दी। अपर समाहर्ता ने बताया कि राजमहल लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत कुल 17,02,033 मतदाता हैं। साहेबगंज जिला में कुल मतदाताओं की संख्या 8,60,854 है। इसमें पुरुष वोटरों की संख्या 4,33,755 व महिलाओं की 4,27,094 है। थर्ड ट्रांसजेंडर की संख्या 05 है। इसके अलावा पाकुड़ क्षेत्र के अंतर्गत कुल 8,41,179 वोटर हैं। इनमें पुरुषों की संख्या 4,16,158 व महिला 4,25,019 हैं। थर्ड ट्रांसजेंडर की संख्या 02 है। साथ ही बताया कि सभी चेकपोस्ट पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये हैं। 100 मीटर के दायरे में बैरिकेडिंग, नामांकन प्रक्रिया की वीडियोग्राफी, आदर्श आचार संहिता का अनुपालन संबंधी बिंदुओं की भी जानकारी दी। अपर समाहर्ता ने मीडिया से अपील करते हुए कहा कि चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता सख्ती से लागू हो, इसमें मीडिया की भूमिका अहम है। शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल एवं दंडाधिकारियों की भी प्रतिनियुक्ति की गयी है। पोलिंग पार्टी का गठन भी रैंडमाइजेशन से होगा।निष्पक्ष व भयमुक्त वातावरण में चुनाव कराने की तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। इसके अलावा राजनीतिक दलों के साथ बैठक कर अपर समाहर्ता ने राजनीतिक दलों को नामांकन प्रक्रिया की जानकारी दी।

पलामू में एनएच 98 पर खड़े हाइवा में ट्रक ने मारी टक्कर, चालक-खलासी की मौत

पलामू : जिले के हरिहरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत ढाब कला गांव में डालटनगंज-औरंगाबाद एनएच 98 फोरलेन पर सोमवार दोपहर खड़े हाइवा में ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे ट्रक के चालक और सह चालक की मौत हो गयी। इस घटना में ट्रक पर सवार एक फल व्यापारी गंभीर रूप से जख्मी हो गया, जिसे हरिहरगंज सीएचसी में प्राथमिक इलाज के बाद रेफर कर दिया गया। ट्रक और हाइवा के बीच फंसे शवों को गैस कटर से काटकर निकाला गया। बताया जाता है कि महाराष्ट्र के नासिक से अंगूर लेकर एक ट्रक डालटनगंज की ओर से हरिहरगंज की ओर जा रहा था। हरिहरगंज के ढाबकला कला गांव के पास पिछले 24 घंटे से खराब होकर एक हाइवा (बीआर 24एल 3996) एनएच के किनारे पर खड़ा था। इस बीच पीछे से आए ट्रक ने हाइवा में जोरदार टक्कर मार दी। घटना में ट्रक के चालक और खलासी दब गए जबकि फल व्यापारी महाराष्ट्र के वैभव लक्ष्मी सीटी के रहने वाले रौशन शर्मा (38) वाहन से नीचे गिर गए।

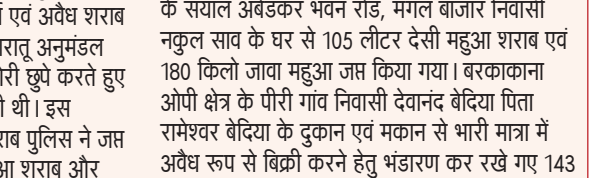

सूचना मिलने पर स्थानीय लोगों एवं हरिहरगंज थाना पुलिस ने जख्मी फल व्यापारी को हरिहरगंज सीएचसी में भेजा। साथ ही जेसीबी और लोडर लगाकर वाहनों को हटाने की कोशिश की लेकिन शवों के फंसे होने के कारण तत्काल सफलता नहीं मिली। करीब साढे तीन से चार घंटे बाद गैस कटर से वाहन के हिस्से को काटकर शवों को बाहर निकाला गया। इस दौरान एनएच पर एक तरफ का परिचालन बाधित रहा। हरिहरगंज के थाना प्रभारी चालक और सह चालक की पहचान करने में जुटे हुए हैं। घटना के वक्त हाइवा के चालक और सह चालक घटनास्थल पर मौजूद नहीं थे।

NEWS IN Gallery

उपद्रवियों का बढ़ा मनोबल, विद्यालय में बियर पीकर फोड़ा बोतल

प्रतापपुर : इन दिनों उपद्रवियों का मनोबल बढ़ गया है खुलेआम उपद्रवियों ने विद्यालय कैंपस में बियर पीकर बियर का बोतल फोड़ दिए हैं पूरा मामला प्रतापपुर प्रखंड के बभने पंचायत के नवसृजित प्राथमिक विद्यालय बाधर का है जहाँ उपद्रवियों ने बियर विद्यालय कैंपस में पीकर बियर का बोतल भी तोड़ दिया है। इस संदर्भ में विद्यालय के प्रधानाध्यापिका लीला देवी ने बताई की कई बार इस तरह का घटना का अंजाम उपद्रवियों के द्वारा दिया गया है उसे छोटे-छोटे बच्चों का पैरों में बोतल का टूटे कांच चुभ गए हैं और उन लोगों का इलाज विद्यालय परिवार के द्वारा करवाया गया है। उन्होंने कहा कि इसके शिकायत कई बार पंचायत के मुखिया व वार्ड सदस्य को दिया गया है लेकिन फिर भी उपद्रवियों का कोई अता-पता नहीं चल पा रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि विद्यालय कैंपस में बाउंड्री होता तो इस तरह का घटना का अंजाम नहीं दिया जाता उन्होंने विभाग से बाउंड्री दिलवाने के बात कही है।

धनबाद में अनियंत्रित स्कॉर्पियो ने स्कूटी सवार दो बहनों को रौंदा, मौत

धनबाद : शहर के बिरसा मुंडा पार्क स्थित आठ लाइन पर सोमवार को अनियंत्रित स्कॉर्पियो ने स्कूटी सवार दो बहनों को रौंद दिया, जिससे दोनों की मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने स्कॉर्पियो सवार प्रदीप मंडल और राजू मंडल को पकड़कर मौके पर पहुंची धनबाद थाना पुलिस के हवाले कर दिया। मृतकों में डिनोबली स्कूल भूली की नौवीं की छात्रा जिया और उसकी बड़ी बहन है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्कॉर्पियो मेमको मोड़ की तरफ से विनोद बिहारी चौक की तरफ से काफी तेज गति से आ रही थी। इस बीच स्कॉर्पियो दो लेन का डिवाइडर फांद कर तीसरी लेन में आ गया। इसी दौरान सामने से आ रही स्कूटी को स्कॉर्पियो ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों बहनों की मौत हो गई।

स्टैंडिंग कमेटी का डीईओ सह डीसी ने की बैठक

बोकारो : समाहरणालय स्थित सभागार में सोमवार को लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) श्रीमती विजया जाधव ने स्टैंडिंग कमेटी की बैठक की। बैठक में कमेटी के सदस्यगण समेत विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। मौके पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विभिन्न राजनीतिक दलों के लिए जारी दिशा- निर्देश से अवगत कराया।

इंडी गठबंधन की पहचान भ्रष्टाचार परिवारवाद और तुष्टिकरण : सुदेश महतो

स्वदेश संवाददाता

गिरिडीह : आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि एनडीए देश के लिए समर्पित है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास ही एनडीए का मंत्र है। इसी मंत्र के आधार हम जनता से जन आशीर्वाद मांग रहे हैं। राष्ट्र हित हमारे लिए सर्वोपरि है। दूसरी तरफ इंडी गठबंधन की पहचान भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण से है। सुदेश कुमार महतो ने यह बात गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र से एनडीए के आजसू प्रत्याशी चंद्र प्रकाश चौधरी के नामांकन के बाद बांधडीह हाई स्कूल मैदान में सोमवार को आयोजित जन आशीर्वाद नामांकन सभा में कही। उन्होंने कहा कि आज फिर से हम गिरिडीह की सेवा का संकल्प दोहराते हैं। इतनी गर्मी में जन आशीर्वाद नामांकन सभा में शामिल हुए गिरिडीहवासियों ने कार्यक्रम को विजय रैली में बदल दिया है। लोगों में वर्ष 2019 से अधिक उत्साह दिख रहा है। यह उत्साह, प्यार और विश्वास ही हमारी जीत का आधार बनेंगे।

गरीब को लूटने वाले हर भ्रष्टाचारी को जेल भेजना मोदी की गारंटी : सम्राट चौधरी

बिहार सरकार के उप मुख्यमंत्री सह बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि पिछले दस वर्षों में मोदी के नेतृत्व में अभूतपूर्व विकास कार्य हुए हैं। सोने की चिड़िया कहा जाने वाला हमारा देश आज सोने के शेर बना रहा है। भारत का डंका पूरे विश्व में बज रहा है। आज हम दुनिया की पांचवी अर्थव्यवस्था हैं। गरीब को लूटने वाले हर भ्रष्टाचारी को जेल भेजना मोदी की गारंटी है। केंद्र सरकार ने जनकल्याणकारी योजनाओं से समाज के हर वर्ग के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का काम किया है। बिहार में लालू यादव और झारखंड में शिबू सोरेन का एकमात्र उद्देश्य परिवार की भलाई है।

झारखंड, झारखंडियों और विकास के विरोधी हैं जेएमएम-कांग्रेस : बाबूलाल

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जेएमएम-कांग्रेस झारखंड, झारखंडियों और विकास के विरोधी हैं। साढ़े चार साल के अपने कार्यकाल में इस सरकार ने राज्य को लूटने का काम किया है। यह जमीन, पत्थर, कोयला, बालू लूटने वाली सरकार है। राज्य समेत देश की जनता गांव, गरीबों की चिंता करने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक बार फिर से प्रधानमंत्री बनाएगी।

गिरिडीह की जनता ने एनडीए को समर्थन देने का किया निश्चय : चंद्र प्रकाश चौधरी

चंद्र प्रकाश चौधरी ने कहा कि आज के इस कार्यक्रम में उमड़े जनसैलाब ने यह स्पष्ट कर दिया है कि गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र की जनता ने एनडीए को पुनः विश्वास और समर्थन देने का निश्चय किया है। प्रधानमंत्री मोदी की अगुवाई में इस कार्यकाल में कई विकास कार्यों की शुरूआत की गई है, जिसका लाभ जनता को मिल रहा है।

राहुल गांधी के नेतृत्व में गठबंधन की बनेगी सरकार : पप्पू यादव

स्वदेश संवाददाता

धनबाद : बिहार के पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे पूर्व सांसद पप्पू यादव ने सोमवार को भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा हमारी सीता को चुरा ले गई और गीता को भी ईडी के दबाव में अपने झांसे में ले लिया। उन्होंने कहा कि 400 पार का नारा देकर अपने मुंह मियां मिट्ठू बन रही भाजपा चुनाव हारेगी और इंडि राहुल गांधी के नेतृत्व में चार जून के बाद सरकार बनाएगी। पप्पू यादव धनबाद लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह के पक्ष में चुनाव प्रचार करने धनबाद पहुंचे थें। सबसे पहले वह धनबाद के बारामुड़ी खटाल पहुंचकर अपने चिरपरिचित अंदाज में खाट पर बैठकर दाल-भात-चोखा खाया। इसके बाद उन्होंने बच्चों के साथ तस्वीरें खिंचवाईं, इसके साथ ही धनबाद से कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह के पक्ष में वोट मांगा। उन्होंने कहा कि धनबाद के विकास के लिए स्वच्छ एवं अच्छे नेता का चुनाव करें, जो दागदार न हों। अनुपमा सिंह श्रेष्ठ प्रत्याशी हैं। उन्होंने कहा कि पूर्णिया सीट पर आज पूरे विश्व की निगाहें हैं। उनका किसी से कोई भेदभाव नहीं है। परिवार भी उनके साथ है। पूर्णिया में हिंदू न मुसलमान न जाति न धर्म और न ही बाहुबल, इस पर मतदान नहीं हुआ, बल्कि उनके कार्यों को देखते हुए पूर्णिया की जनता ने उनके पक्ष में वोटिंग की। उन्होंने कहा कि सभी लोगों का साथ और प्यार मिला। चार जून के बाद पूर्णिया इतिहास लिखेगा, जिसे पूरा विश्व देखेगा पप्पू यादव ने कहा कि वो कम से कम तीन लाख वोट से जीतेंगे। इसके साथ ही धनबाद से कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह विजयी हो रही हैं। भाजपा की करारी हार होगी। इस दौरान पप्पू यादव ने भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि झारखंड अलग राज्य बनाने में भी कांग्रेस का योगदान है। महिलाएं भाजपा से अलग हो रही हैं। युवाओं में भी आक्रोश है, इस सरकार में किसानों की आवाज दबाई जा रही है। छोटे व्यापारी की हालत खराब है। उन्होंने कहा कि इस बार भाजपा के विरोध में लहर है

कोडरमा में 15 और गाण्डेय में 11 प्रत्याशी चुनाव समर में

स्वदेश संवाददाता

गिरिडीह : कोडरमा संसदीय सीट पर 20 मई को होने वाले चुनाव में नाम वापसी कीअंतिम तिथि सोमवार को समाप्त होने के बाद कुल 15 प्रत्याशी चुनाव मैदान में डटे है। इसमें भाजपा से अन्नपूर्णा देवी , भाकपा माले से विनोद कुमार सिंह , बसपा से कैदार रविदास व अन्य शामिल है। इसी प्रकार 20 मई को ही गाण्डेय विधानसभा उप चुनाव में कुल 11 प्रत्याशी चुनाव में हैं। इनमें झामुमो की कल्पना मुर्मू सोरेन , भाजपा के दिलीप वर्मा सहित अन्य है। यह जानकारी सोमवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त गिरिडीह नमन प्रियेश लकड़ा एव गाण्डेय विस के निवार्ची पदाधिकारी गुलाम समदानी ने आयोजित प्रेस वार्ता में दी । उपाउक्त ने कहा कि दोनों सीटों पर 20 मई को शांतिपूर्ण माहौल में मतदान के लिए सभी तैयरिया की जा रही है।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या का खुलासा, गिरफ्तार

दुमका : तालझारी थाना क्षेत्र के बरमासा गांव में 30 अप्रैल को नर कंकाल मिलने के मामले में दुमका पुलिस उद्भेदन करते हुए एक अपराधी को गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दिया है। गिरफ्तार अपराधी थाना क्षेत्र के बरमासा गांव निवासी पिंकु कुमार मंडल उर्फ छोटू है। मामले का उद्भेदन समाहरणालय स्थित कार्यालय में एसपी पिंताबर सिंह खेरवार ने किया। उन्होंने बताया कि बीते 30 अप्रैल को थाना क्षेत्र के बरामासा गांव में एक नर कंकाल मिला था। जिसके बाद पुलिस तेजी से छानबीन में जुट गई थी। इससे पहले 27 अप्रैल को थाना क्षेत्र निवासी नाबालिग के पिता ने बेटी के अपहरण का आवेदन दिया था। पुलिस अपहरण का मामला दर्ज कर छानबीन कर रही थी। इसी बीच नर कंकाल मिलने पर पुलिस की अपनी तफ्दीश और तेज कर दी। मामले में एसडीपीओ, जरमुंडी संतोष कुमार के नेतृत्व में एक एसआईटी टीम का गठन किया गया। टीम मामले में संदेह के आधार पर थाना क्षेत्र के बरमासा गांव निवासी पिंकू कुमार मंडल उर्फ छोटू को धर दबोचने में सफल रही। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार अपराधी टूट गया और अपना अपराध स्वीकार लिया। गिरफ्तार अपराधी ने अपने स्वीकारोक्ति बयान में षादी से इंकार पर नाबालिग को बंधक बनाकर दो दिनों तक जबरदस्ती दुष्कर्म कर नाक एवं मुँह दबाकर हत्या कर साक्ष्य मिटाने के लिए शव में एसीड डालने जला देने की खौफनाक वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकारी। पुसिल गिरफ्तार अपराधी के निशानदेही पर घटना में प्रयोग सामानों को बरामद करने में सफल रही।

'मैं भी एम्बेसडर हूं' के तहत कार्यक्रम आयोजित

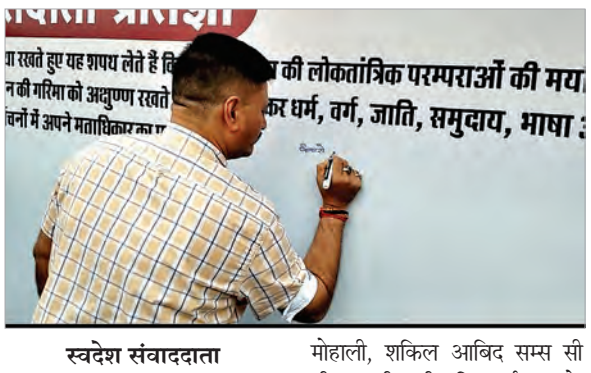

स्वदेश संवाददाता

बोकारो : लोकसभा चुनाव क लेकर चुनाव निर्वाचन आयोग के द्वारा पुलिस प्रशासन के नेतृत्व में पुरे राज्य में हस्ताक्षर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसको लेकर आज बोकारो पुलिस अधीक्षक पुज्य प्रकाश के नेतृत्व में विरसा मुंडा नया मोड़ ट्रैफिक पुलिस स्टेशन के समीप से हस्ताक्षर जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सिटी डीएसपी आलोक रंजन, चास एसडीपीओ प्रवीण कुमार सिंह, ट्रैफिक डीएसटी आशीष कुमार मोहाली, शकिल आबिद सम्स सी सी आर डीएसपी सहित कई थाना के प्रभारी मौजूद कार्यक्रम कार्यक्रम को संबधित करते हुए बोकारो अधीक्षक पुज्य प्रकाश ने बताया कि चुनाव आयोग के दिशानिर्देश पर आज जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कि गई जिसमें ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं के द्वारा अपने मत का उपयोग करें। साथ ही कहा कि 7 तरीक को सोशल मीडिया के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा प्रसारित किया जाएगा चुनाव आयोग का श्लोगन के माध्यम से कई कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

बिरहोर परिवारों के बीच चलाया गया मतदाता जागरूकता अभियान

स्वदेश संवाददाता

खूंटी : लोकतंत्र का महापर्व लोकसभा आम निर्वाचन को लेकर सोमवार को अड़की प्रखंड के तेलंगाडीह और सोसोकुटी के बिरहोर परिवारों के बीच विशेष मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान महिलाओं ने स्वयं ही सेल्फी प्वाइंट और एवं रंगोली बनाई। साथ ही गीत गाकर मतदाताओं से अपील की। नुक्कड नाटक के माध्यम से मतदान तिथि 13 मई को मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, खूंटी, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक, अड़की एवं जेएसएलपीएस के कर्मी उपस्थित थे। मौके पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ने ग्रामीणों को लोकतांत्रिक देश का जिम्मेदार नागरिक होने के नाते अपने मत का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

डीसी ने मतदाताओं को जागरूक करने की अपील की

गढ़वा : जिले में मतदान प्रतिशत दर बढ़ाने के उद्देश्य से स्वीप के तहत कई कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है. इसी कड़ी में गढ़वा के उपायुक्त शेखर जमुआर ने मुखियाओं और वार्ड पार्षदों के साथ बैठक की। बैठक में मुख्य रूप से स्वीप कार्यक्रम के तहत चलाए जा रहे मतदाता जागरूकता कार्यक्रम को जन-जन तक पहुंचने में सभी जन प्रतिनिधियों को सहयोग करने को कहा गया, जिससे कि अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान करने हेतु प्रेरित किया जा सके। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने 13 मई को अपना मत डालने को कहा। मतदाता सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान केंद्र पर वोटिंग कर सकते हैं। उपायुक्त शेखर जमुआर ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अबकी बार 80% के पार मतदान का नारा दिया गया है। गढ़वा जिले में इसे पूरा करने की कोशिश की जा रही है।

भाजपा प्रत्याशी दिलीप वर्मा ने चलाया जनसंपर्क अभियान

स्वदेश संवाददाता

गिरडीह : गांडेय विधानसभा सीट पर उपचुनाव में इंडी गठबंधन की कल्पना सोरेन और एनडीए के दिलीप वर्मा के बीच कांटे की टक्कर है। हालांकि, कई और अल्पसंख्यक चेहरे भी उप चुनाव में लड़ रहे हैं लेकिन जेएमएम की कल्पना सोरेन और भाजपा के दिलीप वर्मा पिछले कई दिनों से इलाके में लगातार भ्रमण कर रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार को भाजपा प्रत्याशी दिलीप वर्मा ने ताराटांड़, मोहलीडीह, भलपहरी, भूचादाह, जहानाबाद समेत करीब दर्जन भर पंचायतों के गांवों का दौरा किया। इस दौरान वे लोगों से मिले और केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी ली। ग्रामीणों ने केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ मिलने की बात कही। साथ ही खुशी जताई कि पीएम आवास योजना उनके लिए बेहद जरूरी था, जो उन्हें मिल चुका है। भाजपा प्रत्याशी दिलीप वर्मा ने ग्रामीणों से संवाद कायम किया और लोगों से भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की।

अभियान मतदाताओं को झारखंड सेवा समिति कर रही है जागरूक

मतदाताओं की सुविधा के लिए समिति ने लगाया प्याऊ

स्वदेश संवाददाता

रामगढ़ : झारखंड सेवा समिति के तत्वावधान में सोमवार की शाम शहर के सुभाष चौक मतदान केंद्र के समीप प्याऊ का शुभारंभ किया। इसका उदघाटन जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी चंदन कुमार ने किया। वहीं उन्होंने राहगीरों व मतदाताओं की सुविधा के लिए प्याऊ की व्यवस्था पर झारखंड सेवा समिति के सदस्यों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि रामगढ़ चैंबर ऑफ कामर्स और झारखंड सेवा समिति के द्वारा मतदाताओं के बीच जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। जिससे जिले में मतदान में बढ़ोत्तरी होगी। प्याउ के आरंभ होने से बढ़ती गर्मी में यहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में गुजरने वाले राहगीरों को शीतल पेयजल मिलेगा। प्याऊ के शुभारंभ से पूर्व झारखंड सेवा समिति के अध्यक्ष अमित कुमार सिन्हा और सह सचिव मनोज मंडल ने संयुक्त रूप से डीसी चंदन कुमार को फूलों का गुच्छा देकर स्वागत किया। प्याउ के आरंभ होने से बढ़ती गर्मी में यहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में गुजरने वाले राहगीरों को शीतल पेयजल उपलब्ध हो। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे झारखंड सेवा समिति के अध्यक्ष अमित कुमार सिन्हा ने कहा की गर्मी के मौसम में हमारी संस्था आम लोगों के लिए प्याउ का उदघाटन प्रत्येक वर्ष करती है , जिससे राहगीरों को शीतल पेयजल मिल सके। उन्होंने कहा की इस वर्ष प्याउ उदघाटन का एक मुख्य उदेश्य मतदान के दिन 20 मई को मतदाताओं के लिए पेयजल की व्यवस्था करना।शत-प्रतिशत मतदान के लिए हमारी संस्था जिला प्रशासन के मतदाता जागरूकता अभियान में लगातार सहयोग दे रही है। साथ ही हम 20 मई को अधिक से अधिक लोगों से बूथों पर जाकर अपने मताधिकार के प्रयोग करने की अपील कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जितने अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे हमारा लोकतंत्र उतना ही अधिक मजबूत होगा। मौके पर विनोद साव, राजेश प्रसाद, अजीत जायसवाल, अरविंद अग्रवाल, सरेंद्र ठाकुर, विजय मेवाड़, जीतू अग्रवाल, शिव नंदन प्रसाद, संजय दांगी, नवनीत कुमार, सलमान कादिर सहित कई लोग शामिल थे।

महामारी का रूप लिया शुगर और उच्च रक्तचाप : डॉ. श्रवण

स्वदेश संवाददाता

बोकारो : रोटरी क्लब चास द्वारा सांई कंप्यूटर सेंटर, जोधाड़ीह मोड में पीपीएच स्वास्थ्य अभियान के तहत शुगर, ब्लड प्रेशर, वजन, हाईट एवं पल्स जांच शिविर का आयोजन कराया। रोटरी चास की अध्यक्ष पूजा बैद ने कहा कि स्वास्थ्य ही हमारी असली पूंजी है । पूजा ने कहा कि वर्तमान समय में हमारे जीवन शैली में इतना परिवर्तन आ गया है की जीवन क्रिया में बदलाव के कारण हमारे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ श्रवण ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना हमारा कर्तव्य है। डॉ श्रवण ने कहा की भारत में बड़ी संख्या में व्यक्ति शुगर अथवा उच्च रक्तचाप से ग्रसित होता है पर उन्हें पता नहीं होता क्योंकि वह समय पर जांच नहीं करवाते हैं। डॉ श्रवण ने यह भी कहा 40 वर्ष और ऊपर के सभी व्यक्तियों को अनिवार्य रूप से साल में काम से कम दो बार रेगुलर बीपी और शुगर की जांच करवाते रहना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित चेंबर के पूर्व अध्यक्ष अशोक तनेजा ने कहा की शुगर और ब्लड प्रेशर की बिमारी महामारी की तरह फैल रही हैं। अशोक तनेजा ने कहा कि यदि लंबा और सुखी जीवन जीना है तो दोनों बीमारियों पर कंट्रोल करना होगा।डॉ रविकांत ने कहा कि मधुमेह और उच्च रक्तचाप को कभी जड़ से खत्म नहीं किया जा सकता। डॉ रवि ने कहा की नियमित रूप से दवाइयां लेकर हम इन्हें कंट्रोल में कर सकते हैं। चास रोटरी की सचिव डिंपल कौर ने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति हमें सजग रहना होगा। डिंपल ने यह भी कहा की चास रोटरी का यह स्वास्थ्य अभियान आगे भी जारी रहेगा।

संपादकीय

राहुल के लिए आसान नहीं रायबरेली की लड़ाई!

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी आखिरकार उत्तर प्रदेश की गांधी परिवार की परम्परागत लोकसभा सीट रायबरेली से नामांकन दाखिल कर दिया है। यह सही है कि राहुल गांधी के अमेठी छोड़ने के बाद कांग्रेस राजनीति में कोई ठोस संदेश देने में सफल नहीं हो रही थी, जिसके कारण कांग्रेस के कई नेता अमेठी के बारे में बोलने से किनारा करने लगे थे। अब राहुल गांधी अपने दादा फिरोज खान, दादी इंदिरा गांधी और मां सोनिया गांधी की विरासत को बचाने के लिए मैदान में आ गये हैं। यहां सवाल यह नहीं हैं कि राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस ने रायबरेली को क्यों चुना, बल्कि सवाल यह है कि राहुल गांधी ने अमेठी को क्यों छोड़ा। क्या वास्तव में राहुल गांधी को फिर से अपनी पराजय का डर लगने लगा था? अगर यह सही है तो फिर ऐसा क्यों है कि राहुल गांधी हर बार अपने लिए सुरक्षित स्थान की तलाश क्यों करते हैं।

उल्लेखनीय है कि जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अमेठी में अपनी जमीन खिसकती दिखाई दी, तब उन्होंने एकदम सुरक्षित लगने वाली सीट केरल की वायनाड को चुना। वहां से चुनाव जीते जरूर, लेकिन अमेठी की हार कांग्रेस परिवार की हार थी, जिसे कांग्रेस आज तक भुला नहीं पायी है। ऐसे में कांग्रेस द्वारा राहुल गांधी को अमेठी से चुनाव लड़ाना खतरे से खाली नहीं था।

कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी के नामांकन जमा करने के समय जिस प्रकार से बड़े नेताओं का जमघट लगा, वह भले ही जनता में प्रभाव डालने के लिए किया हो, लेकिन इससे यह भी राजनीतिक संदेश सुनाई दे रहा है कि अब रायबरेली की सीट भी कांग्रेस के लिए आसान नहीं है। यह इसलिए भी कहा जा सकता है कि वहां लगभग सभी बड़े नेता उपस्थित हुए। यहां तक कि प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा भी कांग्रेस के विरासती राजनेता के तौर पर उपस्थित हुए। ऐसे में एक सवाल यह भी आता है कि एक ही परिवार के चार व्यक्तियों को कांग्रेस के बड़े नेताओं के रूप में प्रचारित करना निःसंदेह कांग्रेस पर परिवारवादी होने को ही प्रमाणित करता है। जिस परिवारवाद के आरोप के कारण कांग्रेस असहज हो जाती है, आज कांग्रेस ने फिर से उसी रास्ते पर कदम बढ़ाने को अपनी नियति मान लिया है। हालांकि, कांग्रेस ने आनन-फानन में राहुल गांधी को रायबरेली से उम्मीदवार बनाकर यह तो संदेश दिया ही है कि भारत में रायबरेली ही राहुल गांधी के लिए सबसे सुरक्षित लोकसभा सीट है। यहां कांग्रेस का परंपरागत मतदाता है, वहीं यह क्षेत्र नेहरू-गांधी परिवार की विरासत भी है। कहा जाता है कि दुनिया का कोई भी व्यक्ति अगर अपनी विरासत को विस्मृत कर देता है, तो उसे नये सिरे से अपनी जमीन तैयार करनी पड़ती है और अगर विरासत के आधार पर अपने कदम बढ़ाता है तो उसकी आधी राह आसान हो जाती है।

राहुल गांधी के सामने तमाम सवाल होने के बाद भी ऐसा लगता है कि उन्होंने अपनी आधी बाधा को पार कर लिया है। रायबरेली को कांग्रेस का गढ़ इसलिए भी माना जाता है कि क्योंकि यहां से इंदिरा गांधी के पति फिरोज खान दो बार सांसद रहे, उसके बाद इंदिरा गांधी भी सांसद रहीं। अब पिछले पांच बार से सोनिया गांधी लोकसभा का चुनाव जीती हैं। मजेदार बात यह भी है कि वर्ष 1977 के आम चुनाव में जनता लहर में इंदिरा गांधी को भी पराजय का दंश भोगना पड़ा। उसके बाद एक बार भाजपा ने भी परचम लहराया है। इसलिए यह कहा जाना कि रायबरेली में कांग्रेस आसानी से विजय प्राप्त करेगी, कठिन ही है। आज कांग्रेस की स्थिति देखकर यह भी कहने में गुरेज नहीं होना चाहिए कि आज की कांग्रेस के पास इंदिरा गांधी जैसा नेता नहीं है। जब इंदिरा गांधी चुनाव हार सकती हैं, तब आज तो कांग्रेस की स्थिति बहुत कमजोर है।

अध्यात्म पथ

जयपुर के दो साल पुराने महादेव मंदिर के रहस्यों को जानकर रह जायेंगे दंग

बाबा भूतेश्वर नाथ मंदिर जयपुर के सबसे फेमस मंदिरों में से एक है। अगर आप जयपुर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको एक बार बाबा भूतेश्वर नाथ मंदिर के दर्शन जरूर करना चाहिए। जंगल के बीच पहाड़ी पर बसे इस मंदिर की खूबसूरती को देख आप दंग रह जायेंगे। यह मंदिर जयपुर के नाहरगढ़ जंगल में मौजूद आमेर की पहाड़ियों के ठीक पीछे स्थित हैं। ऐसे में आज हम आपको इस मंदिर के कुछ खास रहस्यों के बारे में बताने जा रहे हैं। मंदिर के इन रहस्यों को जानकर आप भी खुद को यहां जाने से रोक नहीं पायेंगे। बता दें कि भूतेश्वर नाथ महादेव मंदिर में 6 बजे से रात 11 बजे तक श्रद्धालुओं की भीड़ जल चढ़ाने के लिए उमड़ी रहती है। मान्यता के मुताबिक, इस मंदिर में भक्त जो भी मुराद मांगता है, भगवान उसकी सभी मन्नत पूरी हो जाती है। भूतेश्वर नाथ मंदिर पहाड़ी के बीच में अकेले था। इस मंदिर के बारे में जैसे ही पता चला, तो यहां पर दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होने लगी। इस मंदिर की बनावट, मंडप और गुंबद को देखकर ऐसा लगता है, जैसे कि इसका निर्माण 17वीं शताब्दी में हुआ था। यहां पर लोग पहाड़ों पर ट्रैकिंग के जरिये पहुंचते हैं। हालांकि, स्थानीय साधन के माध्यम से आप सड़क मार्ग से भी यहां पहुंच सकते हैं। इस मंदिर में दर्शन के लिए आपको नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क के दरवाजे से लेकर आठ किमी तक गहरे जंगल से होकर जाना पड़ता है। वहीं, बारिश के मौसम में यह जगह बेहद सुंदर लगने लगती है। हालांकि, रास्ते में आपको जंगली जानवरों का भी सामना करना पड़ सकता है। बता दें कि मंदिर तक पहुंचने वाला रास्ता काफी रोमांचक है। हर सावन महीने में यहां पर बड़ा मेला लगता है। इस मंदिर में दूर-दूर से भक्त महादेव के दर्शन के लिए आते हैं।

कांग्रेस की दिशाहीनता

> आज के परिदृश्यों में कांग्रेस अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरी है। चुनाव प्रचार हो या उम्मीदवारों का चयन, राजनीतिक वायदें हो या चुनावी मुद्दें हर तरफ कांग्रेस कई विरोधाभासों से घिरी है। उसकी सारी नीतियों में, सारे निर्णयों में, व्यवहार में, कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। यही कारण है कि उसकी राजनीति में सत्य खोजने से भी नहीं मिलता। दोहरे मापदंड अपनाने से उसकी हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा कर रही हैं। यही कारण है कि कांग्रेस नेताओं के पार्टी छोड़ने या फिर चुनाव लड़ने से इनकार करने का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। यह निर्णय क्षमता का अभाव ही है या हार का डर कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने क्रमशः अमेठी और रायबरेली से चुनाव लड़ने का निर्णय लेने में बड़ी कोताही बनती है। अब राहुल ने अमेठी में स्मृति ईरानी का सामना करने में स्वयं को अक्षम पाया तो रायबरेली से नामांकन पत्र दाखिल कर दिया और प्रियंका एक बार फिर चुनाव लड़ने से दूर ठिठक गयीं।

ललित गर्ग

लोकसभा के चुनाव उग्र से उग्रतर होते जा रहे हैं, लोकतंत्र के महायज्ञ की 7 मई को आधी से ज्यादा आहुति पूरी होने वाली है, पहले चरण में 102 और दूसरे चरण में 88 सीटों पर मतदान हो चुका है। तीसरे चरण में 94 सीटों पर मतदान होने वाला है। इसके बाद 543 में से आधे से अधिक यानी 284 सीटों पर मतदान पूर्ण हो जायेगा। जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ रहे हैं, कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। भाजपा की ओर रुख करते नेताओं ने कांग्रेस की नींद उड़ा कर रख दी है। यह सिलसिला आगे भी जारी रहने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आक्रामक, तीक्ष्ण एवं तीखे आरोप लगाने वाली कांग्रेस पार्टी में लगातार हो रही टूट एवं पार्टी छोड़ने के कांग्रेसी नेताओं के सिलसिले को रोक नहीं पा रही है। इस बड़े संकट से बाहर निकलने का रास्ता कांग्रेस को नहीं सूझ रहा है। कांग्रेस के लिए लोकसभा चुनाव के दौरान सबसे बड़ा झटका इंदौर में लगा, जहां से पार्टी के उम्मीदवार अक्षय कांति बम ने नामांकन वापसी के अंतिम दिन मैदान ही छोड़ दिया और वो भाजपा में शामिल हो गये। इससे पहले विपक्षी दलों का गठबंधन आईएनडीआईए को खजुराहो में झटका लगा था, जहां आपसी समझौते के चलते यह सीट समाजवादी पार्टी को दी गयी थी। समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार मीरा दीपक यादव का पर्चा निरस्त हो गया। इस तरह राज्य की 29 लोकसभा सीटों में से दो- खजुराहो और इंदौर ऐसी है जहां से कांग्रेस मुकाबले में ही नहीं है। कांग्रेस प्रवक्ता राधिका खेड़ा एवं दिल्ली के कांग्रेसी नेता अरविन्द सिंह लवली ने नाइंसाफी के कारण पार्टी से इस्तीफा दिया है। लवली तो अपने अन्य साथियों के साथ भाजपा में शामिल हो गये हैं। पुरी से कांग्रेस प्रत्याशी सुचारिता महंती ने यह कहते हुए टिकट लौटा दिया कि पार्टी चुनाव लड़ने के लिए धन नहीं दे रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके क्षेत्र में ओडिशा विधानसभा चुनावों के लिए कमजोर उम्मीदवार उतारे गये हैं। ऐसा प्रतीत होता है कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व में राजनीतिक अपरिपक्वता, दिशाहीनता एवं निर्णय-क्षमता का अभाव है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कांग्रेस कई राज्यों में बेमन से चुनाव लड़ रही है।

आज के परिदृश्यों में कांग्रेस अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरी है। चुनाव प्रचार हो या उम्मीदवारों का चयन, राजनीतिक वायदें हो या चुनावी मुद्दें हर तरफ कांग्रेस कई विरोधाभासों से घिरी है। उसकी सारी नीतियों में, सारे निर्णयों में, व्यवहार में, कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। यही कारण है कि उसकी राजनीति में सत्य खोजने से भी नहीं मिलता। दोहरे मापदंड अपनाने से उसकी हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा कर रही हैं। यही कारण है कि कांग्रेस नेताओं के पार्टी छोड़ने या फिर चुनाव लड़ने से इनकार करने का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। यह निर्णय क्षमता का अभाव ही है या हार का डर कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने क्रमशः अमेठी और रायबरेली से चुनाव लड़ने का निर्णय लेने में बड़ी कोताही बनती है। अब राहुल ने अमेठी में स्मृति ईरानी का सामना करने में स्वयं को अक्षम पाया तो रायबरेली से नामांकन पत्र दाखिल कर दिया और प्रियंका एक बार फिर चुनाव लड़ने से दूर ठिठक गयीं। राहुल गांधी का अमेठी के बजाय रायबरेली से चुनाव लड़ना भी कांग्रेस की दिशाहीनता का सूचक है। यह हास्यास्पद है कि गांधी परिवार के करीबी एवं चाटुकार कांग्रेस नेता राहुल के अमेठी से चुनाव न लड़ने के फैसले को यह कहकर बड़ी राजनीति जीत बता रहे हैं कि पार्टी ने स्मृति ईरानी का महत्व कम कर दिया। क्या सच यह नहीं कि कांग्रेस ने अमेठी से स्मृति ईरानी की जीत सुनिश्चित करने का काम किया है?

राहुल गांधी का दो-दो सीटों से का चुनाव लड़ना भी यह दर्शाता है कि दोनों में से एक सीट पर तो वे जीत हासिल कर ही लेंगे। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 का सेक्शन 33 प्रत्याशियों को अधिकतम दो सीटों से चुनाव लड़ने की अनुमति भी देता है। देश में लोकतंत्र की जड़ें लगातार मजबूत हो रही हैं। ऐसे में नेताओं के एक से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने को लेकर विसंगतियां भी सामने आ रही हैं। विमर्श इस बात पर हो रहा है कि जब एक व्यक्ति को एक वोट का अधिकार है तो प्रत्याशी को दो सीटों पर चुनाव लड़ने की अनुमति क्यों होनी चाहिए? नेता अपने राजनीतिक हितों के लिए एक साथ दो सीटों पर चुनाव लड़ते हैं और दोनों सीटों पर चुनाव जीतने की स्थिति में अपनी सुविधानुसार एक सीट से इस्तीफा दे देते हैं। कानूनी रूप से उनके लिये ऐसा करना जरूरी भी है। फिर उस सीट पर उपचुनाव होता है। इसमें न सिर्फ करदाताओं का पैसा खर्च होता है बल्कि उस क्षेत्र के मतदाता भी ठगा हुआ महसूस करते हैं। इस बात की पड़ताल जरूरी है कि दो सीटों से चुनाव लड़कर राहुल गांधी भारतीय लोकतंत्र को मजबूत कर रहे हैं या इस व्यवस्था से सिर्फ अपने राजनीतिक हित साध रहे हैं?

भले ही राहुल गांधी चुनाव प्रचार के दौरान बेहद आक्रामक दिख रहे हों, लेकिन वह अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं में जोश नहीं भर पा रहे हैं। इसका एक कारण गठबंधन के नाम पर अपने पुराने मजबूत गढ़ों में भी अपनी राजनीतिक जमीन छोड़ना है। यह कांग्रेस ही लगातार कमजोर होती राजनीति ही है कि वह जीत की संभावना वाली सीटों को भी महागठबंधन के अन्य दलों को दे रही है। ऐसे ही निर्णयों के चलते कांग्रेसजनों के लिए भी यह समझना कठिन है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी से समझौता करने से पार्टी को क्या हासिल होने वाला है? इस बार गांधी परिवार दिल्ली में उस आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों को वोट देगा, जिसने उसे रसातल में पहुंचाया। इस तरह के मामले केवल यही नहीं बताते कि कांग्रेस उपयुक्त प्रत्याशियों का चयन करने में नाकाम है, बल्कि यह भी इंगित करते हैं कि उसके पास अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने और अपने कार्यकताओं में उत्साह का संचार करने की कोई ठोस रणनीति नहीं है। कांग्रेस की नीति एवं नियत भी संदेह के घेरों में हैं। क्या कारण है कि पड़ोसी देश पाकिस्तान के नेता अब दुआ कर रहे हैं कि कांग्रेस का शहजादा भारत का प्रधानमंत्री बने। दुश्मन राष्ट्र के नेता अगर किसी व्यक्ति या नेता के प्रधानमंत्री बनने की कामना करते हैं तो निश्चित ही उस देश का हित जुड़ा होता है। पड़ोसी देश भले ही राहुल गांधी को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहता हो, लेकिन भारत की जनता अपने हितों की रक्षा करते हुए विवेकपूर्ण मतदान के लिए तत्पर है। भारत मजबूत प्रधानमंत्री वाला मजबूत देश चाहता है। नये भारत के सर्जिकल और एयर स्ट्राइक ने उस पाकिस्तान को हिलाकर रख दिया था जिसे कांग्रेस शासन के दौरान भारत पर आतंकी हमलों का समर्थन करने के लिए जाना जाता था। कांग्रेस ने बहुसंख्यक समुदाय की भावनाओं को नजरअंदाज करते हुए मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति की है, उसी का परिणाम है कि जिसने 500 वर्षों तक पीढ़ियों के संघर्ष के बाद बने प्रभु श्रीराम मंदिर के उद्घाटन समारोह एवं मंदिर से कांग्रेस दूरी बनाये रखी है। जम्मू और कश्मीर से अनुच्छेद-370 को निरस्त करने के निर्णय का भी विरोध किया है, जबकि अब वहां आतंकवाद खत्म होकर शांति, अमन एवं विकास की गंगा प्रवहमान है। जनता ही नहीं, कांग्रेस के नेता भी कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की इन विसंगतियों एवं विडंबनाओं को समझ रहे हैं और पार्टी से पलायन कर रहे हैं। मुगलों व अंग्रेजों की भाषा बोल रहे व हिंदू जनमानस व हिंदू संस्कृति के विरुद्ध जहर उगल रहे राहुल गांधी को पिछले दो लोकसभा चुनाव की तरह आगामी लोकसभा चुनाव में जनता क्या जबाव देती, यह भविष्य के गर्भ में हैं।

- लेखक वरिष्ठ पत्रकार व स्तंभकार हैं।

ओवैसी! देश से झूठ मत बोलो...

> केंद्र की मोदी सरकार ने 2014 में सत्ता संभालते ही अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए बजट की राशि बढ़ायी है। तीन तलाक का दंश झेल रही मुस्लिम महिलाओं को कानून बनाकर उन्हें बराबर का हक दिलाने का काम मोदी सरकार के रहते ही पूरा हो सका है। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने मुसलमानों के लिए सऊदी अरब से आग्रह कर न सिर्फ हज का कोटा बढ़वाया बल्कि उस पर लगने वाली जीएसटी को 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया। वह नरेंद्र मोदी की सरकार ही है, जिसके केंद्र में रहते छह लाख से अधिक वक्फ बोर्ड और वक्फ संपत्तियों के कागजातों का डिजिटलीकरण करवाने का काम पूरा हो सका है।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी द्वारा भारत में मुसलमानों की स्थिति की तुलना तानाशाह एडॉल्फ हिटलर के दौर में जर्मनी में यहूदियों से की जा रही है। ओवैसी अपने भाषणों में कह रहे हैं - आज के भारत में मुसलमानों की स्थिति वैसी ही है जैसी स्थिति 1930 के दशक में हिटलर के दौर में यहूदियों ने देखी या अनुभव की थी। गैस चैंबर आखिरी पड़ाव था, उससे पहले फिल्में बनती थीं, नफरत फैलाने वाले भाषण होते थे, इसकी एक पूरी प्रक्रिया थी। चुनाव जीतने के लिए मुसलमानों को घुसपैठिया कहा जा रहा है। हिटलर भी यहूदियों के लिए यही कहता था कि वे मूल जर्मन नहीं थे। वस्तुतः असदुद्दीन ओवैसी के नफरती भाषण की तरह ही कांग्रेस एवं इंडी गठबंधन के कई नेता मुलसमानों के विकास को लेकर भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार को घेर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन सभी की नजरों में मुसलमानों के अपराधी हैं। किंतु क्या वास्तविकता में ऐसा है? देखा जाये तो हकीकत इसके उलट है। विकास के आंकड़े खास तौर पर मुसलमानों को लेकर बता रहे हैं कि उनका हर तरह से विकास मोदी युग के भारत में संभव हुआ है, जोकि इससे पहले कभी देखने को नहीं मिला। पहले पांच साल में मोदी सरकार ने इस समाज के लिए 22 हजार करोड़ रुपये की अलग-अलग योजनाएं शुरू की थीं। सरकार ने कानून बनाकर तीन तलाक को खत्म किया। हज कोटे को दो लाख तक बढ़ाया गया था। इसके बाद तो जैसे एक के बाद एक नई योजनाएं एवं कार्य मुस्लिमों के हक में मोदी सरकार द्वारा किये जाने की झड़ी सी लगते हुए देखा गया है । प्रधानमंत्री आवास योजना, जन-धन योजना, उज्ज्वला योजना, सौभाग्य योजना, उस्ताद योजना, मुद्रा योजना समेत जितनी भी योजनाएं केंद्र सरकार की चल रही हैं उसका सबसे ज्यादा लाभ जनसंख्यात्मक आंकड़ों में मुसलमानों को ही मिला है। उड़ान योजना में सरकार ने मुस्लिम छात्र-छात्राओं को प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी के लिए फ्री कोचिंग व्यवस्था उपलब्ध करायी है। इस स्कीम के तहत घर में रहकर प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने वाले मुसलमान विद्यार्थियों को 1500 रुपये और बाहर रहकर पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं को तीन हजार रुपये दिये जा रहे हैं। शादी शगुन योजना के तहत ग्रेजुएशन करने वाली मुस्लिम लड़कियों को 51 हजार रुपये की राशि शादी शगुन के तौर पर देने का काम किया जा रहा है। इसी प्रकार की एक उस्ताद योजना है जोकि मुस्लिम कारीगरों को और ज्यादा एक्सपर्ट बनाने के लिए उन्हें ट्रेनिंग देने का काम करती है। ईदी योजना पर कोई बात नहीं करता, किंतु केंद्र की मोदी सरकार पांच करोड़ मुस्लिम विद्यार्थियों को 'प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति' देने का कार्य इसके अंतर्गत होता है। इस योजना में खास बात यह है कि योजना का लाभ उठाने वाले में 50 प्रतिशत मुस्लिम छात्राएं ही होती हैं। योजना मुसलमानों में शिक्षा के स्तर को ऊपर उठाने के लिए शुरू की गयी है।

केंद्र की मोदी सरकार ने 2014 में सत्ता संभालते ही अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए बजट की राशि बढ़ायी है। तीन तलाक का दंश झेल रही मुस्लिम महिलाओं को कानून बनाकर उन्हें बराबर का हक दिलाने का काम मोदी सरकार के रहते ही पूरा हो सका है। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने मुसलमानों के लिए सऊदी अरब से आग्रह कर न सिर्फ हज का कोटा बढ़वाया बल्कि उस पर लगने वाली जीएसटी को 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया। वह नरेंद्र मोदी की सरकार ही है, जिसके केंद्र में रहते छह लाख से अधिक वक्फ बोर्ड और वक्फ संपत्तियों के कागजातों का डिजिटलीकरण करवाने का काम पूरा हो सका है। ऐसे ही मुस्लिम विकास के जुड़े मोदी युग के अन्य भी तमाम आंकड़ें मौजूद हैं। यदि यहां इसके बारे में लिखने जाएंगे तो एक लाख शब्द भी कम हैं। यहां मुलसमानों के हक में केंद्र सरकार द्वारा उनके कल्याण के लिए प्रधानमंत्री का 15 सूत्री कार्यक्रम का जिक्र करना भी अनिवार्य लगता है। जिसमें एकीकृत बाल विकास सेवाओं की समुचित उपलब्धता, विद्यालयीन शिक्षा की उपलब्धता को सुधारना, उर्दू शिक्षण के लिए और अधिक संसाधन, मदरसा शिक्षा आधुनिकीकरण, अल्पसंख्यक समुदाय के मेधावी विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति, मौलाना आजाद शिक्षा प्रतिष्ठान के माध्यम से शैक्षिक अधोसंरचना को उन्नत करना, गरीबों के लिए स्वरोजगार एवं मजदूरी रोजगार योजना, तकनीकी शिक्षा के माध्यम से कौशल का उन्नयन, आर्थिक क्रियाकलापों के लिए अभिवृद्धित ऋण सहायता, राज्य एवं केंद्रीय सेवाओं में भर्ती, ग्रामीण आवास योजना में उचित हिस्सेदारी, अल्पसंख्यक समुदायों वाली मलिन (गंदी) बस्तियों की स्थिति में सुधार, सांप्रदायिक घटनाओं की रोकथाम, सांप्रदायिक अपराधों के लिए अभियोजन, सांप्रदायिक दंगों के पीड़ितों का पुनर्वास को प्रमुखता से रखा है। अभी हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी का एक साक्षात्कार मीडिया में आया, उसमें प्रधानमंत्री मोदी से पूछा गया कि भारत में मुस्लिम अल्पसंख्यक का क्या भविष्य है, इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने साफ तौर पर बताया भी कि कैसे भारत में रहने वाले धार्मिक माइक्रो माइनॉरिटी तक दुनिया में अन्य जगहों पर उत्पीड़न का सामना करने के बावजूद, उन्हें (मुस्लिम अल्पसंख्यक) भारत में एक सेफ हैवन मिल गया है। वे खुशी से रह रहे हैं और समृद्ध हो रहे हैं।

वस्तुतः प्रधानमंत्री मोदी जो कह रहे हैं, उसकी सच्चाई यह है कि इस्लामिक मामलों के जानकार डॉ. फैयाज अहमद फैजी, राजनीतिक विश्लेषक अमाना बेगम अंसारी जैसे अनेक विद्वान एवं सामाजिक कार्यकर्ता हैं जो यह खुले मन से स्वीकारते हैं कि इस बात में कोई संदेह नहीं है कि मुसलमान मतदाता भाजपा को लेकर आशंकित रहते हैं। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के पिछले 10 साल के शासनकाल में मुसलमानों ने यह देखा है कि उन्हें केंद्र सरकार की योजनाओं का ठीक उसी प्रकार लाभ मिल रहा है, जैसे कि हिंदुओं या समाज के किसी अन्य वर्ग को मिल रहा है। बल्कि ज्यादा गरीबी होने के कारण कई स्थानों पर मुसलमान लोग केंद्र सरकार की योजनाओं का ज्यादा लाभ उठा रहे हैं। ऐसे में उनके मन से यह डर दूर हुआ है कि मोदी के सत्ता में आने के बाद उसके साथ किसी तरह का भेदभाव होता है। आप कई अन्य चीजों के लिए भाजपा की आलोचना कर सकते हैं, लेकिन इस सरकार के अलावा किसी के पास व्यक्तिगत कानूनों में सुधार करने की इच्छा दिखाई नहीं दी है। पूरी कौम का तेजी के साथ विकास हो रहा है। ऐसे में अच्छा यही होगा कि असदुद्दीन ओवैसी एवं इंडी गठबंधन के नेता कम से कम देश से झूठ नहीं बोलें और न ही हिटलर की नाजी व्यवस्था के साथ किसी भी स्तर पर भारत में रह रहे मुसलमानों को लेकर यातनापूर्ण तुलना करें। वास्तव में जो परिदृश्य मोदी राज में देश में दिखाई देता है, वह यही है कि आज भारत का संपूर्ण विकास होता दिखाई दे रहा है।

- (लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

RNI (JHAHIN/2016/69693) स्वत्वाधिकारी स्वदेश मीडिया नेटवर्क के लिए, मुद्रक एवं प्रकाशक मंगल प्रताप पाण्डेय द्वारा 237-बी,रोड़ न.2,अशोकनगर,रांची 834002 से प्रकाशित एवं शिवासाई पब्लिकेशन प्रा.लि. काठीटांड, (नियर टेंडर बगीचा) रातू, रांची-835222 झारखंड से मुद्रित।
प्रधान संपादक : मंगल पाण्डेय, **संपादक :** रौशन कुमार*, **विज्ञापन एवं प्रसार :** 8092174888, 9031730388, **कार्यालय:** 0651-7961780, किसी भी प्रकार के विवाद में न्यायिक क्षेत्र रांची होगा। (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार*)

संक्षिप्त समाचार

मुश्किल में फंसे भाजपा विधायक चौधरी बाबूलाल

बेटे को निर्दलीय चुनाव लड़ाने पर प्रदेश अध्यक्ष ने दिया नोटिस

आगरा , एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने पार्टी के फतेहपुर सीकरी से विधायक चौधरी बाबूलाल को कारण बताओ नोटिस जारी करके जवाब तलब किया है। अपने पुत्र रामेश्वर चौधरी को पार्टी प्रत्याशी राजकुमार चाहर के विरुद्ध निर्दल चुनाव लड़ाने

और उसका प्रचार करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने से पहले 6 मई तक जवाब मांगा है। फतेहपुर सीकरी से भाजपा विधायक चौधरी बाबूलाल के बेटे रामेश्वर सिंह लोकसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशी राजकुमार चाहर के खिलाफ निर्दलीय मैदान में हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने रामेश्वर को पहले ही पार्टी से निष्कासित कर दिया है। अब प्रदेश अध्यक्ष ने चौधरी बाबूलाल को भी नोटिस जारी करके कहा है कि अपने बेटे रामेश्वर सिंह को निर्दलीय चुनाव लड़ाने और प्रचार करने की शिकायत प्राप्त हुई है। क्यों न आपके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए? प्रदेश अध्यक्ष ने निर्देश दिए हैं कि 6 मई की शाम 5 बजे तक नोटिस का जवाब नहीं देने पर संगठन अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए बाध्य होगा। इस संबंध में जिलाध्यक्ष गिर्राज सिंह कुशवाह ने कहा कि विधायक के विरुद्ध कार्रवाई तो प्रदेश नेतृत्व करेगा। मुझे नोटिस की जानकारी है।

घर से हंसते हुए स्कूल जाने के लिए निकला था छात्र, सड़क हादसे में हुई मौत; ग्रामीणों ने लगाया जाम

बलिया, एजेंसी। बलिया जिले के सदर कोतवाली के सहरसपाली के पास एनएच-31 पर डंपर की चपेट में आने से स्कूल जा रहे छात्र की मौत हो गई। हादसे से आक्रोशित ग्रामीणों ने नो इंट्री में वाहनों के संचालन का आरोप लगाकर सड़क जाम कर दिया। दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जाम में कई स्कूल बसें फंसने से बच्चे परेशान हुए।

सदर कोतवाली के सहरसपाली निवासी नंदलाल प्रजापति का 13 वर्षीय पुत्र अवनीश प्रजापति गांव के पास निजी स्कूल में कक्षा

आठवीं में पढ़ता था। रोज की तरह सोमवार की सुबह स्कूल जा रहा था। चट्टी के पास सड़क के किनारे बालू रखा हुआ था। बालू सड़क तक फैले होने के कारण अवनीश सड़क से थोड़ा और बढ़कर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही बेकाबू डंपर की चपेट में आ गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। रोते बिलखते परिजन सड़क पर पहुंचे। आक्रोशित परिजनों संग ग्रामीणों ने सड़क व रिंग बांध जाम कर दिया। इसकी खबर लगते ही प्रशासन में खलबली मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने समझा- बुझाकर जाम समाप्त कराया। पुलिस ने शव को पोस्मार्टम के लिए भिजवाया और डंपर को कब्जे में लेकर कोतवाली चली गई।

लोकसभा चुनाव: प्रियंका गांधी के स्पेशल 40 जिताएंगे राहुल और किशोरी लाल को

250 सभाओं का रखा लक्ष्य

लखनऊ , एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी रायबरेली में राहुल गांधी और अमेठी में केएल शर्मा की सियासी सारथी बनेंगी। वह चुनाव नहीं लड़ रही हैं, लेकिन दोनों जगह रिश्तों की डोर मजबूत करेंगी। वह सोमवार सुबह यहां पहुंचते ही बूथ कमेटी की समीक्षा करेंगी। वह नुक्कड़ सभा के साथ ही घर-घर दस्तक देंगी। हालांकि पार्टी की ओर से अभी अधिकृत कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है। लंबे समय तक चली रस्साकशी के बाद अंतिम दिन रायबरेली से राहुल गांधी और अमेठी से केएल शर्मा मैदान में उतर गए हैं। नामांकन के वक्त सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी भी राहुल के नामांकन में शामिल होकर एकजुटता का संदेश दिया। अब इन दोनों सीटों की कमान प्रियंका गांधी को सौंपी गई है। पार्टी की ओर से अभी तक अधिकृत कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है, लेकिन प्रियंका गांधी की 40 सदस्यी टीम रायबरेली पहुंच गई है। यह टीम प्रियंका के चुनाव प्रचार की रणनीति तैयार कर रही। सूत्रों के मुताबिक प्रियंका गांधी सामाजिक न्याय के मुद्दे को आक्रामक तरीके से उठाएंगी। इसके लिए प्रदेशभर से डाटा इकट्ठा किए गए हैं। वह करीब 250 से ज्यादा नुक्कड़ सभा करेंगी। इन सभाओं में स्थानीय मुद्दे भी होंगे और मंच पर मौजूद लोगों को सामाजिक समीकरण की दृष्टि से रखा जाएगा। सूत्रों का यह भी दावा है कि टीम की ओर से तैयार किए गए रोडमैप के तहत वह कुछ इलाके में घर-घर जनसंपर्क करेंगी। इस बीच स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों और दशकों से गांधी परिवार के साथ पारिवारिक संबंध रखने वाले लोगों के घर तक जाएंगी। उनके ठहरने के लिए रायबरेली के एक गेस्ट हाउस में इंतजाम किया जा रहा है।

सूत्रों के मुताबिक प्रियंका गांधी रायबरेली और अमेठी के बूथवार निगरानी करेंगी। इसके लिए पार्टी की ओर से उनकी टीम को दोनों लोकसभा क्षेत्र की कमेटियों की सूची रविवार को सौंप दी गई है। प्रदेश मुख्यालय से सभी कमेटियों को अलर्ट रहने का भी संदेश दिया गया है। वह सोशल मीडिया अभियान पर भी नज़र रखेंगी। उनकी टीम में कई ऐसे विशेषज्ञ भी शामिल हैं, जो फ़ेसबुक, ट्विटर, इंट्राग्राम और व्हाट्स एप पर नजर रखते हुए उनके संचालन के लिए रणनीति तैयार करेंगे। यह रणनीति प्रियंका गांधी के निर्देश के तहत बनेगी। चुनाव के दौरान शाम के वक्त प्रियंका गांधी अलग- अलग संगठनों के लोगों से संवाद करेंगी। इसके लिए रायबरेली और अमेठी के विभिन्न सामाजिक संगठनों की सूची भी इकट्ठा की गई है। वह बार एसोसिएशन और महिला समूहों से भी संवाद करेंगी।

रायबरेली से करेंगी अन्य जगह चुनाव प्रचार

पार्टी सूत्रों के मुताबिक प्रियंका गांधी रायबरेली से ही अन्य राज्यों में कुछ समय के लिए चुनाव प्रचार के लिए जा सकती हैं। वह यहां से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट जैसे नेताओं के निरंतर संपर्क में रहते हुए चुनाव अभियान का संचालन करेंगी।1

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और रायबरेली से पार्टी

उम्मीदवार राहुल गांधी 10 मई के बाद उत्तर प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा ले सकते हैं। वह लखनऊ में सामाजिक न्याय सम्मेलन में हिस्सा लेकर जातीय जनगणना के मुद्दे को धार देंगे। इसकी तैयारी शुरू हो गई है। यह कार्यक्रम विभिन्न सामाजिक संगठनों की ओर से होगा। इसके लिए संभावित तिथि 10 मई मानी जा रही है। हालांकि अभी पार्टी की ओर से अधिकृत कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है। इसी तरह 10 से 20 मई के बीच कन्नौज, बाराबंकी और लखनऊ में सपा- कांग्रेस की संयुक्त जनसभा की भी तैयारी चल रही है। इस जनसभा में राहुल गांधी के साथ प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव मौजूद रहेंगे। इसकी भी संभावना है कि इंडिया गठबंधन से जुड़े अन्य कई नेता भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लें। पार्टी सूत्रों का कहना है कि जनसभा को लेकर भी जगह देखी जा रही है।

रिश्तों की दुहाई देकर तीखी करेंगी सियासी धार

पार्टी के रणनीतिकारों की मानें तो प्रियंका गांधी के रायबरेली में रुकने की कई वजह है। वह यहां रुकर रिश्तों की दुहाई देंगी और इसके जरिए सियासी धार को मजबूत करेंगी। ऐतिहासिक तथ्य देखें तो 1952 से 62 तक फिरोज गांधी, 1962 से 1967 तक आरपी सिंह और फिर पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी ने यहां से रिश्ते मजबूत किए। बीच में एक दौर ऐसा भी आया कि पारिवारिक नजदीकी लोगों को रायबरेली की कमान मिली, लेकिन 1999 में सोनिया गांधी ने फिर इस क्षेत्र की कमान संभाल ली।

लोकसभा चुनाव 2024:

तीसरे चरण के मतदान के लिए कड़ी सुरक्षा

- 59 जोन और 365 सेक्टरों में बांटा गया कमिश्नरेट

आगरा , एजेंसी। आगरा पुलिस प्रशासन ने सात मई को निष्पक्ष मतदान कराने की तैयारी पूरी कर ली है। मतदान कर्मियों को अपने साथ ड्यूटी कार्ड रखना अनिवार्य किया गया है। मतदान केंद्र में कोई भी मोबाइल नहीं ले जा सकेगा। वाहनों को भी 200 मीटर पहले ही रोक दिया जाएगा। 424 क्रिटिकल बूथों पर पुलिस के साथ अर्धसैनिक बल तैनात रहेंगे। पुलिस लाइन में पुलिस आयुक्त जे रविन्दर गौड ने अर्धसैनिक बल, पुलिस, होमगार्ड और पीएसी के अधिकारियों को चुनाव आयोग के दिशानिर्देश से अवगत कराया। कहा कि आगरा कमिश्नरेट को 59 जोन और 365 सेक्टरों में बांटा गया है। 44 थानों में 133 क्लस्टर मोबाइल रहेंगी। इसके अलावा अर्धसैनिक बल और पुलिस की 1-1 क्यूआरटी हर थाना क्षेत्र में

रहेंगी। सोमवार को सुबह 6 बजे से कर्मचारियों की रवानगी बूथों के लिए शुरू हो जाएगी। ईवीएम के साथ फोर्स रहेगा। मोबाइल की चेकिंग गेट पर ही की जाएगी। जो लोग वाहन से आएंगे, उन्हें मतदान केंद्र से 200 मीटर पहले रोक दिया जाएगा। फोर्स को मतदाता के साथ अच्छा व्यवहार करना होगा। बुजुर्ग और महिलाओं को सम्मान देने के लिए कहा गया। कहा गया कि उन्हें किसी तरह की दिक्कत नहीं होने दी जाएगी।

सील रहेंगे बार्डर, शराब की दुकानें बंद

पुलिस आयुक्त ने कहा कि जिले की दूसरे राज्य की सीमा पर बैरियर लगे हैं। इसको सील कर दिया जाएगा। बाहर से आने वालों से पूछताछ की जाएगी। यहां आने का उचित कारण होने पर ही प्रवेश मिलेगा। शराब की दुकानें बंद करा दी गई हैं।

जीपीएस वाली बसों में रहेंगी ईवीएम

424 क्रिटिकल मतदान केंद्र हैं। इनमें 960 बूथ बनाए गए हैं। इन पर पुलिस के साथ अर्धसैनिक बल रहेगा। ईवीएम के साथ फोर्स रहेगा। जीपीएस लगी बसों से ईवीएम को भेजा जाएगा। तीन कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। इसके अलावा भी 4 नए कंट्रोल रूम बनाने की तैयारी है।

दोस्तों ने छात्र को बंधक बना निर्वस्त्र कर पीटा... जलाया, फिर नाजुक अंग में बांध दी ईंट

कानपुर , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के कानपुर से सनसनीखेज खबर सामने आई है। यहां एक छात्र के साथ बर्बरता की हदें पार कर दी गईं। छात्र को यातनाएं दी गईं, वो चीखता रहा, लेकिन दोस्तों का दिल नहीं पसीजा। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, पांडुनगर में रहकर नीट की तैयारी कर रहे छात्रों ने ऑनलाइन गेम में हारे रुपये के विवाद में साथी छात्र को निर्वस्त्र कर बंधक बनाकर जमकर पीटा। जलती लकड़ी से दागकर यातनाएं दीं और फिर नाजुक अंग से ईंट बांधकर लटका दी। इस हैवानियत का वीडियो बनाया और उसे वायरल भी कर दिया। मामला में पुलिस ने केस दर्ज कर दो छात्रों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।

इटावा जिले के लवेदी थानाक्षेत्र में रहने वाले पेट्रोल पंपकर्मी का 17 वर्षीय इंटर पास बेटा 18 अप्रैल को पांडुनगर निवासी गांव के युवकों से मिलने आया था। यहां उसने दोस्तों के साथ बाजी लगाकर ऑनलाइन एविएटर गेम खेला, जिसमें वह 20 हजार रुपये हार गया। युवकों ने रुपये मांगे तो बाद में देने की बात कही।

दो दिन तक रुपये न देने पर 20 अप्रैल को आरोपियों ने उसे कमरे में निर्वस्त्र किया और बंधक बनाकर पीटा। इसके बाद नाजुक अंग से रस्सी बांधकर ईंट लटका दी। इसके बाद नाबालिग को इस शर्त पर छोड़ा कि जल्द रुपये नहीं दिए तो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर देंगे।

जब वह रुपये नहीं दे पाया तो आरोपियों ने वीडियो वायरल कर दिया। वायरल वीडियो जब पुलिस के संज्ञान में आया तो पुलिस ने केस दर्ज कर दो आरोपी छात्रों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि घटना में शामिल रहे चार से पांच अन्य छात्रों की तलाश में टीमें लगी हैं।

फैक्टरी छोटी हो या बड़ी, प्रदूषण विभाग का ये प्रमाण पत्र जरूरी, नहीं तो देना पड़ेगा जवाब

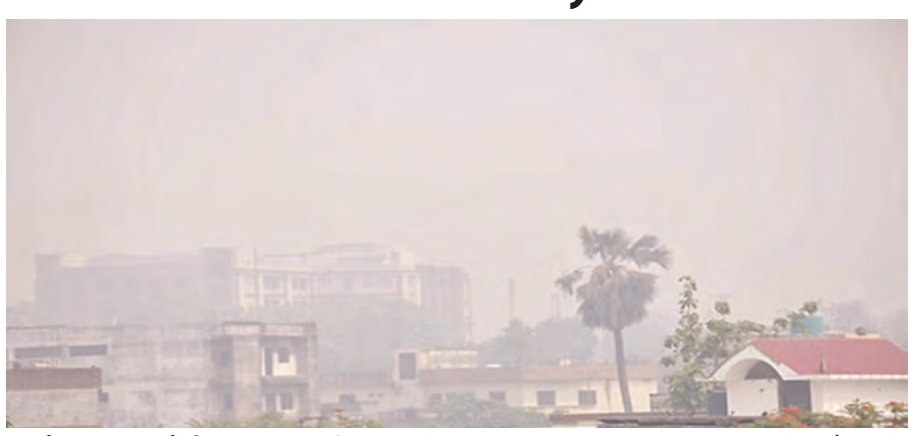

गोरखपुर , एजेंसी। आमी नदी के पानी को प्रदूषण मुक्त रखने के लिए सीईटीपी तो लगेगी ही, सभी फैक्टरियों को भी प्रदूषण नियंत्रण विभाग से एनओसी जरूरी है। गीडा क्षेत्र में लगी करीब 250 फैक्टरियां भी इस नियम के दायरे में हैं।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि फैक्टरी चाहे छोटी हो या बड़ी, उन्हें एनओसी लेना जरूरी है। उनके आवेदन पर फैक्टरी की जांच कर ही यह पता लगाया जा सकता है कि कंपनी से धुआं और प्रदूषित पानी का उत्सर्जन होता है या नहीं। आमी नदी के पानी में फैक्टरियों का जहरीला पानी जाने से इसमें घुलित ऑक्सीजन की मात्रा काफी कम हो गई है। इससे नदी का जलीय पर्यावरण बिगड़ रहा है। उद्योगों से निकले प्रदूषित पानी को आमी नदी में सीधे गिरने से रोकने के लिए अड़िलापार में चार एमएलडी का सीईटीपी लगाने का प्रस्ताव है। इससे संबंधित सर्वे के दौरान यह जानकारी मिली कि गीडा क्षेत्र में पिछले पांच साल में तमाम ऐसी नई फैक्टरियों लगी हैं, जिनकी प्रदूषण नियंत्रण विभाग से एनओसी ही नहीं ली गई है। इसके बाद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय से ऐसी 300 फैक्टरियों को नोटिस जारी कर एनओसी लेने का निर्देश दिया गया।

प्रदूषण सूचकांक से तय होती है श्रेणी

किसी भी औद्योगिक क्षेत्र का प्रदूषण सूचकांक या पीआई 0 और 100 के बीच की एक संख्या है। बढ़ता पीआई मान उस क्षेत्र से उच्च प्रदूषण भार को दर्शाता है। औद्योगिक क्षेत्रों के लिए प्रदूषण सूचकांक के आधार पर उनका वर्गीकरण किया जाता है।

ये है वर्गीकरण की श्रेणी

श्वेत श्रेणी : इस श्रेणी के उद्योगों को निम्न या गैर-प्रदूषणकारी के रूप में वर्गीकृत किया गया है। श्वेत श्रेणी के उद्योगों का प्रदूषण सूचकांक 0 से 20 के बीच होता है। **हरित श्रेणी :** इस श्रेणी के उद्योग का प्रदूषण सूचकांक 21 से 40 के बीच होता है। ये प्रदूषणकारी उद्योग माने जाते हैं, लेकिन मध्यम स्तर पर जो स्वस्थ मानव के लिए हानिकारक नहीं होते हैं।

ऑरेंज श्रेणी : इस श्रेणी में वे उद्योग शामिल हैं, जिनका प्रदूषण सूचकांक 41 से 59 के प्रदूषण स्कोर के बीच है। इस श्रेणी के अंतर्गत आने वाले उद्योग पर्यावरण में उच्च स्तर के प्रदूषक उत्सर्जित करते हैं।

लाल श्रेणी : इस श्रेणी के उद्योग जहरीले और खतरनाक कचरे का उत्सर्जन करते हैं। इनका प्रदूषण सूचकांक स्कोर 60 से अधिक होता है।

यूपी का मौसम: प्रदेश में लू जैसे हालात

कानपुर और प्रयागराज में पारा 44 के पार, आज से मौसम बदलने के संकेत

लखनऊ, एजेंसी। मौसम बदलने के इंतजार के बीच रविवार का दिन गर्म हवा के थपेड़ों को झेलते हुए बीता। बहराइच में लू चली, वहीं प्रदेश के कुछ इलाकों को छोड़ दें तो तेज गर्म हवा के झोंकों ने लोगों को परेशान किया। कानपुर में अधिकतम पारा 44.3 डिग्री जबकि प्रयागराज में 44.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इसके अलावा वाराणसी में 43.9, बहराइच में 43.2, सुल्तानपुर में 43, हरदोई में 42, इटावा में 42, चुर्क में 42.1, झांसी में 42.5 और लखनऊ में पारा 42.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किय गया।

वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक दिन के पारे में सामान्य से 5.4 डिग्री तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। दिन की तुलना में रात को कुछ राहत रही, पारा सामान्य से कम बना हुआ है। मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक, सोमवार से गोरखपुर के आसपास मौसम में बदलाव होने के आसार हैं। सोमवार को देर रात पूर्वी उत्तर प्रदेश में एक दो स्थानों पर बौछारें पड़ सकती हैं।

तपती चुभती गर्मी ने किया बेहाल: सूबे में दूसरा गर्म शहर रहा आगरा, 44 डिग्री सेल्सियस पहुंचा पारा- आगरा आगरा में मई के पहले सप्ताह में ही प्रचंड गर्मी का आगाज हो गया है। रविवार को सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। अधिकतम तापमान 44 डिग्री पहुंच जाने से आगरा प्रदेश में दूसरा सबसे गर्म शहर रहा। दोपहर दो बजते-बजते सड़कों पर सन्नाटा पसर गया। हालांकि कुछ राजनीतिक रैलियों में भीड़ रही लेकिन इसमें भी एसी वाहनों की संख्या बहुतायत थी। गर्मी ने अपने तेवर मार्च के अंतिम सप्ताह से ही दिखाने शुरू कर दिए थे। अप्रैल में अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। इससे आगे गर्मी ज्यादा पड़ने का अंदाज हो गया था। रविवार को सुबह 8 बजे से सूर्य की तपिश तेज हो गई। 10 बजे तक सूरज की किरणें तन झुलसाने लगीं तो दोपहर 12 बजे करीब लू के थपेड़ों ने लोगों को परेशान किया। आमतौर पर छुट्टी के दिनों में बाजार में नजर आने वाली भीड़ नदारद रही। गर्मी के तेवर देख लोगों ने घरों में रहना ही बेहतर समझा। दोपहर 2 बजे के करीब प्रमुख सड़कों पर सन्नाटा पसर गया। धूप की तीव्रता का अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि ट्रैफिक लाइट पर 30 से 60 सेकंड का समय काटने में भी दोपहिया वाहन चालकों को चक्कर महसूस होने लगे। रविवार को सीजन का सबसे गर्म दिन रहा।

प्रेम विवाह के 19 साल बाद आया ससुराल, साले ने कर दी हत्या; बीमार सास को देखने आया था जाकिर

बरेली , एजेंसी। बरेली के बारादरी थाना क्षेत्र में रविवार शाम को एक युवक की हत्या हो गई। प्रेम विवाह के 19 साल बाद पहली बार ससुराल में बीमार सास को देखने आए जाकिर हुसैन की साले सैयद अली ने सीने में चाकू घोंपकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस तलाश में जुटी है। हजियापुर निवासी राशिद खान ने बताया कि भाई जाकिर खान ने वर्ष 2005 में मोहल्ले की बेबी से प्रेम-विवाह किया था। बेबी का भाई शाहिद इसका विरोध कर रहा था। शादी के बाद से दोनों परिवारों में बोल-चाल और आवाजाही बंद थी। चार महीने से शाहिद की मां कब्बू बीमार हैं। तब से उनकी भाभी बेबी कभीकभार मायके जाने लगीं।

रविवार दोपहर बेबी ने जिद की तो जाकिर भी उसके साथ बीमार सास को देखने पहुंच गए। इस दौरान शाहिद ने जाकिर से लड़ाई शुरू कर दी। छत से चाकू लाकर उसने उसे जाकिर के सीने में घोंप दिया। जाकिर ने चाकू पकड़ने की कोशिश की तो उनका हाथ भी जख्मी हो गया।

- **सास को जाकिर ने ही दिलाया था खून-** मौके पर पहुंचकर इंस्पेक्टर बारादरी अमित पांडेय ने स्थानीय लोगों से बात की। पता लगा कि बेबी की मां की तबीयत खराब होने के बाद दोनों परिवारों में बोलचाल शुरू हो गई थी। वह अस्पताल में भर्ती थीं तो जाकिर ने इलाज में काफी मदद की। दो दिन पहले उन्हें खून चढ़ाया जाना था तो जाकिर ने ही दोस्तों की मदद से व्यवस्था कराई थी।
- **ससुराल जाने से किया था इन्कार-** जाकिर ने ससुराल जाने से मना भी किया था लेकिन बेबी ने कहा कि उन्हें जाना चाहिए। शुरू में बेबी ने यह भी आरोप लगाया कि शाहिद की पत्नी ने ही छत से चाकू लाकर उसे दिया और हमले के लिए उकसाया। हालांकि, प्रारंभिक जांच में इसकी पुष्टि नहीं हुई। एसपी सिटी राहुल भाटी ने बताया कि आरोपी शाहिद को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

कंगाल पाकिस्तान झेल रहा महंगाई की मार, कराची में फिर बढ़े दूध के दाम; अब इतने रुपये लीटर बिक रहा

कराची , एजेंसी। वित्तीय संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के कराची में अब दूध 210 रुपये (पाकिस्तानी) प्रति लीटर पर बिकने लगा है। एआरवाई न्यूज के अनुसार, कराची आयुक्त ने डेयरी फार्मर्स एसोसिएशन की मांग मानते हुए कीमतों में 10 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की है। इससे पहले दूध के दाम में 50 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि किए जाने का अनुमान था। पहले से ही महंगाई की मार झेल रहे लोगों पर इस कीमत वृद्धि की मार पड़ी है। डेयरी फार्मर्स कराची के अध्यक्ष मुबाशर कादीर अब्बासी के अनुसार, कराची के लोगों के लिए जल्दी ही 50 रुपये की वृद्धि होने का अनुमान है। अब्बासी ने दुग्ध उत्पादन खर्च बढ़ जाने का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की उदासीनता इस वृद्धि के लिए जिम्मेदार कारक है। उन्होंने कहा कि यदि अधिकारियों ने 10 मई तक वृद्धि की घोषणा नहीं की तो उस स्थिति में भागीदार मामले को अपने हाथों में ले लेंगे और सहमति के बाद कीमत बढ़ाएंगे।

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में हिटलर की एंट्री, ट्रम्प ने बाइडन पर लगा दिए गंभीर आरोप

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर उम्मीदवारों में बयानबाजी तेज हो गई है। इसी क्रम में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का एक बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने वर्तमान राष्ट्रपति पर गंभीर आरोप लगाया है। ट्रम्प ने आरोप जो बाइडन की रणनीति की तुलना हिटलर के गेस्टापो से करते हुए आरोप लगाया कि डेमोक्रेटिक उत्तराधिकारी ने उनके खिलाफ अमेरिकी न्याय प्रणाली को हथियार बना लिया है। एक दानकर्ता द्वारा अमेरिकी मीडिया को उपलब्ध कराई गई रिकॉर्डिंग के अनुसार, रिपब्लिकन 2024 के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ने फ्लोरिडा में अपने मार-ए-लागो रिसॉर्ट में पार्टी के शीर्ष नेताओं और धनी दानदाताओं के साथ शनिवार को एक निजी बैठक के दौरान यह टिप्पणी की। गेस्टापो टिप्पणी ट्रम्प की कई अन्य विवादित टिप्पणियों के बाद आई है। आलोचकों ने इसे खतरनाक और भड़काऊ कहा है। ट्रम्प पहले भी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को कीड़े और अप्रवासियों की तुलना जानवरों से कर चुके हैं। पोलिटिको के अनुसार, मार-ए-लागो में उनकी टिप्पणियों पर वहां बैठे लोगों ने जोरदार तालियां बजाईं, जिसमें कई संभावित उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार भी शामिल थे। उन्होंने उन अभियोजकों पर फिर से हमला बोला, जिन्होंने उनके खिलाफ चार अलग-अलग अदालती मामले लाए हैं, जिनमें अब न्यूयॉर्क में चल रहा हश मनी केस भी शामिल है। व्हाइट हाउस ने रविवार को ट्रम्प की टिप्पणियों की निंदा की और कहा कि कानूनी मामलों में उनकी किसी भी तरह की संलिप्तता नहीं है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता एंड्रयू बेट्स ने कहा, फासीवादियों की भयावह बयानबाजी, नव नाजियों के साथ लंच करने और बहादुर पुलिस अधिकारियों की जान लेने वाले षडयंत्र सिद्धांतों को हवा देने के बजाय राष्ट्रपति बिडेन अमेरिकी लोगों को हमारे साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और कानून के शासन के आसपास एक साथ ला रहे हैं। बाइडन के अभियान में शामिल नेताओं की ओर से भी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन की इन टिप्पणियों ने यह पुष्टि कर दी है और हम पहले से ही जानते थे कि ट्रम्प का अभियान सिर्फ उनके बारे में है। उनके रोष, उनके बदले, उनके झूठ को लेकर है।

अमेरिका में 'व्हाइट हाउस के दरवाजे से टकराया वाहन, चालक की मौत

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस के एक द्वार से शनिवार रात एक वाहन के टकरा जाने के कारण चालक की मौत हो गई। कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस मामले की जांच ''केवल एक यातायात दुर्घटना के रूप में की जा रही है और राष्ट्रपति के आवास को कोई खतरा नहीं है। अमेरिकी खुफिया सेवा ने एक बयान में बताया कि 'व्हाइट हाउस परिसर की बाहरी परिधि के एक द्वार से रात लगभग साढ़े दस बजे एक वाहन टकरा गया और इस दुर्घटना के बाद चालक वाहन में मृत पाया गया। वाशिंगटन मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग (एमपीडी) ने कहा कि वाहन 'फिफटींथ स्ट्रीट और पेंसिल्वेनिया एवेन्यू एनडब्ल्यू के चौराहे पर एक सुरक्षा अवरोधक से टकरा गया। पुलिस ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक बयान में कहा, ''एमपीडी की प्रमुख दुर्घटना जांच इकाई इस घटना की जांच अभी केवल एक यातायात दुर्घटना के रूप में कर रही है। एजेंसी ने कहा कि सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया गया है।

अल जजीरा की रिपोर्टिंग से नेतन्याहू नाराज

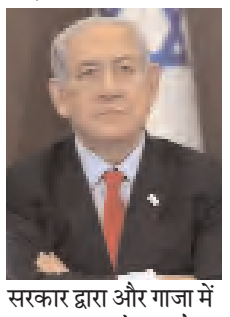

यरुशलम , एजेंसी। इजरायल ने कतर के स्वामित्व वाले मीडिया चैनल अल जज़ीरा के स्थानीय कार्यालयों को बंद करने का फैसला किया है। प्रधानमंत्रीन बेंजामिन नेतन्याहू की कैबिनेट ने रविवार को इजराइल में अल जज़ीरा के स्थानीय कार्यालयों को गाजा में युद्ध जारी रहने तक बंद करने का फैसला किया है। नेतन्याहू की कैबिनेट ने फैसले के पीछे तर्क दिया कि कतरी टेलीविजन नेटवर्क से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा है। वहीं, अल जज़ीरा ने इस कदम को आपराधिक कार्रवाई कहा है और इस आरोप को खारिज कर दिया कि टेलीविजन नेटवर्क से इजरायली सुरक्षा को खतरा है। चैनल ने कहा कि यह एक खतरनाक और हास्यास्पद झूठ है जो उसके पत्रकारों के खिलाफ फैलाया जा रहा है। चैनल ने कहा कि उसके पास इस मामले को लेकर हर कानूनी कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित है। वहीं, इजरायली उपग्रह और केबल टेलीविजन प्रदाताओं ने सरकार के फैसले के बाद अल जज़ीरा के प्रसारण को बंद कर दिया। संचार मंत्रालय ने कहा कि स्टेशन पर पुलिस छापेमारी चल रही है। चैनल को वित्त पोषित किया गया है, और कतरी

सरकार द्वारा और गाजा में इजरायल के सैन्य अभियान की आलोचना की गई है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार ने कतर के स्वामित्व वाले प्रसारक अल जजीरा के स्थानीय कार्यालय को बंद करने के लिए सर्वसम्मति से मतदान किया है। इजराइल-हमास के युद्ध के दौरान इजराइल और चैनल के बीच संबंध में और ज्यादा खटास पैदा हुई है। बता दें कि नेतन्याहू सरकार ने यह फैसला ऐसे समय में लिया है जब हमास के साथ संघर्ष विराम से जुड़ी बातचीत कतर में तेजी पकड़ रही है। न्यूज एजेंसी एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू के ऑफिस ने एक बयान में कहा कि यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू होगा। फैसले के तहत इजरायल में चैनल के ऑफिस को बंद करना, उसके प्रसारण उपकरण जब्त करना, चैनल की रिपोर्ट का प्रसारण रोकना और उसकी वेबसाइट को ब्लॉक करना शामिल हो सकता है।

पुतिन ने नए कार्यकाल की मंगलवार को होगी शुरुआत

मास्को , एजेंसी। रूस के नेता के रूप में व्लादिमीर पुतिन मंगलवार को असाधारण शक्ति वाले राष्ट्रपति के रूप में एक और छह साल का कार्यकाल शुरू करेंगे। पुतिन अगले कार्यकाल में क्या करेंगे, इस पर देश और विदेश दोनों की नजर है। सिरैक्यूज विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और द कोड आफ पुतिनिज्म के लेखक ब्रायन टेलर ने कहा कि यूक्रेन में युद्ध उनकी वर्तमान राजनीतिक परियोजना के केंद्र में है और मुझे ऐसा कुछ नहीं दिख रहा है, जिससे लगे कि इसमें बदलाव आएगा। यह बाकी सब चीजों को प्रभावित करता है। जैसे कौन से संसाधन उपलब्ध हैं।

पुतिन कहीं और नया हमला करने की कोशिश करें : उन्होंने कहा कि यदि युद्ध किसी भी पक्ष की पूर्ण हार से कम में समाप्त होता है और रूस पहले से कब्जा किए कुछ क्षेत्रों को बरकरार रखता है, तो यूरोपीय देशों को डर है कि पुतिन को बाल्टिक या पोलैंड में सैन्य कार्रवाई के लिए प्रोत्साहित करेगा। यह संभव है कि पुतिन कहीं और नया हमला करने की कोशिश करें। यह भी संभावना है कि उनकी महत्वाकांक्षाएं रूस द्वारा भारी कीमत पर जीत से आगे न बढ़े।

पर्थ में नाबालिग ने शख्स को मारा चाकू, पुलिस ने हमलावर को किया ढेर, मुस्लिम समुदाय ने इस बात पर जताई थी चिंता : मेलबर्न , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में एक शख्स को चाकू मारने वाले 16 वर्षीय किशोर को पुलिस ने मार गिराया। यह घटना शनिवार रात विलेटन में एक हार्डवेयर स्टोर की पार्किंग में हुई। किशोर ने शख्स पर चाकू से हमला बोला और पुलिस अधिकारियों की ओर हमला करने के लिए बढ़ा। घायल 30 वर्षीय शख्स की पीठ पर चाकू से वार किया गया था। उसे गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। ऐसे संकेत हैं कि किशोर कट्टरपंथी था। पश्चिमी ऑस्ट्रेलियाई पुलिस आयुक्त कर्नल ब्लैंच ने कहा कि रात 10 बजे के आसपास पुलिस को आपातकालीन फोन कॉल आया। एक किशोर ने कहा कि वह हिंसा की वारदातें करने जा रहा है। मुस्लिम समुदाय ने लड़के के व्यवहार को लेकर चिंता जताई उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कहना चाहता कि उसे कट्टरपंथी बना दिया गया, क्योंकि मुझे लगता है कि यह जांच का हिस्सा है। ब्लैंच ने कहा कि स्थानीय मुस्लिम समुदाय के सदस्यों ने शनिवार को मारे जाने से पहले लड़के के व्यवहार के बारे में पुलिस के सामने चिंता जताई थी। चर्च में बिशप पर किए गए हमले की जांच जारी वहीं, सिडनी में 15 अप्रैल को 16 वर्षीय किशोर की ओर से चर्च में बिशप पर किए गए हमले की जांच जारी है। उस लड़के पर आतंकवादी कृत्य का आरोप लगा है। उसके छह कथित सहयोगियों पर भी आतंकवादी कृत्य में शामिल होने या साजिश रचने सहित कई अपराधों का आरोप है।

This may be published in Newspapers and TV form the day following the last date forwithdrawal of candidature and upto two days before the date of poll

Format C-2
(for candidate to publish in Newspapers, TV)

Declaration about criminal cases

"(As per the judgment dated 25th September 2018, of Hon'ble Supreme Court in WP (Civil) No.536 of 2011 (Public Interest Foundation & Ors. Vs Union of India & Anr.)"

Name of Political Party : **BHARATIYA JANATA PARTY**

*Name of Election : **LOKSABHA- 2024**

Name of State/UT : **JHARKHAND**

1	2	3	4		5		
Sl. No.	Name of Constituency	Name of Candidate	(A) Pending criminal cases		(B) Details about cases of conviction for criminal offences		
			Name of Court, case no. & status of the case (s)	Sections of the Acts concerned & brief description of offence(s)	Name of Court & date(s) of order(s)	Description of offence(s) & punish-ment imposed	**Maximum Punishment Imposed**
1	**CHATRA**	**KALI CHARAN SINGH**	**CJM ChatraSadar PS Case no. 195/2022 Pending**	**Sec. 13 of JMMC Act 2017, 21, 21 of MMDR Act 1957, 37 and 38 of Air Prevention and Control of Pollution Act 1981**			

"*In the case of election to Council of States or election to Legislative Council by MLAs, mentionthe election concerned in place of name of constituency."

This may be published in Newspapers and TV form the day following the last date forwithdrawal of candidature and upto two days before the date of poll

Format C-2
(for candidate to publish in Newspapers, TV)

Declaration about criminal cases

(As per the judgment dated 25th September 2018, of Hon'ble Supreme Court in WP (Civil) No.536 of 2011 (Public Interest Foundation & Ors. Vs Union of India & Anr.)

Name of Political Party : **BHARATIYA JANATA PARTY**

*Name of Election : **LOKSABHA- 2024**

Name of State/UT : **JHARKHAND**

1	2	3	4		5		
Sl. No.	Name of Constituency	Name of Candidate	(A) Pending criminal cases		(B) Details about cases of conviction for criminal offences		
			Name of Court, case no. & status of the case(s)	Sections of the Acts concerned & brief description of offence(s)	Name of Court & date(s) of order(s)	Description of offence(s) & punish-ment imposed	**Maximum Punishment Imposed**
1	**HAZARIBAGH**	**MANISH JAISAWAL**	**Sri Sushil Kumar Pingua, (Now S.S. Minz) JM Hazaribagh Katkamdag PS Case no. 131/2021 Pending**	**U/S 147, 149, 323, 341, 325, 337, 379 IPC.**			
2			**Miss Arpita Narayan (MP/MLA) CourtSadar PS Case no. 380/21 Pending**	**U/S 188 IPC, 51 Disaster Management Act 2005 and 3 Jharkhand State Epidemic (Covid-19) Act 2020.**			

*In the case of election to Council of States or election to Legislative Council by MLAs, mentionthe election concerned in place of name of constituency.

संक्षिप्त समाचार

मायावती ने फेक वीडियो पर किया सावधान, फ्री राशन के बदले वोट पर बीजेपी को घेरा

लखनऊ, एजेंसी। बसपा सुप्रीमो मायावती ने बीजेपी पर हमलावर दिखीं। मायावती ने फ्री राशन के बदले वोट पर बीजेपी को घेरा। साथ ही फेक वीडियो पर लोगों को सावधान किया। उन्होंने कहा कि कुछ अराजकतत्व उनका फेक वीडियो बनाकर चलवा रहे हैं, इससे सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने शनिवार को एक्स पर लिखा है कि आगरा की चुनावी जनसभा सहित अपनी सभी जनसभाओं में केन्द्र द्वारा थोड़ा फ्री राशन देकर वोट मांगने की चुनावी चाल की निन्दा करती हूं। उन्होंने कहा है कि यह कोई उपकार नहीं बल्कि यह लोगों के टैक्स का ही धन है जो जनता पर खर्च हो रहा है। अत: ऐसे हथकण्डों से सावधानी जरूरी है, फिर भी अब इसको लेकर पूरी तरह से गलत व फेक वीडियो बनाकर भाजपा के पक्ष में प्रचारित करने का बेहद अनुचित राजनीतिक प्रयास किया जा रहा है। इसके सम्बंध में पुलिस व चुनाव आयोग को भी तत्काल सख्त कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए। राशन, मोदी या भाजपा की जेब से नहीं मिलता इससे पहले शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने आगरा की जनसभा में पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा सियासी हमला किया। गरीबों को मुफ्त राशन का जिक्र करते हुए कहा कि आपके टैक्स के रुपये से ही फ्री में थोड़ा सा राशन मिलता है। यह राशन, मोदी या भाजपा की जेब से नहीं मिलता। इसलिए जब भाजपा और आरएसएस के लोग आएं और नमक का कर्ज याद दिलाएं तो आप उनके बहकावे में न आएं। आरक्षण की बातें करने वाले भाजपा और कांग्रेस दोनों ही इसके विरोधी हैं। उन्होंने कहा कि यदि ईवीएम ठीक रहीं तो इनकी कोई गारंटी और जुमलेबाजी काम नहीं आएगी। बसपा प्रमुख शनिवार को कोठी मीना बाजार मैदान में आगरा, फतेहपुरसीकरी और हाथरस के पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहीं थीं।

यूपी के दो वकीलों ने पसंदीदा उम्मीदवारों पर लगाया दो लाख रुपये का दांव

बदायूं, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में दो वकीलों ने लोकसभा चुनाव लड़ने वाले अपनी पसंदीदा पार्टियों के उम्मीदवारों पर दो लाख रुपये का दांव लगाया है। उन्होंने उम्मीदवार की जीत के आधार पर एक-दूसरे को दो लाख रुपये देने का वादा किया है। वकीलों ने दस रुपये के स्टांप पेपर पर एक शपथ पत्र (हलफनामा) पर हस्ताक्षर भी किया है। शपथ पत्र में शर्तें बताई गई हैं। यह सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दिवाकर वर्मा और सतेंद्र पाल दोनों पेशे से वकील हैं। दोनों के बीच 10 रुपये के स्टांप पर करार हुआ है। वायरल शपथ पत्र के मुताबिक, यदि भाजपा प्रत्याशी दुर्विजय शाक्य जीतेंगे तो सतेंद्र पाल दिवाकर को दो लाख रुपये देंगे। राशि का भुगतान 15 दिन के अंदर नकद करना होगा। अगर सपा प्रत्याशी आदित्य यादव जीतते हैं तो दिवाकर 15 दिन के अंदर सतेंद्र को दो लाख रुपये नकद देंगे। शपथ पत्र पर दो गवाहों के हस्ताक्षर भी हैं। इसमें आगे यह भी कहा गया है कि यदि चुनाव में किसी भी तरह की धांधली हुई तो यह करार रद्द माना जाएगा। यह पहली बार है कि शपथ पत्र के जरिए उम्मीदवारों पर दांव लगाया गया है। बदायूं लोकसभा सीट पर सात मई को मतदान होना है।

अमेठी से नहीं मिला टिकट, रॉबर्ट वाड्रा ने फेसबुक पर लिखा भावुक पोस्ट

अमेठी, एजेंसी। चुनाव से पहले चर्चा थी कि इस बार रॉबर्ट वाड्रा कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ सकते हैं। कांग्रेस ने रायबरेली और अमेठी की सीट पर प्रत्याशियों का ऐलान करने में भी खासी देरी की। रायबरेली सीट पर राहुल गांधी तो अमेठी सीट पर कांग्रेस के करीबी किशोरी लाल शर्मा को टिकट दिया गया है। इसी बीच रॉबर्ट वाड्रा ने फेसबुक पर भावुक पोस्ट किया है। बता दें कि अमेठी का फैसला राजनीतिक पंडितों के लिए भी चौकाने वाला था। फेसबुक पर किए गए पोस्ट में रॉबर्ट वाड्रा ने लिखा, राजनीति की कोई भी शक्ति, पद हमारे परिवार के बीच नहीं आ सकती। हम सभी अपने महान राष्ट्र की जनता और जनता की बेहतरी के लिए हमेशा काम करेंगे, करेंगे और करते रहेंगे। आपके समर्थन और शुभकामनाओं के लिए सभी को धन्यवाद। मैं सदैव अपनी जनसेवा के माध्यम से यथासंभव लोगों की मदद करूंगा। बता दें कि रॉबर्ट वाड्रा कई बार अमेठी से चुनाव लड़ने की इच्छा जता चुके हैं। अमेठी से प्रत्याशी के ऐलान के बाद यह रॉबर्ट वाड्रा की पहली प्रतिक्रिया है। बता दें कि रॉबर्ट वाड्रा ने सक्रिय राजनीति में आने का इरादा जताया था। कयास थे कि अगर अमेठी से उन्हें टिकट भी दिया जा सकता है।

लद्दाख लोकसभा सीट से पांच उम्मीदवार मैदान में, तीन नामांकन खारिज

लद्दाख, एजेंसी। लद्दाख लोकसभा सीट पर नामांकन पत्रों की जांच के दौरान शनिवार को राष्ट्रीय दलों के दो कवरिंग उम्मीदवारों और एक निर्दलीय प्रत्याशी का नामांकन खारिज कर दिया गया। रिटर्निंग अधिकारी ने यह जानकारी दी। रिटर्निंग अधिकारी संतोष सुखदेव ने बताया कि नामांकन खारिज किये जाने के कारण केवल पांच उम्मीदवार मैदान में बचे हैं। लोकसभा चुनाव के पांचवे चरण में लद्दाख लोकसभा सीट पर 20 मई को मतदान होगा, जहां 1.82 लाख से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख छह मई है। कवरिंग उम्मीदवार ऐसे प्रत्याशी होते हैं जो मुख्य उम्मीदवार के विकल्प के तौर पर नामांकन करते हैं। नामांकन पत्रों की जांच के बाद पांच उम्मीदवारों के नामांकन पत्र वैध पाए गए।

अलग-अलग लड़ रही सपा बसपा, एनडीए का कुनबा भी बढ़ा; यूपी में फायदे में भाजपा

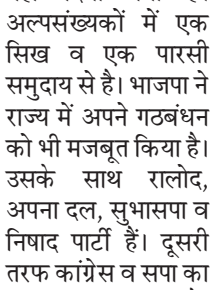

लखनऊ , एजेंसी। केंद्र में सरकार बनाने के लिए लिए हर दल के लिए सबसे अहम राज्य उत्तर प्रदेश ही है। यहां लोकसभा की कुल 80 सीटें हैं। इसलिए सभी दल यूपी के समीकरण को दुरुस्त करके ही मैदान में उतरना चाहती है। यही वजह है कि एक-दूसरे की अक्सर खिलाफत करने वाली कांग्रेस और सपा ने अंतिम मौके पर गठबंधन किया। बीजेपी की बात करें तो लोकसभा चुनावों में बड़ा लक्ष्य लेकर चल रही है। भगवा पार्टी ने देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में अभी तक की सबसे बड़ी जीत की तैयारी कर रखी है। पार्टी ने उम्मीदवार तय करने में सभी सामाजिक व राजनीतिक समीकरणों को साधा है और मजबूत गठबंधन भी तैयार किया है। राज्य की 80 सीटों में भाजपा खुद 75 सीटों पर पांच सीटों पर सहयोगी रालोद (तीन) व अपना दल (दो) सीटों पर चुनाव लड़ रहा है।

जाति समीकरण साधने की कोशिश

भाजपा ने उत्तर प्रदेश के अपने सभी उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। भाजपा ने सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए 34 सीटों पर ही सामान्य वर्ग के उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि ओबीसी समुदाय से 25 व अनुसूचित जाति से 16 उम्मीदवार है। इनमें भी जातीय समीकरणों को ध्यान में रखा गया है। पार्टी ने राजपूत व ब्राह्मण वर्ग से बराबर बराबर 13-13 उम्मीदवार उतारे हैं। ओबीसी में भी सबसे ज्यादा छह कुर्मी, चार लोध, तीन जाट व तीन निषाद व अन्य समुदाय शामिल किए गए हैं। दलित वर्ग में सबसे ज्यादा छह पासी, तीन खटीक वर्ग से उम्मीदवार उतारे गए हैं। रालोद के साथ आने से फायदा सूत्रों के अनुसार भाजपा की रणनीति राज्य के सभी प्रमुख समुदायों को साधने की है। इसके अलावा जो समुदाय पूरी तरह से उसके खिलाफ ही जाने हैं उनको पार्टी ने दूर रखा है। यहां से एक भी मुसलमान को टिकट नहीं दिया गया है। अल्पसंख्यकों में एक सिख व एक पारसी समुदाय से है। भाजपा ने राज्य में अपने गठबंधन को भी मजबूत किया है। उसके साथ रालोद, अपना दल, सुभासपा व निषाद पार्टी हैं। दूसरी तरफ कांग्रेस व सपा का इंडिया गठबंधन है। बसपा अलग चुनाव लड़ रही है। सूत्रों के अनुसार इस बार कई सीटों पर बसपा हार जीत में बड़ा फैक्टर हो सकती है। इससे किसे लाभ मिलेगा, साफ नहीं है, लेकिन भाजपा का मानना है कि वह ज्यादा लाभ में रहेगी। पिछले चुनाव में सपा व बसपा मिल कर लड़े थे। तब भाजपा 62 सीटें ही जीत पाई थी।

भाजपा जानती है कि उत्तर प्रदेश की बड़ी लीड बहुमत के साथ उसके अपने लोकसभा के लक्ष्य 370 के पास उसे ले जाने के लिए बहुत जरूरी है। इसलिए वह यहां पर एक-एक सीट को जीतने के लिए वहां के सामाजिक समीकरणों को जोड़ने में लगी है। चुनाव अभियान व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तावड़तोड़ रैली व रोड शो अलग से हैं।

राजस्थान के 9 जिलों में जारी किया हीटवेव का अलर्ट

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में मौसम ने पलटी मारी है। प्रदेश में अब गर्मी सताएगी। राज्य के कई जिलों में दिन का पारा 45 डिग्री तक पहुंचेगा। मौसम विभाग ने इसका अलर्ट जारी कर दिया है। मौसम विभाग के अनुसार आगामी 2-3 दिनों में अधिकतम तापमान में और दो से तीन डिग्री सेल्सियस बढ़ोतरी होने की संभावना है। 7 मई को पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं अधिकतम तापमान 44- 45 डिग्री सेल्सियस दर्ज होगा और जोधपुर, बीकानेर संभाग में कहीं कहीं हीटवेव की संभावना है।इसी प्रकार 8 मई को जैसलमेर, जोधपुर, बाड़मेर, नागौर, बीकानेर, चूरू, झुंझुनू, कोटा, बारां जिलों में कहीं-कहीं हीटवेव की संभावना है। इधर, शनिवार को प्रदेश में दिन का पारा 42 डिग्री तक पहुंच गया। नौ शहरों में दिन का तापमान 41 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया। सर्वाधिक तापमान गंगानगर में 42.4 डिग्री दर्ज किया गया।दिन के साथ ही रात के पारे में भी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। राज्य में रात के पारे में 11 डिग्री तक बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। मौसम केन्द्र के अनुसार सबसे अधिक रात का पारा जालौर में 29 डिग्री तक पहुंच गया। यहां बीते 24 घंटे में 11 डिग्री तक बढ़ोतरी हुई। इस बीच मौसम विभाग ने एक राहत भरा अलर्ट जारी किया है। दरअसल मौसम विभाग के अनुसार 5 मई को जोधपुर और बीकानेर संभाग में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। इसके बाद 9 मई को जयपुर, अजमेर और भरतपुर संभाग में बारिश हो सकती है। वहीं राजस्थान के कुछ पश्चिमी हिस्सों में शुक्रवार से नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इस दौरान पश्चिमी राजस्थान में मेघगर्जना के साथ हल्की बारिश और बूंदाबांदी होने की संभावना है। इसके अलावा पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में 7-8 मई को भी कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है।

This may be published in Newspapers and TV form the day following the last date forwithdrawal of candidature and upto two days before the date of poll

Format C-2

(for candidate to publish in Newspapers, TV)

Declaration about criminal cases

(As per the judgment dated 25th September 2018, of Hon'ble Supreme Court in WP (Civil) No.536 of 2011 (Public Interest Foundation & Ors. Vs Union of India & Anr.)

Name of Political Party : **BHARATIYA JANATA PARTY**

*Name of Election : **GANDEY ASSEMBLY SEAT BYE-ELECTION- 2024**

Name of State/UT : **JHARKHAND**

1	2	3	4		5		
Sl. No.	Name of Constituency	Name of Candidate	(A) Pending criminal cases		(B) Details about cases of conviction for criminal offences		
			Name of Court, case no. & status of the case (s)	Sections of the Acts concerned & brief description of offence(s)	Name of Court & date(s) of order(s)	Description of offence(s) & punish-ment imposed	**Maximum Punishment Imposed**
1	**GANDEY**	**DILIP KUMAR VERMA**	**Smt. Saqiua Koshar J.M. 1st Class Giridih GRD(T) P.S. 161/2021 Pending**	**U/S 188, 269 of IPC and 51 of Disaster Management Act. allegation for par-ticipating in a Public Protest against State Government**			

*In the case of election to Council of States or election to Legislative Council by MLAs, mentionthe election concerned in place of name of constituency.

This may be published in Newspapers and TV form the day following the last date forwithdrawal of candidature and upto two days before the date of poll

Format C-2

(for candidate to publish in Newspapers, TV)

Declaration about criminal cases

(As per the judgment dated 25th September 2018, of Hon'ble Supreme Court in WP (Civil) No.536 of 2011 (Public Interest Foundation & Ors. Vs Union of India & Anr.)

Name of Political Party : **BHARATIYA JANATA PARTY**

*Name of Election : **LOKSABHA- 2024**

Name of State/UT : **JHARKHAND**

1	2	3	4		5		
Sl. No.	Name of Constituency	Name of Candidate	(A) Pending criminal cases		(B) Details about cases of conviction for criminal offences		
			Name of Court, case no. & status of the case(s)	Sections of the Acts concerned & brief description of offence(s)	Name of Court & date(s) of order(s)	Description of offence(s) & punish-ment imposed	Maximum Punishment Imposed
1	**Kodarma**	**Annpurna Devi**	**MP/MLA Spl. Court Hazaribagh Kodarma PS 66/19 Pending**	**Sec. 130 (E) People of Representation Act 1951**			
2			**Smt. Nutan Ekka Spl. JMFC, MP, MLA, Civil Court Ranchi Dhurwa (Ranchi) PS Case no. 107/23 Pending**	**Under Sec. 147, 148, 188, 353, 332, 109, 427, 323 of IPC**			
3			**CJM Dhanbad Dhanbad PS case no. 454/21 Pending**	**Sec 269/270/34 IPC**			

*In the case of election to Council of States or election to Legislative Council by MLAs, mentionthe election concerned in place of name of constituency.

टी20 विश्व कप पर आतंकी हमले का खतरा, आईसीसी और मेजबान देश अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2024 के तुरंत बाद यूएसए और वेस्टइंडीज में 1 जून से टी20 विश्व कप का आयोजन होना है। हालांकि, इस बीच टूर्नामेंट पर आतंकी हमले का साया आ गया है। वर्ल्ड कप के लिए तैयारियां अंतिम चरण में हैं, लेकिन इस बीच आतंकी साजिश की खबर जो सामने निकल कर आई है उसने सबकी टेंशन बढ़ा दी है। हालांकि, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि वह टी20 विश्व कप के मेजबान देश- वेस्टइंडीज और यूएसए के साथ मिलकर काम कर रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस मेगा-इवेंट पर आतंकी खतरे से निपटने के लिए पुख्ता तैयारी हो। पुरुषों का टी20 विश्व कप 1-29 जून तक वेस्टइंडीज और यूएसए में होने वाला है। कैरेबियाई मीडिया रिपोर्ट के अनुसार वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड को उत्तरी पाकिस्तान से वर्ल्ड कप मैचों के दौरान आतंकी हमले का अलर्ट प्राप्त हुआ है।

पुरुष टी20 विश्व कप पर आतंकी खतरे के बारे में पूछे जाने पर आईसीसी के एक अधिकारी ने आईएएनएस को बताया, आईसीसी उचित योजनाएं सुनिश्चित करने के लिए मेजबान देशों के साथ मिलकर काम कर रही है। रिपोर्ट सामने आते ही हमने तुरंत अधिकारियों से बात की और क्रिकेट वेस्टइंडीज ने सभी को आश्वासन दिया है कि किसी भी जोखिम से निपटने के लिए एक मजबूत सुरक्षा योजना बनाई गई है। त्रिनिदाद के स्थानीय डेली एक्सप्रेस अखबार ने पीएम प्रधानमंत्री डॉ. कीथ रोवले के हवाले से लिखा, सुरक्षा एजेंसियां विश्व कप पर खतरे से निपटने के लिए काम कर रही हैं। यह दुर्भाग्य की बात है कि 21वीं सदी में भी दुनिया में आतंकवाद का खतरा अलग-अलग रूपों में बना हुआ है। हालांकि, इन खतरों को कम करने के लिए, हम स्थानीय और क्षेत्रीय स्तर पर हर खतरों के प्रति सतर्क रहे हैं और हमारी खुफिया और अन्य सुरक्षा एजेंसियां पूरे टूर्नामेंट के दौरान देशों और स्थानों पर सबकी सुरक्षा के लिए काम कर रही हैं। वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप के मैच एंटीगा एंड बारबुडा, बारबाडोस, गुयाना, सेंट लूसिया, सेंट विंसेंट एंड ग्रेनेडाइंस के अलावा त्रिनिदाद एंड टोबैगो में होंगे। अमेरिका के फ्लोरिडा, न्यूयॉर्क और डलास में भी मैच निर्धारित है, लेकिन वहां इन खेलों पर किसी खतरे का कोई संकेत नहीं है। सेमीफाइनल मुकाबले त्रिनिदाद और गुयाना में खेले जाएंगे, वहीं फाइनल बारबाडोस में खेला जाना है। दुनिया की टॉप-20 टीमों को पांच-पांच के चार समूहों में बांटा जाएगा। प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें सुपर 8 चरण के लिए क्वालीफाई करेंगी। सुपर आठ के दो समूहों से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए आगे बढ़ेंगी। सेमीफाइनल मुकाबले 26 और 27 जून को त्रिनिदाद और गुयाना में खेले जाएंगे, वहीं फाइनल 29 जून को बारबाडोस में खेला जाना है।सेमीफाइनल और फाइनल दोनों के लिए रिजर्व दिन रखे गए हैं।

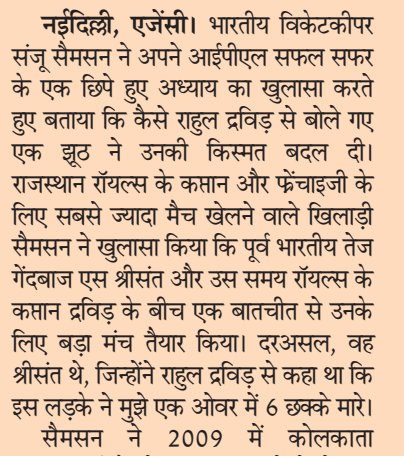

कोई धोनी को जाकर बताओ... नौवें नंबर पर बैटिंग करने उतरे माही पर भड़के इरफान पठान

धर्मशाला, एजेंसी। पूर्व भारतीय ऑलरांडर इरफान पठान ने महेंद्र सिंह धोनी को आड़े हाथों लेते हुए खरी-खरी सुना दी है। इरफान पठान की माने तो धोनी चेन्नई सुपरकिंग्स के सबसे अनुभवी प्लेयर हैं। उन्हें अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए और टॉप ऑर्डर में बैटिंग करने आना चाहिए। दरअसल, आईपीएल 2024 में रविवार को हुए मैच में धोनी पंजाब किंग्स के खिलाफ नौवें नंबर पर बैटिंग करने आए। अपने टी-20 करियर में यह पहला मौका था जब माही 9वें नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे थे। ये पारी इस वजह से भी चर्चा में है क्योंकि धोनी पहली ही गेंद पर बिना कोई रन बनाए हर्षल पटेल की स्लोअर गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए। पठान ने बताया, एमएस धोनी का नंबर 9 पर बल्लेबाजी करना सीएसके के लिए काम नहीं करेगा, इससे टीम को मदद नहीं मिलती है। मुझे पता है कि वह 42 साल के हैं, लेकिन वह ठोस फॉर्म में हैं। उन्हें ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्हें कम से कम 4 से 5 ओवर तक बल्लेबाजी करनी चाहिए। वह आखिरी ओवर या आखिरी दो ओवर तक बल्लेबाजी कर रहे हैं और यह लंबे समय तक सीएसके के लिए उद्देश्य पूरा नहीं करता है। धोनी का बल्ले से यह सीजन शानदार रहा है, उन्होंने सात पारियों में 55 की औसत और 224.49 की स्ट्राइक रेट से 110 रन बनाए हैं। पठान ने कहा, ऐसा हो सकता है कि हम सीएसके को यहां से प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करते देखेंगे और उन्हें अपने 90 प्रतिशत मैच जीतने होंगे। बतौर सीनियर प्लेयर धोनी को टॉप ऑर्डर में बल्लेबाजी करने की जरूरत है। उन्हें वही करना है जो उन्होंने कई मौकों पर किया है। जब टीम को उनकी जरूरत है तो आप शार्दुल ठाकुर को खुद से आगे नहीं भेज सकते। आप धोनी को नंबर 9 पर बल्लेबाजी करते हुए नहीं देख सकते।

रियल मैड्रिड ने जीता रिकॉर्ड 36वां ला लीगा खिताब, 3-0 से हराया

नई दिल्ली , एजेंसी। मैड्रिड ने अपनी बेंच स्ट्रैंथ को आजमाने के बावजूद केडिज को 3-0 से हराया। बार्सिलोना की टीम इसके बाद गिरोना के खिलाफ 2-4 से हार गई जिससे मैड्रिड ने खिताब सुनिश्चित किया। रियल मैड्रिड ने यहां चार मैच शेष रहते स्पेनिश फुटबाल लीग ला लीगा का खिताब जीत लिया। मैड्रिड ने

अपनी बेंच स्ट्रैंथ को आजमाने के बावजूद केडिज को 3-0 से हराया। बार्सिलोना की टीम इसके बाद गिरोना के खिलाफ 2-4 से हार गई जिससे मैड्रिड ने खिताब सुनिश्चित किया। मैड्रिड ने अपने रिकॉर्ड में सुधार करते हुए 36वीं बार ला लीगा का खिताब अपने नाम किया। गिरोना की टीम इस जीत से बार्सिलोना को पछाड़कर 34 मैच में 74 अंक के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गई। बार्सिलोना 73 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। मैड्रिड के 34 मैच में गिरोना से 13 अंक ज्यादा 87 अंक हैं। गिरोना अब अधिकतम 12 अंक ही जुटा सकती है जिससे मैड्रिड का खिताब तय हो गया है।

सुनील नरेन ने लखनऊ में हासिल की खास उपलब्धि

नईदिल्ली, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के हरफनमौला खिलाड़ी सुनील नरेन का इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में शानदार सफर जारी है। सुनील नरेन आईपीएल के इतिहास में 1500 से अधिक रन और 150 विकेट का दोहरा प्रदर्शन करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए। सुनील नरेन ने यह उपलब्धि 5 मई 2024 को लखनऊ स्थित इकाना क्रिकेट स्टेडियम पर लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ हासिल की। सुनील नरेन ने मैच में 39 गेंद में 6 चौकों और सात छक्कों की मदद से 81 रन बनाए। उनके रन 207.69 की स्ट्राइक रेट से आए। अपने आईपीएल करियर में नरेन ने 166.33 के स्ट्राइक रेट के साथ 17.32 की औसत से 1,507 रन बनाए हैं। उन्होंने एक शतक और सात अर्धशतक लगाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 109 रन है।

सुनील नरेन आईपीएल के 5वें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर

सुनील नरेन का यह आईपीएल 2024 का भी अब तक का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। वह 173 मैच मे 176 विकेट के साथ लीग के इतिहास में पांचवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं। इस सीजन सुनील नरेन ने 41.90 के औसत और 183.66 की स्ट्राइक रेट से 461 रन बनाए हैं। इसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं।

सुनील से पहले जडेजा और ब्रावो ने हासिल की यह खास उपलब्धि

सीएसके के रविंद्र जडेजा और ड्वेन ब्रावो अन्य दो खिलाड़ी हैं जिन्होंने यह डबल हासिल किया है। रविंद्र जडेजा ने 27.30 के औसत और 129.08 की स्ट्राइक रेट से तीन अर्धशतकों के साथ 2,894 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 62 रन है। उन्होंने 237 मैच में 29.81 की औसत से 160 विकेट लिए हैं। इसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/16 का है। ड्वेन ब्रावो अब संन्यास ले चुके हैं। उन्होंने अपने आईपीएल करियर के दौरान 161 मैच में 22.60 की औसत और 129.56 की स्ट्राइक रेट से पांच अर्धशतकों के साथ 1,560 रन भी बनाए। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 70 रन है। उन्होंने 4/22 के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े के साथ 183 विकेट भी लिए। ड्वेन ब्रावो आईपीएल के इतिहास में तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। सुनील नरेन ने इस आईपीएल में स्पिन के खिलाफ सिर्फ 63 गेंद में 25.00 के औसत से 125 रन बनाए हैं। हालांकि, इस दौरान वह पांच बार आउट भी हुए। स्पिन के खिलाफ उनका स्ट्राइक रेट 198.4 है और उन्होंने उनके खिलाफ आठ चौके और 11 छक्के लगाए हैं।

लखनऊ में 98 रन से जीती कोलकाता की टीम

लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मैच की बात करें तो एलएसजी ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। सुनील नरेन के 81 रन, फिल साल्ट (14 गेंद, 32 रन,5 चौके, 1 छक्का), अंगकृष रघुवंशी (26 गेंद, 32 रन, 3 चौके, 1 छक्का) और रमनदीप सिंह (नाबाद 25 रन, 6 गेंद, 1 चौका, 3 छक्के) की ठोस पारियों के दम पर केकेआर ने 20 ओवर में 235/6 का स्कोर किया।लखनऊ की ओर से नवीन-उल-हक (3/49) ने शानदार गेंदबाजी की। यश ठाकुर, रवि बिश्नोई और युद्धवीर सिंह को एक-एक विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स 16.1 ओवर में 137 रन ही बना पाई। उसकी ओर से केएल राहुल (25), मार्कस स्टोइनिस (36), निकोलस पूरन (10), आयुष बदोनी (15), एश्टन टर्नर (16) ही दहाई का आंकड़ा छू पाए। हर्षित राणा ने 3.1 ओवर में 24 रन देकर 3 विकेट लिए।

सुनील नरेन और आंद्रे रसेल ने लखनऊ को उसके घर में रौंदा

नईदिल्ली, एजेंसी। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली कोलकाता नाइट राइडर्स (ख्रख्र) ने धमाल मचा दिया है. उसने इंडियन प्रीमियर लीग 2024 सीजन के प्लेऑफ में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली है. उसने यह उपलब्धि रविवार (5 मई) को लखनऊ सुपर जायंट्स (रुस्त्र) को 98 रनों से हराकर हासिल की. कोलकाता टीम ने 11 में से 8 मैच जीते हैं. इसी के साथ वो अब पॉइंट्स टेबल में राजस्थान रॉयल्स (ऋ्र) को पछाड़कर टॉप पर काबिज हो गई है. दूसरी ओर लखनऊ टीम ने अब तक 11 में से 6 मुकाबले जीते हैं. इसके साथ ही यह टीम पॉइंट्स टेबल में एक पायदान फिसलकर पांचवें नंबर पर आ गई है. केकेआर और एलएसजी के बीच यह मुकाबला लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेला गया, जिसमें टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए कोलकाता ने 236 रनों का टारगेट दिया. जवाब में लखनऊ टीम 16.1 ओवर में 137 रनों पर ही सिमट गई. लखनऊ टीम के लिए मार्कस स्टोइनिस ने सबसे ज्यादा 36 और कप्तान केएल राहुल ने 25 रन बनाए. इनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 रनों का आंकड़ा नहीं छू सका.

पाकिस्तान के मिस्ट्री स्पिनर ने बताया अपना ड्रीम

लाहौर, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आयोजन वेस्टइंडीज और यूएसए में संयुक्त रूप से किया जाएगा और इसमें भारत और पाकिस्तान का मुकाबला 9 जून को खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान को ग्रुप ए में रखा गया है जिसमें मेजबान यूएसके के अलावा कनाडा और आयरलैंड की टीम है। एक तरफ जहां दुनियाभर के क्रिकेट फैंस के इस मुकाबले का इंतजार है तो वहीं पाकिस्तान के मिस्ट्री स्पिनर अबरार अहमद भी इस मैच का बेताबी के साथ वेट कर रहे हैं। अबरार अपने देश के लिए इस टूर्नामेंट में खेलने के लिए बेहद उत्सुक हैं और भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का विकेट लेने की उम्मीद कर रहे हैं।

अबरार अहमद ने दिसंबर 2022 में इंटरनेशनल क्रिकेट में अपना डेब्यू किया था और इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने पहला टेस्ट मैच खेला था, लेकिन इसके बाद टी20 में अपना डेब्यू करने के लिए उन्हें इंतजार करना पड़ा था और न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20आई सीरीज में उन्होंने पाकिस्तान के लिए इस प्रारूप में पदार्पण किया था। कीवी टीम के खिलाफ उन्होंने 5 में से 3 मैच खेले हैं और इसमें उन्होंने 5.75 की प्रभावशाली इकॉनमी रेट से दो विकेट लिए। 25 साल के इस खिलाड़ी को अब पाकिस्तान टी20 टीम में आयरलैंड और इग्लैंड दौरे के लिए चुना गया है और उन्हें उम्मीद है कि वो जून में खेले जाने वाले टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की 15 सदस्यीय टीम में जगह बनाने में कामयाब रहेंगे। इस प्रतिभाशाली गेंदबाज ने कहा कि उनका ध्यान अपने देश के लिए हर मैच जीतने पर है। लेकिन उनका सपना आगामी विश्व प्रतियोगिता में भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली का विकेट लेना है। उन्होंने जियो सुपर पर बात करते हुए कहा कि मैं हर मैच पर अपना ध्यान केंद्रित करूंगा और हमारी टीम में विश्व स्तरीय स्पिनर हैं और हमारा लक्ष्य पाकिस्तान के लिए मैच जीतना है। टी20 वर्ल्ड कप में हमारा लक्ष्य सभी टीमों को हराना होगा, लेकिन मेरा सपना विराट कोहली का विकेट लेना है। उन्होंने ये भी कहा कि मैं अपनी बल्लेबाजी में भी सुधार करने की कोशिश कर रहा हूं।

भारतीय महिला 4×400 मीटर रिले टीम ने पेरिस ओलंपिक का टिकट किया पक्का, पुरुष टीम भी पीछे नहीं

पेरिस ओलंम्पिक

बहामास, एजेंसी। भारतीय महिला 4×400 मीटर रिले टीम ने सोमवार को विश्व एथलेटिक्स रिले में दूसरे दौर की हीट में दूसरे स्थान पर रहने के बाद पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। भारतीय महिला 4×400 मीटर रिले टीम ने सोमवार को विश्व एथलेटिक्स रिले में दूसरे दौर की हीट में दूसरे स्थान पर रहने के बाद पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। इसके साथ ही भारतीय पुरुषों की 4×400 मीटर रिले टीम ने भी नासाउ, बहामास में विश्व एथलेटिक्स रिले में दूसरे दौर की हीट रेस के दौरान पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। रूपल चौधरी, एम आर पूवम्मा, ज्योतिका श्री दांडी और सुभा वेंकटेशन ने तीन मिनट और 29.35 सेकेंड का समय लेकर हीट नंबर एक में जमैका (3:28.54) के बाद दूसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले, भारतीय टीम रविवार को पहले दौर की क्वालीफाइंग हीट में तीन मिनट और 29.74 सेकेंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रही थी।

दूसरे स्थान पर रही पुरुष टीम

मोहम्मद अनस याहिया, मोहम्मद अजमल, आरोकिया राजीव और अमोज जैकब की पुरुष टीम ने तीन मिनट 3.23 सेकेंड के साथ अपनी हीट में अमेरिका (2:59.95) के बाद दूसरे स्थान पर फिनिश किया। मालूम हो कि दूसरे दौर में तीनों हीट में शीर्ष दो पर रहने वाली टीमें पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेंगी। पेरिस ओलंपिक का आयोजन इस साल 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होगा।

पुरुष टीम क्वालीफाइंग हीट के पहले दौर में दौड़ समाप्त करने में नाकाम रही थी क्योंकि सेकेंड लेग रनर राजेश रमेश को क्रैंप्स के कारण बाहर हटना पड़ा था। इस कोटा के साथ ही भारत के पेरिस ओलंपिक में 19 ट्रैंक एंड फील्ड एथलीट हो गए हैं जिसमें टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा भी शामिल हैं। पेरिस ओलंपिक में एथलेटिक्स इवेंट एक अगस्त से शुरू होंगे।

इस बच्चे ने एक ओवर में 6 छक्के मारे... जब राहुल द्रविड़ से श्रीसंत के झूठ ने बदली संजू सैमसन की किस्मत

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय विकेटकीपर संजू सैमसन ने अपने आईपीएल सफल सफर के एक छिपे हुए अध्याय का खुलासा करते हुए बताया कि कैसे राहुल द्रविड़ से बोले गए एक झूठ ने उनकी किस्मत बदल दी। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान और फ्रेंचाइजी के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी सैमसन ने खुलासा किया कि पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज एस श्रीसंत और उस समय रॉयल्स के कप्तान द्रविड़ के बीच एक बातचीत से उनके लिए बड़ा मंच तैयार किया। दरअसल, वह श्रीसंत थे, जिन्होंने राहुल द्रविड़ से कहा था कि इस लड़के ने मुझे एक ओवर में 6 छक्के मारे।

सैमसन ने 2009 में कोलकाता नाइटराइडर्स के होनहार खिलाड़ियों में से एक के रूप में आईपीएल में प्रवेश किया। तीन साल के इंतजार के बाद केकेआर ने 2012 के पहले सैमसन को साइन किया। हालांकि, बेंचों पर बैठे रहने के बाद उसी साल अपना पहला खिताब जीतने के बाद फ्रैंचाइजी ने सैमसन को बिना आजमाए ही रिलीज कर दिया। यह वही समय था जब सैमसन को अपनी योग्यता साबित करने की जरूरत थी।

एक वायरल वीडियो में सैमसन ने कहते दिख रहे हैं- केकेआर के साथ होने के कारण मुझे कोई मौका नहीं मिल रहा था। लेकिन आरआर के खिलाफ मैच के दौरान जब राहुल द्रविड़ उनकी कप्तानी कर रहे थे तो श्रीसंत ने उन्हें होटल लॉबी में देखा और मेरी मदद की। उन्होंने उनसे कहा- केरल का एक लड़का है, जिसने मुझे स्थानीय टूर्नामेंट में एक ओवर में छह छक्के लगाए हैं। हमें निश्चित रूप से उसे एक ट्रायल देना चाहिए।

श्रीसंत की ओर से बोला गया यह झूट सैमसन के लिए गेम चेंजर साबित हुआ। रॉयल्स ने उन्हें चुना और 2013 में अपने डेब्यू के बाद से ही वे उनकी टीम में एक महत्वपूर्ण कड़ी बन गए हैं। एक होनहार बल्लेबाज से लेकर फ्रैंचाइजी का पोस्टर बॉय बनने और अब इसके कप्तान बनने तक सैमसन ने सब कुछ देखा है। सैमसन की कहानी की पुष्टि तब हुई जब श्रीसंत ने स्वीकार किया कि युवा विकेटकीपर बल्लेबाज को आरआर सेट-अप में लाने के लिए उन्होंने झूठ का सहारा लिया।

संक्षिप्त समाचार

सऊदी अरब के एक फैसले से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, आगे भी दाम बढ़ने की आशंका

नईदिल्ली, एजेंसी। सऊदी अरब के एक फैसले के बाद अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल के दाम में उबाल आने की आशंका बढ़ गई है। आज भी क्रूड ऑयल की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। दरअसल सऊदी अरब ने ज्यादातर क्षेत्रों के लिए जून में कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का निर्णय लिया है। इसके बाद आज सोमवार को तेल वायदा में तेजी आई और गाजा युद्धविराम समझौते की संभावना भी कम दिखाई दे रही है। इससे यह आशंका फिर से बढ़ गई कि प्रमुख तेल उत्पादक क्षेत्र में इजरायल-हमास संघर्ष अभी भी बढ़ सकता है। सऊदी अरब के इस तिमाही में ऑयल सप्लाई में कमी के बीच अधिकांश क्षेत्रों के लिए जून ओएसपी बढ़ाने के बाद तेल के दाम ऊपर जाने तय लग रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम आज उछाल के साथ ट्रेड कर रहे हैं। डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.31 फीसदी चढ़कर 78.85 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है जबकि ब्रेंट क्रूड 0.24 फीसदी चढ़कर 83.16 डॉलर प्रति बैरल के रेट पर ट्रेड कर रहा है। सऊदी अरब ने जून में एशिया, उत्तर-पश्चिमी यूरोप और भूमध्य सागर में बेचे जाने वाले अपने कच्चे तेल की आधिकारिक बिक्री कीमतें बढ़ा दीं, जो इस गर्मी में मजबूत मांग की उम्मीद का संकेत है। इसी का असर है कि जियो-पॉलिटिकल टेंशन कम होने की वजह से पिछले हफ्ते 7.3 फीसदी से थोड़ी ज्यादा गिरावट के बाद, आईसीई ब्रेंट ने मजबूत स्तर पर नए कारोबारी सप्ताह की शुरुआत की है। पिछले हफ्ते दोनों कच्चे तेल के दोनों कॉन्ट्रेक्ट्स में तीन महीने में अपना सबसे बड़ा साप्ताहिक घाटा दर्ज किया था। इसमें ब्रेंट 7 फीसदी से ज्यादा गिर गया और डब्ल्यूटीआई 6.8 फीसदी लुढ़का था। कमजोर अमेरिकी नौकरियों के आंकड़ों और फेडरल रिजर्व के ब्याज दर में कटौती के संभावित समय का अनुमान लगाने के बाद निवेशकों ने ये अंदाजा लगाया था लेकिन एक ही हफ्ते में स्थिति बदलती दिख रही है।

आईआईएचएल को आरकैप सौदे पर अभी तक इरडा की मंजूरी नहीं मिली: हिंदुजा

मुंबई एजेंसी। आईआईएचएल के चेयरमैन अशोक हिंदुजा ने कहा कि उसे रिलायंस कैपिटल के 9,650 करोड़ रुपए के अधिग्रहण के लिए बीमा नियामक इरडा से अभी तक मंजूरी नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि आईआईएचएल इस सौदे के लिए नवंबर से ही भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) के संपर्क में है। उन्होंने कहा कि आईआईएचएल को जल्द से जल्द मंजूरी मिलने की उम्मीद है और कहा कि आमतौर पर ऐसी मंजूरी 2-3 महीने में मिल जाती है। हिंदुजा ने कहा कि आईआईएचएल इरडा की मंजूरी के 48 घंटे के भीतर बोली राशि का भुगतान करके सौदा पूरा कर लेगी। आरकैप की 9,650 करोड़ रुपए की खरीद प्रक्रिया को अमलीजामा पहनाने के लिए राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण की 27 मई की समयसीमा खत्म होने में तीन सप्ताह से कुछ अधिक समय बाकी है।

जरूरतों के साथ वित्तीय लक्ष्यों की बनाएं सूची, सपनों को हकीकत में बदलने के लिए प्लानिंग की जरूरत

नईदिल्ली, एजेंसी। हममें से कई लोगों को यह पता नहीं होता है कि सपनों को हकीकत में कैसे बदला जाए। इन्हें साकार करने के लिए पैसे और प्लानिंग की जरूरत होती है। इसके लिए पहला यह कि जरूरतें स्पष्ट हों, विशेष रूप से उन्हें पैसे का बहुत जुगाड़ करना है। उन्हें यह पता होना चाहिए कि कार खरीदना कितना जरूरी है या नहीं है और इसके लिए पैसे कैसे आएंगे।

उदाहरण के लिए, यह जानना बेहतर है कि 2026 में 1.2 करोड़ रुपये वाले मकान की खरीद के लिए डाउन पेमेंट के रूप में 20 लाख की जरूरत है। बाकी पैसे होम लोन से मिलेंगे। मकान की कीमत और उसे खरीदने की अवधि तय करने से सपने वित्तीय लक्ष्य में बदल जाते हैं।वित्तीय लक्ष्य आप खुद तय करते हैं, जो भविष्य की जरूरतों और एक समय सीमा से बंधे होते हैं। इसे पाने के लिए समय-सीमा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

कम समय के लक्ष्य जल्दी हासिल

कम समय के लक्ष्य वे होते हैं, जो कुछ माह में हासिल हो सकते हैं। जैसे कोई बड़ा गैजेट खरीदना या आपात स्थिति से निपटने के लिए पैसे अलग रखना। मध्यम लक्ष्य वे होते हैं जो कुछ साल में हासिल होते हैं। जैसे घर के लिए डाउन पेमेंट या एक साल बाद पारिवारिक छुट्टी के लिए पैसे जुटाना। लंबे समय के लक्ष्यों के लिए कुछ साल और लग जाते हैं। ये 5 साल से अधिक के होते हैं। जैसे कि रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा के लिए बचत या होम लोन का भुगतान करना।

हर महीने करते रहें एक छोटा निवेश

वित्तीय लक्ष्यों को जीवन में मील के पत्थर के रूप में सोचें। उदाहरण के तौर पर मकान का डाउन पेमेंट 2028 में 11 लाख करना है। बच्चे की शिक्षा के लिए 2035 तक 30 लाख जुटाने हैं। सेवानिवृत्त के लिए 2045 तक चार करोड़ की जरूरत है। यह मानते हुए कि 35 साल की उम्र में एक व्यक्ति की 7 साल की बेटी है और लक्ष्य महंगाई से जुड़े नहीं हैं। यह आंकड़ा एक सांकेतिक है। जरूरत इससे कम या ज्यादा भी हो सकती है। आज आपके पास वित्तीय साधन हैं जो वित्तीय लक्ष्यों को हासिल करने में मदद करते हैं। खासकर यदि आप एक नियमित आय के साथ वेतन पा रहे हैं। इसमें से हर माह एक छोटा निवेश करें, ताकि बड़ी रकम का बोझ आए तो कुछ मदद मिले।

यूचुअल फंड भी बेहतर तरीका

म्यूचुअल फंड में आप हर महीने कम से कम 500 रुपये से निवेश कर सकते हैं। यह नियमित, व्यवस्थित रूप से और विभिन्न फंडों में निवेश करता है। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) म्यूचुअल फंड में निवेश करने का सरल तरीका है। यह हर माह एक तय तारीख पर यूनिट खरीदता है। इसे यह मानकर चलें कि आप हर महीने किराया या स्कूल फीस दे रहे हैं। चूंकि, आपके पास कई और वित्तीय लक्ष्य हैं तो आप सामूहिक निवेश के बजाय फंड को लक्ष्य से जोड़कर प्रत्येक लक्ष्य के लिए एक विशेष फंड में निवेश कर सकते हैं। आपको एक ही दिन में सभी लक्ष्यों के लिए धन की जरूरत नहीं पड़ती है। हर वित्तीय लक्ष्य की एक अलग समय सीमा होती है। इसका मतलब है कि आपके पास कुछ लक्ष्यों को हासिल करने के लिए कम समय है और कुछ के लिए अधिक। कुछ लक्ष्यों का मूल्य कम होता है और कुछ का अधिक। आप ऐसे फंड चुनकर इस समस्या का समाधान कर सकते हैं। रिटायरमेंट जैसे लक्ष्य के लिए 25 साल बाद 3 करोड़ रुपये की जरूरत होती है। इसके लिए मासिक 15,800 रुपये का निवेश करना होगा। यदि यही लक्ष्य 30 साल में हासिल करना है और दोनों विकल्प 12 फीसदी सालाना रिटर्न दे रहे हैं तो मासिक 8,500 रुपये ही निवेश करना होगा। म्यूचुअल फंड के जरिये आप इस लक्ष्य को पा सकते हैं।

वित्तीय लक्ष्यों को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटने से न केवल आसानी होगी, बल्कि उन तक पहुंचने में डर भी नहीं लगेगा। ऐसे कई ऑनलाइन साधन हैं जो वित्तीय लक्ष्यों की गणना करने में मदद कर सकते हैं। किसी एक दिन अपने जीवनसाथी के साथ उन पर नजर डालें, ताकि आप परिवार के वित्तीय लक्ष्यों की पहले पहचान कर सकें और उन्हें हकीकत में बदल सकें।

एआई के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी फंडिंग पर कसेगा शिकंजा,सरकार की पूरी तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग के जरिये देश के आर्थिक चैनलों में मनी लॉन्ड्रिंग एवं आतंकी फंडिंग पर शिकंजा कसने को पूरी तरह तैयार है। ऐसी गतिविधियों की जांच के लिए वित्तीय सूचना इकाई (एफआईयू) ने एआई और मशीन लर्निंग को अपनाते हुए अपनी सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली का अत्याधुनिक 2.0 संस्करण शुरू कर दिया है। वित्त वर्ष 2022-23 की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि फिनटेक 2.0 के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी फंडिंग पर शिकंजा कसने में काफी मदद मिलेगी। यह बेहतर विश्लेषणात्मक क्षमताओं, डाटा गुणवत्ता में सुधार, व्यापक अनुपालन निगरानी और अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरणों के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों से लैस है। इसकी मदद से तत्काल कार्रवाई के लिए उच्च जोखिम वाले मामलों, संस्थाओं या रिपोर्टों की आसानी से पहचान कर आतंकी फंडिंग जैसी गतिविधियों को रोका जा सकता है।

दो साल में 10 लाख करोड़ बढ़कर 27 लाख करोड़ हुआ हाउसिंग लोन, आवासीय संपत्ति की मांग मजबूत

नईदिल्ली, एजेंसी। मकानों की बढ़तीं कीमतें और ब्याज दरों में तेजी के बावजूद कर्ज लेने की रफ्तार अच्छी खासी बढ़ रही है। पिछले दो साल में हाउसिंग लोन करीब 10 लाख करोड़ बढ़कर इस साल मार्च में रिकॉर्ड 27.23 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। विश्लेषकों का मानना है कि कोरोना के बाद आवासीय संपत्तियों में मजबूत सुधार से हाउसिंग लोन में जबरदस्त तेजी देखी गई है। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, मार्च, 2022 में कुल हाउसिंग लोन 17.26 लाख करोड़ था जो मार्च, 2023 में 19.88 लाख करोड़ रुपये हो गया। आंकड़ों के मुताबिक, वाणिज्यिक रियल एस्टेट में कुल उधारी 4.48 लाख करोड़ रुपये रही है जो मार्च, 2022 में 2.97 लाख करोड़ रुपये थी। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस कहते हैं कि सरकारी प्रयासों से सस्ते मकानों की मांग में तेजी आई है। साथ ही कोरोना में घर की बिक्री अच्छी खासी घटी थी और अब यह उससे ज्यादा रफ्तार से बढ़ रही है। हालांकि आने वाले समय में होम लोन की वृद्धि दर 15-20 फीसदी के बीच रह सकती है।

निवेश मंत्रा: लंबी अवधि में लार्जकैप में निवेश बेहतर फैसला, ऑटोमोबाइल व रियल एस्टेट

नईदिल्ली, एजेंसी। चौथी तिमाही के वित्तीय परिणाम अब अंतिम चरण में है। लगातार चौथी तिमाही में मार्जिन बढ़ने से कमाई में वृद्धि का रुझान बरकरार है। बाजार उच्चतम स्तर पर है, इसलिए निकट अवधि में अस्थिरता पर नजर रखनी चाहिए। बाजार का मूल्यांकन महंगा है। मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी से बढ़ोतरी हुई है, इसलिए लार्जकैप में बदलाव जरूरी है। निवेशकों को छोटी के बजाय लंबी अवधि पर ध्यान देना चाहिए। अगले दो महीने चुनाव के लिहाज से अहम हैं, जो निकट भविष्य में बाजार की दिशा तय कर सकते हैं।

भारत के लिए मजबूत सकारात्मक कारक

भारत वैश्विक स्तर पर उन कुछ भौगोलिक क्षेत्रों में से एक बना हुआ है, जो इसे बनाए रखने के लिए कई सकारात्मक कारकों के साथ मजबूत जीडीपी वृद्धि दर्ज कर रहे हैं। यह कारक निवेशकों को भारत में निवेश के लिए आकर्षित करते रहना चाहिए। चुनाव खत्म हो जाने के बाद उम्मीद है कि भारत का पूंजीगत खर्च तेज हो जाएगा। विश्व स्तर पर कम ब्याज दरों की उम्मीदें एक और महत्वपूर्ण घटना है जिस पर नजर रखनी होगी।

ऑटोमोबाइल व रियल एस्टेट आकर्षक क्षेत्र

बाजार की गतिशीलता अनुकूल चक्रीय कारकों से प्रभावित होगी, जो मुख्य रूप से निजी पूंजीगत खर्च से प्रेरित है, जिसके निकट अवधि में बढ़ने की उम्मीद है। यह चक्र इन्फ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग और यूटिलिटीज जैसे निवेश वाले क्षेत्रों के लिए फायदेमंद हो सकता है। इसके अलावा, ऑटोमोबाइल और रियल एस्टेट क्षेत्र भी निवेश के लिहाज से आकर्षक है। बिजली, रक्षा और परिवहन जैसे क्षेत्रों पर भी विचार किया जा सकता है, जिन्हें सरकार की नीतियों से फायदा हो सकता है।

मिड व स्मॉलकैप में तेजी के कारणनिवेशकों को अपने पोर्टफोलियो का मूल्यांकन करने की जरूरत है। इन दोनों में से कुछ रकम लार्जकैप में निवेश की जा सकती है। हालांकि, निवेशकों के लिए जो अधिक महत्वपूर्ण है, वह एसेट एलोकेशन का पालन करना है। एक्सिस एएमसी के एमडी-सीईओ बी गोपकुमार कहते हैं कि अलग-अलग परिसंपत्ति वर्ग विभिन्न आर्थिक स्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करते हैं। निवेशक लंबे समय तक निवेशित रहें तो उनके पास बेहतर रिटर्न कमाने का मौका रहता है।निवेश का विविधीकरण बहुत जरूरी है।

रद्द उड़ानों का टिकट बेचने के आरोप में कंतास एयर लाइन पर गिरी गाज, चुकाने पड़ेंगे 7.9 करोड़ डॉलर

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की प्रमुख एयरलाइन क्रांटास एयरवेज पहले से रद्द हो चुकी उड़ानों के लिए टिकटों की बिक्री से जुड़ा मुकदमा को निपटाने को तैयार हो गया है। एयरलाइन ने इसके लिए 120 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर यानी 7.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने पर सहमति दे दी। एयरलाइन 100 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर या 6.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि जुर्माने के रूप में देगी वहीं 86,000 से अधिक ग्राहकों को 20 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर यानी 1.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर मुआवजे के रूप में दिया जाएगा। यह मामला 2021-2022 का है।

ऑस्ट्रेलियाई प्रतिस्पर्धा और उपभोक्ता आयोग की अध्यक्ष जीना कैस-गॉटलिब ने सोमवार को एक बयान में कहा, क्रांटास का आचरण अहंकारी और अस्वीकार्य था। कई उपभोक्ताओं ने एक ऐसे विमान की बुकिंग कर छुट्टी, व्यापार और यात्रा की योजना बनाई होगी, जिसे पहले ही रद्द कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि हम यह कार्रवाई इसलिए सुनिश्चित कर रहे हैं क्योंकि ऑस्ट्रेलिया में काम करने वाली कंपनियां हर समय अपने ग्राहकों के साथ स्पष्ट, सटीक और ईमानदारी से संवाद करती हैं।

क्रांटास समूह की मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेनेसा हडसन ने कहा कि यह समझौता अदालत की मंजूरी के अधीन है और यह एक महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि हम राष्ट्रीय विमानन कंपनी के प्रति विश्वास बहाल करने की दिशा में काम कर रहे हैं। हडसन ने कहा, जब कोविड शटडाउन के बाद उड़ान फिर से शुरू हुई, तो हम मानते हैं कि कंटास ने ग्राहकों को निराश किया। हम जानते हैं कि हमारे कई ग्राहक समय पर विमान रद्द होने की सूचनाएं प्रदान करने में हुई हमारी विफलता से प्रभावित हुए थे और हमें ईमानदारी से इसके लिए खेद है।

क्रांटास, जिसने पिछले साल 1.1 बिलियन का वार्षिक लाभ दर्ज किया था। हाल के वर्षों में क्रांटास एयरलाइन टिकटों की बढ़ती कीमतों, खराब सेवा मानकों के दावों और कोविड-19 महामारी के दौरान 1,700 ग्राउंड स्टाफ की बर्खास्तगी जैसी चीजों के लिए चर्चा में रहा है। सितंबर में, तत्कालीन सीईओ एलन जॉयस ने एयरलाइन की व्यापक आलोचना के बीच शीर्ष पद पर 15 साल रहने के बाद अपनी सेवानिवृत्ति को दो महीने के लिए आगे बढ़ाया था।

हर्षद मेहता युग की वापसी हो रही, उद्योगपति हर्ष गोयनका ने छोटे निवेशकों को दी चेतावनी

मुंबई एजेंसी। आरपीजी ग्रुप के चेयरमैन और मशहूर उद्योगपति हर्ष गोयनका ने शेयर बाजार में गड़बड़ी की आशंका जताई है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस गड़बड़ी की वजह से छोटे निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। हर्ष गोयनका ने चेताया कि शेयर बाजार में जो तेजी देखी जा रही है, वो हर्षद मेहता और केतन पारेख के दौर में जो धांधलियां हुईं, उनकी वापसी की वजह से हो सकती है।

हर्ष गोयनका ने ये भी दावा किया कि कोलकाता से गड़बड़ी की जा रही है और इसमें गुजराती और मारवाड़ी दलालों का गठजोड़ काम कर रहा है। हर्ष गोयनका ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि तेजी से बढ़ते शेयर बाजार के साथ हर्षद मेहता/केतन पारेख युग की वापसी हो रही है और खासकर कोलकाता से ये सब हो रहा है। प्रमोटर्स (प्रॉफिट एंट्री के जरिए) मुनाफा बढ़ा रहे हैं और गुजराती-मारवाड़ी दलालों का गठजोड़ स्टॉक की कीमतों को अवास्तविक स्तर पर ले जा रहा है। इससे छोटे निवेशकों को भारी नुकसान हो सकता है। वक्त आ गया है, जब सेबी और वित्त मंत्रालय इसमें दखल दे और छोटे निवेशकों को नुकसान होने से पहले इसकी जांच करे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हर्ष गोयनका के ट्वीट के बाद शनिवार को शेयर बाजार में गिरावट भी देखी गई और शेयर बाजार 74 हजार के अंक से नीचे पहुंच गया। वहीं एनएसई निफ्टी में भी 200 से ज्यादा अंकों की गिरावट देखी गई। हालांकि कई ट्रेडर्स का कहना है कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया गया कि लोकसभा चुनाव के बाद नई सरकार आयकर व्यवस्था में बदलाव कर सकती है, इसकी वजह से मार्केट में गिरावट आई। हालांकि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि ये सिर्फ अफवाह है। 90 के दशक में भारत का शेयर बाजार हर्षद मेहता द्वारा किए गए घोटाले से हिल गया था। हर्षद मेहता, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में एक सामान्य स्टॉक ब्रोकर था, जिसने देश की बैंकिंग व्यवस्था में खामियों का फायदा उठाकर स्टॉक मार्केट में धांधली की। हर्षद मेहता ने चुनिंदा शेयरों की कीमत को फर्जी तरीके से बढ़ा दिया। हर्षद मेहता ने इसके लिए सरकारी बैंकों से हुंडी पर पैसा उठाया और उसे शेयरों की कीमत बढ़ाने में इस्तेमाल किया। जिससे लोगों में इन शेयरों की खरीदने की होड़ मच गई और इससे बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में भारी वृद्धि हुई। बाद में जब धांधली का खुलासा हुआ तो निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इस घोटाले के बाद ही सेबी का गठन हुआ। हर्षद मेहता घोटाले के करीब दस साल बाद केतन पारेख पर भी ऐसा ही घोटाला करने के आरोप लगे।

लोकसभा आम चुनाव-2024
स्वीप कोषांग, गढ़वा

अपील

प्रिय मतदाताओं,

मैं शेखर जमुआर गढ़वा जिला का उपायुक्त, आप सभी को अपना संदेश देना चाहता हूँ।

मैं इस बात से भली–भांती अवगत हूँ कि आज के दौर में हर व्यक्ति अपने रोजमर्रा के कार्यो में तथा अपनी पारिवारिक एवं कार्य क्षेत्र की जिम्मेदारियों को पूर्ण करने में अत्यधिक व्यस्त हैं। मैं आपकी समस्याओं से अवगत हूँ तथा आपकी भावनाओं एवं जरूरतों को समझता हूँ।

आप सभी इस बात से अवगत हैं कि पाँच साल में एक बार हमारे देश में लोकसभा आम चुनाव होता है। इस बार आपके जिले में चुनाव का महापर्व दिनांक–13.05.2024 दिन सोमवार को निर्धारित है। आपके उपायुक्त की आपसे गुजारिश है कि अपने व्यस्ततम दिनचर्या से 15–20 मिनट का समय दिनांक–13.05.2024 दिन सोमवार को निकालें तथा आप सपरिवार जिनका नाम मतदाता सूची में अंकित हो, मतदान आवश्य करें। साथ ही आप सभी से मेरी यह भी अपील है कि आप भयमुक्त होकर किसी भी लालच में आये बिना अपने मताधिकार का सदुपयोग करें तथा एक मजबूत लोकतंत्र के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाएँ आपके एक मत डालने से आपका, आपके टोले का, आपके गाँव का महत्वपूर्ण योगदान देश के निर्माण में होगा।

90% से अधिक मतदान वाले मतदान केन्दों पर जिला प्रशासन की ओर से मतदाता पर्व मनाया जायेगा तथा मतदाताओं के साथ मिलकर मतदाता वृक्ष लगाया जायेगा।

आपके लंबे एवं सुखी जीवन की कामना करते हुए मैं, आपके जिले का उपायुक्त पुनः आपसे मतदान करने की करबद्ध अपील करता हूँ।

ह0/–
(शेखर जमुआर भा0प्र0से)
जिला निर्वाचन पदाधिकारी

PR 324427 Election(24-25)#D

NEWS IN Gallery

अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एनआईए जांच की सिफारिश

नई दिल्ली : दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एनआईए जांच की सिफारिश की है। यह सिफारिश प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन सिख फॉर जस्टिस से कथित तौर पर राजनीतिक फंडिंग प्राप्त करने के लिए की गयी है। बताया गया है कि एलजी को शिकायत मिली थी कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप को देवेंद्र पाल भुल्लर की रिहाई की सुविधा देने और खालिस्तान समर्थक भावनाओं को बढ़ावा देने के लिए चरमपंथी खालिस्तानी समूहों से भारी धनराशि-16 मिलियन अमरीकी डालर प्राप्त हुई थी।

भाजपा ने दिल्ली के लिए जारी की 40 स्टार प्रचारकों की सूची

नई दिल्ली : लोकसभा चुनाव के लिए दिल्ली की सभी सातों सीटों पर सोमवार को नामांकन की प्रक्रिया पूरी हो गयी है। इसी के साथ भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली के लिए 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है। इसमें हाल ही में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए अरविंदर सिंह लवली का नाम भी है। इस सूची में पार्टी के शीर्ष नेता एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, पीयूष गोयल, नितिन गडकरी, स्मृति ईरानी, सांसद हेमा मालिनी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का नाम प्रमुख है। सोमवार को भाजपा मुख्यालय से जारी सूची में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए अरविंदर सिंह लवली का नाम भी शामिल है। इस सूची में सम्राट चौधरी, ओम प्रकाश धनखड़, वीरेन्द्र सचदेवा, दिया कुमारी, हिमंत बिस्वा सरमा, मनोज तिवारी, मीनाक्षी लेखी, अनिल बलूनी और अल्का गूजर सहित दिल्ली के पूर्व सांसदों के नाम शामिल हैं।

चंडीगढ़ लोकसभा सीट से अकाली दल के उम्मीदवार का चुनाव लड़ने से इनकार

चंडीगढ़ : शिरोमणि अकाली दल को सोमवार को उस समय बड़ा झटका लगा जब पार्टी के उम्मीदवार हरदीप सिंह ने चंडीगढ़ लोकसभा चुनाव का टिकट लौटाते हुए चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। साथ ही हरदीप सिंह ने अपने समर्थकों सहित अकाली दल छोड़ने का ऐलान भी कर दिया है। सोमवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में हरदीप सिंह ने कहा कि उन्होंने पार्टी लीडरशिप की अनदेखी के चलते यह फैसला लिया है। चंडीगढ़ में अकाली दल पहली बार चुनाव लड़ने जा रहा था। सुखबीर बादल पंजाब की 13 सीटों पर तो प्रचार कर रहे हैं लेकिन 14वीं चंडीगढ़ सीट को भूल गये हैं, जबकि वह चंडीगढ़ में ही रहते हैं। हरदीप सिंह ने कहा कि उन्होंने पार्टी के शीर्ष नेताओं के साथ इस बारे में कई बार बात की, लेकिन उम्मीदवार होने के बावजूद उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही थी। हरदीप सिंह ने ऐलान किया है कि उनके साथ चंडीगढ़ अकाली दल की सभी इकाइयों के प्रधानों ने भी इस्तीफा दे दिया है।

पीएम मोदी को फिर से चुनने के लिए देश में उत्साह : योगी

योगी आदित्यनाथ बोले – मोदी के नेतृत्व में भारत का बढ़ा वैश्विक कद

समाज का बहुसंख्यक हिस्सा गोवध का करता है विरोध

उन्होंने कहा - इंडी गठबंधन का घोषणा-पत्र अल्पसंख्यकों को भोजन और पेय पदार्थों का उपभोग करने की पूर्ण स्वतंत्रता का वादा करता है, बिना यह निर्दिष्ट किये कि कौन सी वस्तुएं समाज के बहुमत द्वारा नापसंद हैं। वास्तव में समाज का बहुसंख्यक हिस्सा गाय का सम्मान करता है और उनके वध का पुरजोर विरोध करता है, जबकि अल्पसंख्यक समुदाय गोमांस खाने का पक्षधर है। हम किसी भी परिस्थिति में व्यक्तियों को उनकी पसंद के अनुसार उपभोग करने की स्वतंत्रता नहीं देंगे, भले ही इस सिद्धांत को कायम रखने के लिए हमें इसकी कीमत चुकानी पड़े।

एजेंसी

उन्नाव : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का वैश्विक कद बढ़ा है और उनके 'नये भारत' के दृष्टिकोण की प्रतिध्वनि स्पष्ट रूप से लोगों के बीच सुनायी दे रही है जो श्री मोदी के तीसरे कार्यकाल के स्वागत के लिए तैयार है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार और मौजूदा सांसद साक्षी महाराज के समर्थन में उन्नाव निर्वाचन क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज कोई भी भारत को बुरे इरादे से देखने की हिम्मत नहीं करता है, जो कि मोदी की कई गारंटी में से एक है।

विपक्ष पर हमला करते हुए योगी ने कहा - कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) का भगवान राम का विरोध करने का इतिहास रहा है। कांग्रेस ने भगवान राम के अस्तित्व को नकार दिया, जबकि सपा ने दावा किया कि अयोध्या में एक पक्षी भी नहीं उड़ सकता। यह दोहरा रुख उनके पाखंड को दर्शाता है। ऐसे में कभी भी उन पर भरोसा नहीं करना चाहिए। योगी ने इस बात पर जोर दिया कि देश को मजबूत, समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित बनाने के लिए मोदी सरकार को तीसरे कार्यकाल के लिए फिर से चुनना जरूरी है।

उन्होंने कहा - अब तक दो चरणों में 191 सीटों पर मतदान हो चुका है। हम मोदी सरकार को फिर से स्थापित करने के लिए लोगों में नया उत्साह देख रहे हैं। यह अचानक नहीं है, बल्कि पिछले दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किये गये परिवर्तनकारी परिवर्तनों का परिणाम है। जब हम 2014 से पहले के युग की तुलना उसके बाद के विकास से करते हैं तो एक विरोधाभास स्पष्ट होता है।

उन्होंने अपना हमला जारी रखते हुए सपा पर अपने कार्यकाल के दौरान आतंकवादियों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा - इन व्यक्तियों ने अयोध्या, रामपुर में सीआरपीएफ शिविर, काशी में संकटमोचन मंदिर, साथ ही लखनऊ, अयोध्या और वाराणसी की अदालतों पर हमलों के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों के खिलाफ मामले रद्द करने की मांग की। मुख्यमंत्री ने कहा - अदालत ने इस कदम का पुरजोर विरोध करते हुए चेतावनी दी कि आज वे मामले वापस लेने की बात करते हैं, कल वे उन्हें पद्म पुरस्कार से सम्मानित कर सकते हैं।

बिहार में तीसरे चरण में 54 प्रत्याशियों की सियासी किस्मत का होगा फैसला

- आज बिहार की पांच लोकसभा सीटों पर मतदाता करेंगे मतदान
- तीसरे चरण में दिलचस्प चुनावी लड़ाई के आसार

एजेंसी

पटना : लोकसभा चुनाव के तहत बिहार में तीसरे चरण के होने वाले मतदान को लेकर तैयारियां लगभग पूरी कर ली गयी है। उम्मीदवार मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए अंतिम समय में भी हर मुमकिन कोशिश में लगे हुए हैं। तीसरे चरण में मंगलवार को बिहार की 40 लोकसभा सीटों में से पांच झंझारपुर, अररिया, सुपौल, मधेपुरा और खगड़िया संसदीय क्षेत्रों में मतदाता मतदान करेंगे। इस चरण में मतदाता जदयू के रामप्रीत मंडल, भाजपा के प्रदीप कुमार सिंह सहित 54 उम्मीदवारों के राजनीतिक किस्मत का फैसला करेंगे। इनमें तीन महिला प्रत्याशी शामिल हैं।

इस चरण में 19 प्रत्याशी निर्दलीय हैं। इस चरण में सर्वाधिक 15 उम्मीदवार सुपौल और सबसे कम मधेपुरा में आठ प्रत्याशी मैदान में हैं। बिहार निर्वाचन आयोग के मुताबिक, बिहार में तीसरे चरण के चुनाव में कुल 98.60 लाख मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिनके लिए 9,848 मतदान केंद्र बनाये गये हैं। इस चरण में सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध हैं। मतदान के मद्देनजर नेपाल की सीमा को सील कर दिया गया है तथा चौकसी बढ़ा दी गयी है।

एनडीए और महागठबंधन के बीच मुख्य मुकाबला

इस चरण में प्रमुख प्रत्याशियों की बात करें तो सभी पांच क्षेत्रों में मुख्य मुकाबला एनडीए और महागठबंधन के बीच माना जा रहा है। सुपौल और झंझारपुर में लड़ाई को त्रिकोणात्मक बनाने की कोशिश की जा रही है। इन सभी सीटों पर 2019 के संसदीय चुनाव में एनडीए ने परचम लहराया है। इस चुनाव में एनडीए ने जहां इन सभी सीटों को बरकरार रखने को लेकर पूरी ताकत झोंक दी है। वहीं, महागठबंधन इन सीटों पर जीत को लेकर प्रयासरत है। पांच सीटों में इस बार तीन सीटों पर एनडीए के मुकाबले राजद, जबकि एक सीट पर विकासशील इंसान पार्टी (वीआइपी) और अन्य पर माकपा के उम्मीदवार हैं। मधेपुरा सीट पर जदयू ने एक बार फिर दिनेश चंद्र यादव को उतारा है, जिनका मुकाबला राजद के प्रो. कुमार चंद्रदीप से है। झंझारपुर में मुकाबला त्रिकोणात्मक बनाने को लेकर बसपा के गुलाब यादव पूरा जोर लगाए हुए हैं। इस सीट पर मुख्य मुकाबले में जदयू ने एकबार फिर रामप्रीत मंडल को चुनावी मैदान में उतारा है।

नीतीश कुमार ने की बाहुबली नेता अनंत सिंह की तारीफ, सूबे में गरमाई राजनीति

एजेंसी

मुंगेर : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पैरोल पर बाहर आये अनंत सिंह की खूब तारीफ की। उन्होंने जनसभा को संबोधित करने के दौरान अनंत सिंह की पत्नी की ओर इशारा करते हुए कहा कि इनको पता है कि इनके पति से मेरे पुराने संबंध रहे हैं। अनंत सिंह की पत्नी हाल ही में राजद छोड़ जदयू में शामिल हुई हैं। नीतीश कुमार ने कहा कि बीच में थोड़ा बहुत इधर-उधर हो गये थे, अब इधर आ गये हैं। इनको मालूम है, उनके पति से हमारा संबंध पुराना है। इनके पिताजी से हमारे पिताजी का पुराना रिश्ता था। दो बार बीच में इधर-उधर हो गये। मोकामा से चार बार विधायक रहे अनंत सिंह हाल ही में 14 दिनों की पैरोल पर जेल से बाहर आये हैं। अनंत सिंह राजद और जदयू दोनों ही दलों से विधायक रह चुके हैं। 2005 में पहली बार वो जदयू की टिकट पर विधायक बने थे। लेकिन, 2015 में किसी बात पर असहमति होने की वजह से उनका जदयू से मोहभंग हो गया था। इसके बाद 2020 के विधानसभा चुनाव में वो राजद की टिकट पर चुनाव लड़े थे।

बता दें कि उनकी पत्नी नीलम देवी भी यहां से उपचुनाव में जीत का पताका फहरा चुकी हैं। हाल ही में उनकी पत्नी राजद छोड़कर जदयू में शामिल हुई हैं, जिसका खुद सीएम नीतीश कुमार ने अपने संबोधन में जिक्र किया है। वहीं अनंत सिंह को मिले पैरोल को लेकर भी बिहार में राजनीति तेज हो गयी है। अनंत सिंह की पैरोल पर राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने नीतीश सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी सरकार है, जो कि खुद पैरोल पर है। अब एक व्यक्ति की रिहाई के बारे में क्या कहा जाए, सभी जानते हैं कि यह सरकार कितने एहसानों के बाद बनी है।

23 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

एजेंसी

11 में हैं मतदान बूथ, आज होनी है वोटिंग

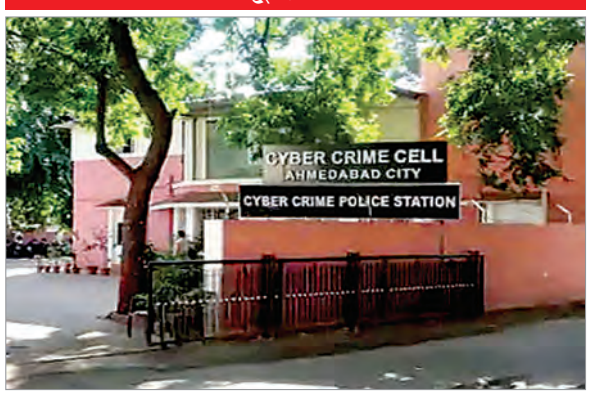

अहमदाबाद : राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की तरह ही अहमदाबाद में कई स्कूलों को धमकी भरे ई-मेल मिलने से हड़कंप मच गया है। अहमदाबाद के 23 स्कूलों को बम से उड़ाने का ई-मेल भेजा गया है। अहमदाबाद पुलिस बम स्क्वॉड के साथ इन सभी स्कूलों में बारीकी से जांच में जुटी है। ई-मेल सुबह सात बजे एक के बाद एक स्कूलों में भेजे गये। सभी ई-मेल में दिल्ली जैसे ही कंटेंट हैं। मेल की लिपि रोमन (अंग्रेजी) में है, लेकिन भाषा हिंदी है। इन स्कूलों में से 11 स्कूल में मंगलवार को मतदान किया जायेगा। इस वजह से पुलिस विशेष सावधानी बरत रही है।

अहमदाबाद क्राइम ब्रांच के डीसीपी अजित राजियाण ने बताया कि स्कूलों को धमकी भरे ई-मेल मिले हैं। ट्यूमेल डॉट आईओ चेक करने पर धमकी भरे ई-मेल मिलने की जानकारी हुई। मेल फेक ई-मेल आईडी से भेजे गये हैं। ट्यूमेल डॉट आईओ एक वैरिफाइ प्लेटफॉर्म है, जैसा कि ट्रू कॉलर मोबाइल में फोन करने वाले के नंबर की जानकारी मिलती है, उसी तरह ट्यूमेल डॉट आईओ ईमेल एड्रेस किसका है, इसकी जानकारी देता है।

अहमदाबाद शहर के डीईओ रोहित चौधरी ने बताया कि सकूलों को अज्ञात ई-मेल से धमकी मिली थी। जिसके बाद स्कूल की ओर से डीईओ कार्यालय और समीप के पुलिस थाने को जानकारी दी गयी। पुलिस ने तुरंत ही डॉग स्क्वॉड, बम स्क्वॉड लेकर जांच शुरू कर दी। हालांकि अभी तक किसी भी स्कूल में किसी तरह की संदिग्ध वस्तु मिलने की जानकारी नहीं है। पुलिस के अनुसार, ई-मेल तौहिद वॉरियर के नाम से की गयी है। सुबह 7 बजे के बाद एक के बाद एक कर 17 स्कूलों को ई-मेल मेल भेजे गये हैं। ई-मेल में लिखा गया है - इस्तीशादी पूरे शहर में फैल गये हैं और हमला करने को तैयार हैं। तौहिद के योद्धा प्रतिकार करने वाले सभी लोगों को मार डालेंगे। हमारा ध्येय शरिया कानून स्थापित करना है। हमारे शरण आओ या हमारे द्वेष से मर जाओ। हम तुम्हारे जीवन को खून की नदियों में बदल देंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चुनावी सभा को किया संबोधित, कहा –

घोटाले में जेल जा चुके लालू, उनके साथी कर रहे भ्रष्टाचार

एजेंसी

पटना : राज्य में समस्तीपुर जिले के उजियारपुर लोकसभा क्षेत्र के नरघोघी में नित्यानंद राय के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लालू प्रसाद यादव पर हमला करते हुए कहा कि सत्ता के स्वार्थ के कारण लालू यादव कांग्रेस की गोद में जाकर बैठ गये हैं। वो चारा घोटाले, अलकतरा घोटाले और जमीन के बदले नौकरी देने के मामले में जेल जा चुके हैं जबकि उनके सभी साथी भी भ्रष्टाचार करने में लगे हुए हैं। अमित शाह ने कहा कि झारखंड में इंडी गठबंधन के मंत्री के सचिव के नौकर के पास से 30 करोड़ रुपये मिले। इससे दो महीने पहले कांग्रेस सांसद के घर से 350 करोड़ रुपये मिले थे। इससे कुछ देर पहले ही ममता बनर्जी के मंत्री के घर से 51 करोड़ रुपये मिले थे। मैं लालू यादव को कहना चाहता हूं कि इसी कांग्रेस ने पिछड़ों का विरोध किया। मंडल कमीशन का विरोध किया। पिछड़ा समाज के विरोधी कांग्रेस की गोद में लालू व इनके बेटे बैठे हैं। भाजपा ने सबसे पहले पिछड़ा-अति पिछड़ा वर्ग का प्रधानमंत्री बनाया है। गरीब चाय बेचने वाले को प्रधानमंत्री बनाया है। अमित शाह ने कहा कि लालू के लालटेन व पंजे के साथ अन्याय, भूखमरी, गरीबी तो एनडीए के साथ आने पर डबल इंजन सरकार मिलेगी जो बिहार को आगे बढ़ायेगी। आज केंद्र सरकार में 27 पिछड़े वर्ग के मंत्री हैं। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछड़ा समाज की सबसे विरोधी पार्टी कांग्रेस पार्टी है। बिहार के वंचितों, पिछड़ों और दलितों के नेता कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें जननायक भारत रत्न बनाने का काम किया। मोदी ने नीट, मेडिकल और एम्स दाखिले में पिछड़े और अति पिछड़े समाज को आरक्षण दिया।

अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने पिछड़े समाज के आरक्षण पर डाका डालने का काम किया है। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनी और रातों-रात पूरे मुस्लिम समुदाय को बिना पिछड़ेपन का सर्वेक्षण कराये पिछड़ा घोषित कर दिया गया और पिछड़े समुदाय का पांच प्रतिशत आरक्षण काटकर मुसलमानों को दे दिया गया। हमारी सरकार कर्नाटक में बनी तो उसे समाप्त कर पिछड़ों को फिर से उसका लाभ दिया जायेगा।

ईडी के सर्वे में दिख रहा है कि संपत्ति का बंटवारा किस ढंग से हो रहा है : भाजपा

- कांग्रेस के अंदर की हालात होती चली जा रही है उजागर

एजेंसी

नई दिल्ली : कांग्रेस नेता राधिका खेड़ा द्वारा पार्टी छोड़ने और कांग्रेस पर लगाये गये आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस का अंदरूनी मामला है। उनकी पार्टी के अंदर नेता घुटन महसूस कर रहे हैं और एक-एक करके पार्टी छोड़ रहे हैं। कांग्रेस के अंदर की हालत उजागर होती चली जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि इसकी शुरुआत उस समय से हुई, जब अरुणाचल प्रदेश के कांग्रेस के मुख्यमंत्री कालिखो पुल, जिन्होंने बाद में आत्महत्या कर ली थी, उन्होंने अपने बयान में लिखा था कि दो साल तक उन्हें मिलने का समय नहीं दिया गया और वहां से लेकर एक लंबी श्रृंखला राधिका खेड़ा तक आती है। इस सवाल का जवाब कांग्रेस वालों से पूछा जाना चाहिए कि उनके यहां ऐसा क्यों हो रहा है?

झारखंड सरकार के मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आलमगीर आलम के पीएस के सहायक के ठिकाने से भारी मात्रा में कैश बरामदगी पर सवाल उठाते हुए त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी कहते हैं कि सर्वे कराकर वह संपत्ति का बंटवारा करेंगे। अब, ईडी के सर्वे में दिख रहा है कि संपत्ति का बंटवारा किस ढंग से हो रहा है। मंत्री तो छोड़िये, मंत्री के निजी सचिव तो छोड़िये, निजी सचिव के नौकर के यहां करोड़ों मिल रहे हैं। देश की जनता को यह समझना चाहिए कि तथाकथित संपत्ति के बंटवारे की तथाकथित क्रांति का सच क्या है। आज हालत यह है कि मंत्री के निजी सचिव के नौकर करोड़पति हो गये हैं।

राजनीति

नीट-यूजी-2024 पेपर लीक की अफवाह पर देश में राजनीति का बाजार गर्म

राहुल व प्रियंका गांधी ने भाजपा पर साधा निशाना

- राहुल बोले - नीट का पेपर लीक होना छात्र-छात्राओं और उनके परिवारों के सपनों के साथ है धोखा

एजेंसी

नई दिल्ली : लोकसभा चुनाव के बीच नीट परीक्षा पेपर लीक होने की अफवाह से देश की राजनीति गरमा गयी है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसे मुद्दा बनाते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा - नीट का पेपर लीक होना छात्र-छात्राओं और उनके परिवारों के सपनों के साथ धोखा है। उन्होंने कहा कि 12वीं पास कर कॉलेज में दाखिले का सपना संजोये छात्र हों या सरकारी नौकरी के लिए संघर्ष कर रहे होनहार युवा, हर किसी के लिए यह सरकार अभिशाप बन चुकी है।

चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा है बेरोजगारी और नौकरियों में भ्रष्टाचार : प्रियंका

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नेशनल इलेजिब्लिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट-यूजी-2024) पांच मई को आयोजित किया था। उसी दिन नीट का पेपर लीक होने की अफवाह उड़ी थी। प्रियंका गांधी ने नीट का पेपर लीक होने की खबरों पर सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा - एक बार फिर से नीट का पेपर लीक होने की खबरें आ रही हैं। देश के 24 लाख युवाओं के भविष्य के साथ फिर से खिलवाड़ हुआ। उन्होंने कहा कि आज बेरोजगारी और नौकरियों में भ्रष्टाचार इस चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा है। प्रियंका गांधी ने कांग्रेस के घोषणा पत्र का जिक्र करते हुए कहा कि हमारे न्याय पत्र का संकल्प है कि पेपर लीक बंद होगा। भर्तियां कैलेंडर के हिसाब से निकलेंगी और खाली पद भरे जायेंगे। युवाओं के भविष्य के साथ यह खिलवाड़ बंद होगा और हम ये करके दिखायेंगे।

सरकार बनी तो पेपरलीक के खिलाफ लायेंगे कड़ा कानून : अशोक गहलोत

जयपुर : पेपरलीक मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा है कि केंद्र में हमारी सरकार बनी तो देश भर में इसके खिलाफ कड़ा कानून लायेंगे। गहलोत ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा - पेपर लीक माफिया पूरे देश में सक्रिय हैं। भाजपा सरकार की लापरवाही एवं कार्रवाई की मंशा ना होने के कारण 10 साल में पेपर लीक माफिया देशभर में मजबूती से फैल गया है। इससे करोड़ों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ है। राजस्थान में हमारी सरकार ने पेपर लीक को रोकने के लिए उम्रकैद तक की सजा का कठोर कानून बनाया था।